www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार,11 अगस्त, 2023 | वर्ष-16 | अंक -126 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

मोदी सरकार अड़ियल है, मणिपुर पर बहस नहीं ... 02

- बच्चों की सुरक्षा के लिए निगम विद्यालयों में नियुक्त... 03
- स्कूल में तीन साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न...
- उत्तर कोरियाई नेता ने सैन्य क्षमता को बढ़ाने के लिए... 07
- बेलारूस की सीमा पर दो हजार सैनिकों को तैनात करेगा...

'महिला प्रधान एक्शन फिल्में नहीं चलती',... 10

सार संक्षेप

सुप्रीम कोर्ट में क्यूआर कोड आधारित ई-पास से मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने गुरुवार को 'सुस्वागतम' नामक एक पोर्टल लॉन्च किया, जहां अधिवक्ता, वादी और अन्य नागरिक सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश के लिए क्यूआर कोड-आधारित ई-पास का अनुरोध कर सकते हैं। वेब-आधारित पोर्टल और मोबाइल-अनुकूल एप्लिकेशन वादियों और अन्य सभी को लंबी कतारों से बचाएगा, और शीर्ष अदालत में उन्हें पेपरलेस प्रवेश की सुविधा देगा।

कश्मीर में लश्कर के 6 सहयोगी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा के दो मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए संगठन के छह आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला और बडगाम जिलों के सीमावर्ती शहर उरी में आतंकवादी संगठन के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया। संयुक्त गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति ने गश्ती दल को देखकर भागने का प्रयास किया।

अमृतसर से 12 किग्रा हेरोइन बरामद 3 तस्कर दबोचे

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने तीन नशा-तस्करों को काबू करके और उनके पास से 12 किलो हेरोइन बरामद करके सरहद पार से चलाए जा रहे नशा-तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान भिन्दर सिंह उर्फ भिन्दा दिलबाग सिंह उर्फ मनु, मनीपाल सिंह उर्फ मनी के रूप में हुई है।

माओवादियों का टॉप लीडर प्रमोद मिश्र गिरफ्तार

रांची। भाकपा माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो मेंबर और टॉप लीडर्स में से एक प्रमोद मिश्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसपर झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश में नक्सली वारदातों के दर्जनों मामले दर्ज हैं। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित कई राज्यो में नक्सली संगठनों के विस्तार में उसका अहम रोल रहा है।

असम में चाय बागान से 18 फीट लंबा अजगर रेस्क्यू

गुवाहाटी। असम के नगांव जिले में गुरुवार को एक चाय बागान से स्थानीय लोगों ने 18 फीट लंबे अजगर को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बालिजुरी चाय बागान में स्थानीय लोगों ने विशाल अजगर को देखा। इसके बाद उन्होंने वन अधिकारियों इसकी जानकारी दी।

विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव गिरा, मोदी ने साधा निशाना

यह 'इंडिया' नहीं, 'घमंडिया' गठबंधन है

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की तरफ से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गुरुवार को लोकसभा में गिर गया।

ये अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिरा है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बोलने के दौरान ही विपक्षी पार्टियों ने वॉकआउट कर दिया था। विपक्ष का कहना था कि करीब दो घंटे तक बोलने के बाद भी पीएम मोदी ने मणिपुर का जिक्र नहीं किया। हालांकि पीएम मोदी ने भाषण के आखिरी हिस्सों में मणिपुर पर विस्तृत बयान दिए। मोदी ने 2 घंटे 12 मिनट का भाषण दिया, जिसमें वे मणिपुर पर 1 घंटे 52 मिनट बाद बोले। बड़ी बात ये कि जब प्रधानमंत्री ने मणिपुर पर बात शुरू की। प्रधानमंत्री ने ये भी कहा- यूपीए को लगता है कि देश के नाम का इस्तेमाल कर विश्वसनीयता बढ़ाई जा सकती है। ये इंडिया गठबंधन नहीं है। ये घमंडिया गठबंधन है। इनकी बारात में हर कोई दूल्हा बनना चाहता है। सबको प्रधानमंत्री बनना है। प्रधानमंत्री ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा, 2018 में मैंने नेता सदन के नाते उनको (विपक्ष) काम दिया था कि 2023 में वो अविश्वास प्रस्ताव लाएं। अब 2028 में लाने का काम उनको दे रहा हूं, लेकिन कम से कम थोड़ी तैयारी करके आएं। ताकि जनता को लगे कि कम से कम वो विपक्ष के लायक है।'

इनकी बारात में हर कोई दूल्हा बनना चाहता है। सबको प्रधानमंत्री बनना है : नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2028 में अच्छी तैयारी के साथ आना

- विपक्ष ने मोदी के भाषण के दौरान किया वाकआउट
- प्रधानमंत्री मोदी ने 2 घंटे 12 मिनट तक भाषण दिया

मोदी को कांग्रेस का डर सताता है : अधीर रंजन

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने वॉकआउट करने को लेकर कहा,मणिपुर के मुद्दे पर आज भी पीएम 'नीरव' ही बने रहे। 'नीरव' रहने के चलते मैंने सोचा कि नया नीरव मोदी देखने का क्या फायदा। इनके दरबारी सारी बात कह चुके हैं। पीएम मोदी जो दोहराते हैं वो ही बात उनके दरबारी कह चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी को कांग्रेस का डर सताता है।

भारत की उपलब्धियों पर विपक्ष को है अविश्वास

पिछले 5 साल में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। आईएमएफ लिखता है कि भारत ने अति गरीबी को करीब-करीब खत्म कर दिया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है जल जीवन के जरिए 4 लाख लोगों की जान बच रही है। यूनीसेफ ने कहा कि स्वच्छ भारत के कारण हर साल गरीबों के 50 हजार रुपए बच रहे हैं। इन उपलब्धियों पर कांग्रेस समेत विपक्ष के कुछ दलों को अविश्वास है। जो सच्चाई दुनिया दूर से देख रही है, वो यहां रहकर नहीं देख पा रहे हैं।

मणिपुर में फिर शांति का सूरज उगेगा, राज्य आगे बढ़ेगा

मणिपुर में अदालत का एक फैसला आया, हम जानते हैं। उसके पक्ष-विपक्ष में जो स्थितियां बनी, हिंसा का दौर शुरू हुआ, परिवारों ने अपने स्वजन खोए, महिलाओं के साथ गंभीर अपराध हुए, ये अक्षम्य हैं, दोषियों को सजा दिलवाने के लिए केंद्र-राज्य मिलकर प्रयास कर रहे हैं। मैं सभी देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो कोशिशें चल रही हैं, निकट भविष्य में शांति का सूरत जरूर उगेगा। मणिपुर फिर नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा।

सरकार पर आक्रामक अंदाज में बरसीं महुआ

सब्जियां हिंदू हुई, बकरा मुसलमान हो गया

नई दिल्ली। अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने आज संसद में कहा, 'सब्जियां हिंदू हुई, बकरा मुसलमान हो गया।' सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम यहां अपने 'तुम अभी चुप रहो' गणतंत्र में सवाल पूछने आए हैं, जहां प्रधानमंत्री एक राज्यपाल से कहते हैं 'चुप रहो'। इस सदन में निर्वाचित सांसद के रूप में हमसे नियमित रूप से कहा जाता है 'चुप रहो'। यह प्रस्ताव मणिपुर को लेकर इस चुप्पी को तोड़ने के लिए है। पीएम मोदी हमारी बात नहीं सुनेंगे, आखिरी दिन आकर भाषण देंगे।

मणिपुर की सच्चाई छिपाना चाहती है सरकार : गोगोई

नई दिल्ली। गौरव गोगोई ने विपक्ष द्वारा लोकसभा से वॉकआउट के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये सरकार मणिपुर की सच्चाई छिपानी चाहती है। ये अविश्वास प्रस्ताव 'इंडिया' अलायंस के एक सदस्य होने के नाते मैंने लोकसभा में पेश किया था। इस अविश्वास प्रस्ताव के दो कारण थे, पहला कारण, मणिपुर को इंसाफ मिलना चाहिए। दूसरा कारण, देश की संसद की मर्यादा को बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी को विवश करना कि वो सदन में आकर अपना मौन व्रत तोड़ें। दूसरा उद्देश्य सफल रहा। इतने दिनों के संघर्ष के बाद, इतनी कठिनाइयों के बाद आज देश प्रधानमंत्री को सदन के अंदर बोलते हुए देख रहा है। अगर हम 'इंडिया' अलायंस ये अविश्वास प्रस्ताव इतने संघर्ष के बाद, इतनी लड़ाई के बाद नहीं पेश करते, तो शायद प्रधानमंत्री विदेशों की संसदों में भाषण देते रहते और हमारे भारत के सदन को शायद वो भूल जाते। तो हमने मजबूर किया और उन्होंने अपना मौन व्रत तोड़ा। हमारा उद्देश्य है मणिपुर को इंसाफ मिले।

प्रधानमंत्री को मौन व्रत तोड़ने को किया मजबूर

आरबीआई ने रेपो दर में नहीं किया बदलाव

- जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान
- तीसरी द्विमासिक बैठक के बाद किया गया ऐलान

भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में आई सुस्ती के बीच सशक्त और मजबूत बना हुआ और यह महंगाई को काबू में करने में सक्षम है: शक्तिकांत दास, गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई को लक्षित दायरे में रखने के लक्ष्य पर नजर टिकाए रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने गुरुवार को विकास अनुमान को यथावत बनाये रखने और महंगाई के अनुमान को बढ़ाते हुए नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करने का निर्णय लिया, जिससे आम लोगों के घर, कार और अन्य प्रकार के ऋणों की किस्तों में बढोतरी नहीं होगी। समिति ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय लिया है। चालू वित्त वर्ष में तीसरी द्विमासिक तीन दिवसीय बैठक के बाद आज जारी बयान में यह घोषणा की गयी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुये कहा कि फिलहाल नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं की जा रही है लेकिन नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने के बीच समिति ने समयोजन वाले रूख से पीछे हटने का निर्णय लिया है। फिलहाल नीतिगत दरों में बढोतरी नहीं होगी। रेपो दर 6.5 प्रतिशत, स्टैंडर्ड जमा सुविधा दर 6.25 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग सुविधा दर 6.75 प्रतिशत, बैंक दर 6.75 प्रतिशत, फिक्स्ड रिजर्व रेपो दर 3.35 प्रतिशत, नकद आरक्षित अनुपात 4.50 प्रतिशत, वैधानिक तरलता अनुपात 18 प्रतिशत पर यथावत है।

छोटे डिजिटल भुगतान की सीमा बढ़ाई

रिजर्व बैंक ने ऑनलाइन भुगतान को बढ़ावा देने के लिए छोटे डिजिटल भुगतान की सीमा 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपए प्रति ट्रांजेक्शन कर दी है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) और यूपीआई लाइट सहित ऑफलाइन मोड में छोटे मूल्य के डिजिटल भुगतान के लिए आरबीआई ने प्रति लेनदेन 200 रुपए की सीमा और 2000 रुपए की समग्र सीमा निर्धारित की है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का बिल राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। जबरदस्त हंगामे के बीच राज्यसभा में गुरूवार को मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल पेश किया गया। इसके विरोध में विपक्षी सांसदों ने जबरदस्त नारेबाजी की। इस दौरान इंडिया गठबंधन से जुड़े विपक्ष के अधिकांश सांसद सभापति के आसन के निकट वेल में आ गए। सदन की कार्यवाही के लिए नियम पुस्तिका दिखा रहे कुछ सांसदों ने इस दौरान सभापति के आसन तक पहुंचने की भी कोशिश की। हालांकि, इन सांसदों को रोकने के लिए तुरंत ही गार्ड तैनात कर किए गए, ताकि विरोध जता रहे सांसद सभापति के आसन तक न पहुंच सके। राज्यसभा में हुए इस जबरदस्त हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, सपा व आरजेडी समेत इंडिया गठबंधन के दल इस विधेयक के खिलाफ हैं। विपक्ष के सांसदों रणदीप सिंह सुरजेवाला, जॉन बिटास, प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि सरकार द्वारा लाए जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है।

- विपक्षी सांसदों ने किया बिल का विरोध, हंगामा
- जबरदस्त हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित

मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी

इसी वर्ष मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि चुनाव आयुक्तों का चयन राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाले पैनल की सलाह पर किया जाएगा। वहीं, केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने के लिए यह विधेयक लाई है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी। राज्यसभा में लाए गए इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति की सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी।

केंद्र पर कांग्रेस का बड़ा हमला

आयोग को प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाने की कोशिश

कांग्रेस पार्टी ने राज्यसभा में पेश मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्त पर विधेयक, 2023 को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि इस विधेयक के जरिए चुनाव आयोग को पूरी तरह से प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाने का जबर्दस्त प्रयास हो रहा है। यह नया कानून मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से भारत के मुख्य न्यायधीश को बाहर कर देगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीटकर कहा सभी लोकतांत्रिक ताकतों को इसका विरोध करना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर सतर्कता बढ़ी

लाल किला, आईटीओ के आसपास धारा 144 लागू

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए राजघाट, आईटीओ और लाल किला के आसपास कई इलाकों में धारा 144 लगा दी है। पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय) ने ट्वीट किया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राजघाट, आईटीओ और लाल किले के आसपास के सभी इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस उपायुक्त ने लिखा कि इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की सभा की अनुमति नहीं है। 15 अगस्त को 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से देश को संबोधित करेंगे।

रेलवे स्टेशनों पर पार्सल बुकिंग रहेगी रद्द

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रेलगाडियों में पार्सल की बुकिंग 12 अगस्त से 15 अगस्त तक नहीं होगी। उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन (पुरानी दिल्ली), हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, दिल्ली सराय रोहिल्ला तथा आदर्श नगर दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए रजिस्टर्ड न्यूजपेपर एवं मैगजीन्स के अलावा पार्सल पैकेट पर रोक लगाई है।

मणिपुर में एक और दुष्कर्म की भयावहता सामने आई

इम्फाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में बलात्कार और यातना का एक और भयावह मामला सामने आया है। अब एक राहत शिविर में रह रही पीड़िता ने पुलिस में एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें 3 मई को घटित अपराध का खुलासा किया गया है। इस 37 वर्षीय विवाहिता ने अपनी शिकायत में कहा, पांच-छह लोगों ने मुझे पकड़ लिया और गाली देना तथा मारना-पीटना शुरू कर दिया। मेरे विरोध के बावजूद मुझे जबरदस्ती नीचे गिरा दिया गया। इसके बाद उन्होंने मेरा यौन उत्पीड़न करना शुरू कर दिया... उन्होंने हिंसक तरीके से मेरे निजी अंग में अपनी उंगलियां डाल दीं। मदद के लिए मेरे चिल्लाने के बावजूद किसी से कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद कुछ और लोग उनके साथ शामिल हो गए। उस समय, मैं बेहोश हो गई थी।

- 37 वर्षीय विवाहिता ने शिकायत दर्ज कराई

भाजपा सरकार से एमएनएफ नेता नाखुश

लोकसभा में मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के एकमात्र सदस्य सी. लालरोसांगा ने गुरुवार को कहा कि जातीय हिंसा से निपटने पर केंद्र और मणिपुर की भाजपा सरकारों के रवैए से उनकी पार्टी बेहद नाखुश है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करते हैं।

नूंह हिंसा के दो आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

एक के पैर में लगी गोली

नूंह, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को ब्रजमंडल शोभा यात्रा के दौरान भड़की साम्प्रदायिक हिंसा के आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए राज्य पुलिस ने बड़ा अभियान छेड़ रखा है और इसी कड़ी में उसने गुरुवार को एक मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हिंसा के बाद फरार हुए अथवा छिप गए ऐसे ही दो आरोपियों को पकड़ने के लिए निरीक्षक संदीप मोर के नेतृत्व में अपराध शाखा टीम ने सूचना मिलने पर तावडू के सिलको गांव की पहाड़ी के निकट धावा बोला। फायरिंग में सैकुल के पैर में गोली लगी है।

रिपोर्ट *भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट से मिली जानकारी*

रेलवे ने यात्री ट्रेनों में कमाई से अधिक किया खर्च

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने रेल मंत्रालय पर अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया है कि परिचालन अनुपात (ओआर) 2020-21 में 97.45 प्रतिशत के मुकाबले 2021-22 में 107.39 प्रतिशत था। क्योंकि रेलवे शुद्ध अधिशेष उत्पन्न नहीं कर सका। 8 अगस्त को रेलवे के वित्त पर सीएजी की 2023 की रिपोर्ट संख्या 13 में बताया गया कि बजट अनुमान में 96.15 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले, 2021-22 में रेलवे का परिचालन अनुपात 107.39 प्रतिशत था।

रिपोर्ट में कहा गया, इसका मतलब है कि रेलवे ने 100 रुपए कमाने के लिए 107.39 रुपये खर्च किए। 2020-21 के दौरान 97.45 प्रतिशत के परिचालन अनुपात की तुलना में, 2021-22 में गिरावट आई। ऑपरेटिंग अनुपात कामकाजी खर्चों के अनुपात को दर्शाता है और उच्च अनुपात अधिशेष उत्पन्न करने की खराब क्षमता को इंगित करता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर रेलवे के पेंशन भुगतान पर खर्च को पूरा करने के लिए आवश्यक 51,215.94 करोड़ रुपये की वास्तविक राशि (48,100 करोड़ रुपए के बजाय) पेंशन फंड में विनियोजित की गई होती, तो रेलवे के कामकाजी खर्च में वृद्धि होती। बढ़े हुए कामकाजी खर्चों के साथ, 2021-22 में ओआर 107.39 प्रतिशत के बजाय 109.02 प्रतिशत होगा। इस प्रकार रेलवे द्वारा दिखाया गया 107.39 प्रतिशत का ओआर रेलवे के वास्तविक वित्तीय प्रदर्शन को नहीं दर्शाता है।

- 100 रुपए कमाने के लिए 107.39 रुपए खर्च किए

रिपोर्ट में कहा गया है, फिर से, अगर रेलवे के डीआरएफ भुगतान पर व्यय को पूरा करने के लिए आवश्यक वास्तविक राशि (661.01 करोड़ रुपए) को डीआरएफ (शून्य के बजाय) में विनियोजित किया गया होता, तो रेलवे के कामकाजी खर्च में वृद्धि होती। बढ़े हुए कामकाजी खर्चों के साथ, 2021-22 में ओआर 107.39 प्रतिशत के बजाय 109.36 प्रतिशत होगा।

पूर्वी तट का परिचालन अनुपात सबसे अच्छा

छह जोनल रेलवे पूर्वी तट, उत्तर मध्य, दक्षिण मध्य, दक्षिण पूर्वी, दक्षिण पूर्व मध्य और पश्चिम मध्य रेलवे का परिचालन अनुपात 100 प्रतिशत से कम था, इसमें पूर्वी तट का परिचालन अनुपात 54.58 प्रतिशत पर सर्वोत्तम था।

देश

उवाच “

संसद में अविश्वास प्रस्ताव का नतीजा जो भी हो मणिपुर में पिछले तीन महीने से जारी हिंसा से स्पष्ट है कि वहां राज्य एवं केन्द्र सरकार दोनों विफल रही है। दोनों जगह भाजपा की ही सरकार है एवं हिंसा की शुरूआत से ही राज्य सरकार के पक्षपाती रवैये के कारण मैतेई एवं कुकी समुदाय के बीच खाई इतनी गहरी हो चुकी है :-**विजय कुमार चौधरी, वरिष्ठ नेता जदयू**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	35.2	27.2
मुंबई	31.3	26.0
कोलकाता	32.6	27.0
चेन्नई	37.1	25.5

अधीर रंजन चौधरी को किया लोकसभा से निलंबित, वीरेंद्र सिंह मस्त ने मांगी माफी

नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन से निलंबित

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन से निलंबित करते हुए उनका मामला सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है।

मामला सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया

सदन में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को स्वीकार किये जाने के बाद लोकसभा स्पीकर बिरला ने अधीर रंजन चौधरी द्वारा सदन में लगातार किये जा रहे व्यवहार की जांच का मामला सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेजते हुए कमेटी की रिपोर्ट आने तक उन्हें सदन से निलंबित करने की घोषणा कर दी।

सदन में जब उनके निलंबन का यह प्रस्ताव पारित हुआ, उस समय अधीर रंजन चौधरी सहित कांग्रेस और अन्य कई विपक्षी दलों के सांसद मौजूद नहीं थे क्योंकि वे प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान ही सदन से वॉकआउट कर गए थे। इससे पहले भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने सदन में खड़े होकर अपने कृत्य के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वे अपने नेता के अपमान को सहन नहीं कर पाए इसलिए ऐसा कर गए और वे अपने व्यवहार के लिए माफी मांगते हैं।

मोदी सरकार अड़ियल है, मणिपुर पर बहस नहीं चाहती: कांग्रेस

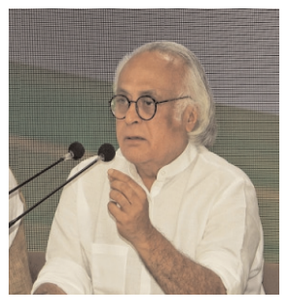

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि केंद्र मणिपुर मुद्दे पर बहस नहीं चाहता है। वह इस बात पर भी अड़ी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर राज्यसभा में नहीं बोलेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, 'राज्यसभा में 'इंडिया' गठबंधन के तीन सांसदों - द्रमुक के तिरुचि शिवा, माकपा के एलामाराम करीम और भाकपा के बिनॉय विश्वम - ने मणिपुर पर नियम 167 के तहत अर्थपूर्ण चर्चा के लिए राज्य सभा में एक प्रस्ताव पेश किया।' सभापति गतिरोध को तोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। 'इंडिया' गठबंधन के दलों ने जरूरत पड़ने पर पारस्परिक रूप से स्वीकार्य मसौदे पर पहुंचने के लिए भाजपा द्वारा प्रतिनियुक्त लोगों के साथ बैठने की भी पेशकश की है। लेकिन मोदी सरकार जिद्दी है - यह 'मेरी बात माननी है तो मानो नहीं तो चलते बनो' वाली बात है। स्पष्ट रूप से, वह बहस नहीं चाहती है। निश्चित रूप से सरकार इस बात अड़ी है कि प्रधानमंत्री राज्यसभा में मणिपुर पर नहीं बोलेंगे।' रमेश की यह टिप्पणी मणिपुर में हिंसा पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर राज्यसभा में हंगामे के बाद आई। विपक्ष इस मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री मोदी से विस्तृत बयान के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर चर्चा की मांग कर रहा है।

ओवैसी ने मणिपुर, हरियाणा हिंसा को लेकर सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में अवश्विास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान 'भारत छोड़ो' आंदोलन के बारे में बात करने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से गुरुवार को सदन में पूछा कि क्या वह इस तथ्य को जानते हैं कि आंदोलन को यह नाम एक मुसलमान ने दिया था। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए ओवैसी ने कहा, 'हमारे गृह मंत्री कल 'भारत छोड़ो' के बारे में बात कर रहे थे। अगर उन्हें पता होता कि 'भारत छोड़ो' शब्द एक मुस्लिम द्वारा रखा गया था, तो वह इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करते। मैं कहना चाहता हूं कि आप जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं, उससे देश को नुकसान होगा। मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि क्या हिंदुत्व देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने हरियाणा हिंसा का मुद्दा भी उठाया और कहा कि देश में नफरत का माहौल बनाया जा रहा है और नूंह में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। मणिपुर पर उन्होंने कहा कि वहां महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो रहा है और कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है, लेकिन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को क्यों नहीं हटाया गया।

यूपी विधानसभा में एमएसपी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तकरार, सपा ने किया वॉकआउट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को एमएसपी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी बहस हुई। सदन में किसानों की समस्याओं और उपज का समर्थन देने सहित कृषि से जुड़े कई मुद्दों पर मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और रालोद के सदस्यों ने सवाल किए। समाजवादी पार्टी के सदस्य जियाऊर्रहमान, पंकज पटेल, मनोज कुमार पाण्डेय, अभय सिंह और डा. पल्लवी पटेल ने सवाल किया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए क्या कर रही है। सपा सदस्यों ने कहा कि सरकार रबी, खरीफ और जायद फसलों की एमएसपी को दोगुना करने के लिए क्या कर रही है। सपा के मनोज कुमार पाण्डेय ने सवाल था कि क्या कृषि मंत्री बताएंगे कि उन्होंने छुट्टा सांड़ द्वारा फसल नुकसान किए जाने पर कोई मुआवजा देने की बात शामिल करेंगे। सपा सदस्यों के सवालों का सिलसिलेवार जवाब देते हुए कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने सत्तारूढ़ होने के बाद किसानों की सारी फसलों के दाम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने लगातार समर्थन मूल्य बढ़ाया है और पिछली सरकारों से ज्यादा मूल्य बढ़ाया गया है।

मेरे खिलाफ दुष्प्रचार कर रही भाजपा : चड्ढा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनकी छवि खराब करने के लिए उनके खिलाफ निराधार दुष्प्रचार कर रही है। श्री चड्ढा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे देश ने देखा कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार ने दिल्ली सरकार का गला घोंटने के लिए असंवैधानिक बिल पास किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का इतने से मन नहीं भरा है। अब मोदी सरकार ने एक नयी परंपरा शुरू की है कि जो भी उसके खिलाफ बोलेगा, उसकी सदस्यता खत्म कर देगी, उसको निलंबित कर देगी या एफआईआर कर देगी। मोदी सरकार को लोकतंत्र का ड्रामा करने के बजाय देश में तानाशाही शासन की घोषणा कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अफवाह कंपनी भाजपा के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में झूठ बोला कि गलत हस्ताक्षर हो गया। अमित शाह देश के दूसरे नंबर के मंत्री है। उनको सदन की कार्रवाई के बारे में समान्य ज्ञान की जानकारी होनी चाहिए। चयन समिति में किसी भी सदस्य द्वारा किसी भी सदस्य का नाम प्रस्तावित किया जा सकता है और उसके हस्ताक्षर की जरूरत नहीं होती है। दअरसल, मोदी सरकार का एकमात्र मकसद राहुल गांधी की तरह राघव चड्ढा की भी सदस्यता खत्म करनी है। लेकिन हम लड़ना और जीतना जानते हैं। अगर गलत हथकंडे अपनाकर राघव चड्ढा की सदस्यता खत्म की गई तो वो दोबारा भी चुन कर आ जाएंगे। लेकिन अमित शाह जी को झूठ और अफवाह नहीं फैलानी चाहिए।

संसद से

कलावती कहानी: कांग्रेस के मनिकम टैगोर ने शाह के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव नोटिस भेजा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर ने गुरुवार को महाराष्ट्र की महिला कलावती बंदुरकर के मामले में संसद को गुमराह करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया। शाह ने बुधवार को लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चल रही चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में एक विधवा कलावती के घर 2008 में राहुल गांधी की बहुप्रचारित यात्रा का जिक्र किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपे गए अपने विशेषाधिकार प्रस्ताव पत्र में, टैगोर ने कहा, 'मैं केंद्रीय गृह मंत्री शाह द्वारा संसदीय विशेषाधिकार के उल्लंघन की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने और एक नोटिस लाने के लिए लिख रहा हूं।' उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लोकसभा के नियमों के अनुसार, सदन को संबोधित करते समय सटीक और सच्ची जानकारी की पवित्रता बनाए रखना मंत्री का कर्तव्य है।

मणिपुर मुद्दे से भाजपा सरकार के निपटने के तरीके से एमएनएफ नेता नाखुश

आइजोल। लोकसभा में मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के एकमात्र सदस्य सी. लालरोसांगा ने गुरुवार को कहा कि जातीय हिंसा से निपटने पर केंद्र और मणिपुर की भाजपा सरकारों के रवैये से उनकी पार्टी 'बेहद नाखुश' है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। लालरोसांगा की टिप्पणी तब आई जब एनडीए के सबसे पुराने सहयोगियों में से एक एमएनएफ ने 'मणिपुर संकट से गलत तरीके से निपटने' को लेकर लोकसभा में विपक्षी इंडिया ब्लॉक द्वारा प्रायोजित अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने का फैसला किया है। मणिपुर मुद्दे से बेहद नाराज लालरोसांगा और मिजोरम से एमएनएफ के एकमात्र राज्यसभा सदस्य के. वनलालवेना, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई एनडीए सांसदों की बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

यूपी के विधायकों ने विधानसभा में मोबाइल फोन पर बैन का विरोध किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधायक नई नियम पुस्तिका में प्रस्तावित राज्य विधानसभा में मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध के खिलाफ हैं। विधायकों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सोमवार को सदन में पेश मसौदा नियम पुस्तिका में संशोधन पेश किया है। उन्होंने प्रश्नकाल की अवधि बढ़ाने, हर साल विधानसभा की बैठक 90 दिन करने, पूरक प्रश्नों की संख्या बढ़ाने, सदन के कामकाज में महिला सदस्यों की बड़ी भूमिका, और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है जो सदस्यों द्वारा की गई कॉल को रिकॉर्ड करके इसे सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं। अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सदस्य नए नियमों में संशोधन का सुझाव दे सकते हैं जिन्हें मसौदा नियम पुस्तिका, उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रियाओं और कार्य संचालन के नियम, 2023 में शामिल करने के लिए राज्य विधानसभा की नियम समिति को भेजा जाएगा।

सार संक्षेप

ओमान में फंसे झारखंड के छह मजदूर, वतन वापसी की लगाई गुहार

रांची। झारखंड के छह मजदूर ओमान की राजधानी मस्कट में फंस गये हैं। वहां वे दाने-दाने को मोहताज हैं। इन मजदूरों ने वतन वापसी की गुहार सरकार से लगाई है। ये लोग राज्य के गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग के रहने वाले हैं। ये 22 दिसंबर 2022 को मोबाइल टावर लगाने वाली कंपनी में काम करने ओमान गये थे। यहां कंपनी ने दो महीने का वेतन दिया। इसके बाद उनसे जबरन काम कराया जा रहा है, लेकिन बीते पांच महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे इनकी परेशानी बढ़ती जा रही है।

बीएसएफ ने तरन तारन से 360 ग्राम हेरोइन बरामद की

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने एक संयुक्त तलाशी अभियान दौरान तरन तारन जिले के पल्लोपत्ति गांव से 360 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि सुबह के समय विशेष सूचना के आधार पर बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने पल्लोपत्ति गांव के बाहरी इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

स्टालिन की पत्नी ने गुरुवायुर मंदिर को सोने का मुकुट दान किया, 14 लाख है कीमत

तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पत्नी दुर्गा स्टालिन ने गुरुवार को त्रिशूर जिले के गुरुवायुर में प्रसिद्ध श्री कृष्ण मंदिर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर को 14 लाख रुपए की कीमत का 32 सिक्कों का सोने का मुकुट दान किया। इसके अलावा दुर्गा स्टालिन ने मंदिर को एक चंदन घिसने की मशीन भी दान की।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम शिवकुमार का ठेकेदारों पर कड़ा रुख, कहा जांच होगी

बेंगलुरु, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ठेकेदारों के बिलों की मंजूरी रोकने पर अपना रुख कड़ा करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि ठेकेदारों के बिलों को मंजूरी देने से पहले जांच की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा, 'शिकायतें उनके (भाजपा) और केम्पन्ना (राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष) द्वारा दी गई थीं। इन सभी शिकायतों पर न्याय देना होगा। उन्हें प्रचार के लिए कुछ भी करने दें।' 'मुझे पता है कि कौन उन्हें नई दिल्ली बुला रहा है और बयान देकर उन्हें प्रशिक्षित कर रहा है। मुझे यह भी पता है कि उन्हें मीडिया के सामने कौन पेश कर रहा है, इसके पीछे जो लोग हैं, वे अच्छी तरह से सुलझे हुए हैं और इसके बारे में बाद में बात करेंगे। जांच में ठेकेदारों को अपना काम साबित करना होगा। जिन ठेकेदारों ने ईमानदारी से काम किया है, सरकार उन्हें न्याय देगी।' कर्नाटक में कांग्रेस सरकार और ठेकेदारों के बीच दरार दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सरकार के खिलाफ जंग की राह पर उतरे ठेकेदारों ने पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा से बुधवार को मुलाकात की और उनसे लंबित बिलों को पूरा कराने के लिए उनका समर्थन करने का अनुरोध किया। राज्य ठेकेदार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने येदियुरप्पा से डॉलर्स कॉलोनी स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ उनके आंदोलन के लिए उनका सहयोग और समर्थन मांगा था। ठेकेदारों का आरोप है कि वह बिल में 15 फीसदी कटौती की मांग कर रहे हैं और इसकी शिकायत राज्यपाल थावरचंद गहलोत से भी की है। उन्होंने शिवकुमार को कमीशन के आरोपों पर अपने परिवार के देवता के सामने प्रतिज्ञा लेने की भी चुनौती दी। के.टी. बीबीएमपी कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजूनाथ ने कहा कि बीबीएमपी की सीमा और विधानसभा क्षेत्रों में कई परियोजनाएं शुरू और पूरी की गई हैं।

ठेकेदारों के बिलों को मंजूरी देने से पहले जांच की जाएगी

यूट्यूब चैनलों पर सामग्री के दुरुपयोग को रोकने के लिए नए कानून पर विचार कर रहा केरल

तिरुवनंतपुरम, 10 अगस्त (एजेंसियां)। यूट्यूब चैनलों पर अपमानजनक और भड़काऊ सामग्री को अवरुद्ध करने के लिए एक विशेष नोडल अधिकारी को नियुक्त करने की घोषणा करते हुए केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गुरुवार को राज्य विधानसभा को सूचित किया कि चूंकि यह एक गंभीर मुद्दा है, नए कानून के जरिए इस पर कैसे लगाम लगाई जा सकती है, यह देखना जरूरी है। विजयन ने यह बात सदन में ट्रेजरी बेंच के विधायक पी. वी. अनवर द्वारा उठाए गए सवाल पर कही। विजयन ने कहा, 'राज्य आईटी सचिव नोडल अधिकारी हैं, जिन्हें यूट्यूब की सामग्री के बारे में शिकायतों की जांच के लिए नियुक्त किया गया है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'न्यायालय के निर्देशों के आधार पर नोडल अधिकारी संबंधित अधिकारी को ऐसी सामग्री को ब्लॉक करने की सिफारिश भी कर सकते हैं।' हाल ही में, केरल में यूट्यूब चैनलों में भारी उछाल आया है, जो कई विषयों पर सामग्री प्रसारित करते हैं और कभी-कभी तो स्थिति बदतर भी हो गई है। अनवर का यहां के एक लोकप्रिय यूट्यूब चैनल प्रस्तोता के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है।

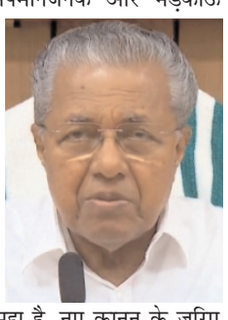

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला पलटा, सुप्रीम कोर्ट ने इकबाल हसन अली सैयद के खिलाफ एफआईआर की रद्द

अहमदाबाद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील इकबाल हसनअली सैयद के खिलाफ एफआईआर को खारिज कर दिया है, जो पहले गुजरात उच्च न्यायालय में सहायक सॉलिसिटर-जनरल के रूप में कार्यरत थे। इस फैसले से एक साल से अधिक समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई का अंत हो गया है, इसमें सैयद और पांच अन्य लोगों पर चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने से लेकर जबरन वसूली और गलत तरीके से कैद करने जैसे अपराधों का आरोप लगाया गया था। ये आरोप अहमदाबाद स्थित व्यवसायी विरल शाह की शिकायत के बाद लगाए गए थे। यह मामला शाह से जुड़ी एक घटना से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें एक व्यावसायिक विवाद के संबंध में उनके निजी सहायक ने पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के गांधीनगर आवास पर बुलाया था। व्यवसायी ने दावा किया कि उनकी कार में भागने से पहले वाघेला के आवास पर उन्हें धमकी दी गई, हिरासत में लिया गया और उन पर हमला किया गया। मामले की निगरानी जस्टिस एएस बोपन्ना और प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने की। उन्होंने आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 482 के तहत गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका को रद्द करने से इनकार करने के खिलाफ सैयद की अपील को अनुमति दी।

सैयद और पांच अन्य लोगों पर चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने से लेकर जबरन वसूली और गलत तरीके से कैद करने जैसे अपराधों का आरोप लगाया गया था

ईडी ने गिरफ्तार तमिलनाडु मंत्री सेंथिल बालाजी के भाई की संपत्ति जब्त की

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी के भाई अशोक कुमार की संपत्ति जब्त कर ली है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करूर में करूर-सलेम रोड पर अंडानकोइल पूर्व में अशोक कुमार की संपत्ति की तलाशी ली। आरोप थे कि अशोक कुमार 2.49 एकड़ जमीन पर सेंथिल बालाजी के फंड से एक विशाल हवेली का निर्माण कर रहे हैं। संपत्ति अशोक कुमार की पत्नी निर्मला के नाम पर पंजीकृत थी और मेलाकारुर उप रजिस्ट्रार कार्यालय में पंजीकृत थी। यह संपत्ति निर्मला को उनकी मां लक्ष्मी ने उपहार में दी थी, जिन्होंने कथित तौर पर एक बैंक से लिए गए भारी ऋण का भुगतान करके इसे एक व्यक्ति से खरीदा था। ईडी के अधिकारियों ने पहले निर्मला को बुधवार को अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए नोटिस भेजा था, लेकिन जब वह नहीं आईं तो विभाग ने संपत्ति जब्त करने का नोटिस जारी किया।

बिहार के विकास में समर्पित है महागठबंधन की सरकार : शीला

एक साल का हिसाब मांगने वाले पहले अपने नौ सालो का हिसाब दें: मदन

पटना, 10 अगस्त (देशबन्धु)। जदयू मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में परिवहन मंत्री शीला मंडल एवं समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने प्रदेशभर से पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान किया। इस कार्यक्रम के दौरान शीला मंडल में कहा कि यह मामला स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में है। जांच के बाद जो भी लोग दोषी पाए जाएंगे उन पर निश्चित ही उचित कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व में

हमारी सरकार बिहार के विकास और बिहार की जनता के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। विरोधियों की बयानबाजी से हमारी सरकार पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है, भाजपा आज महागठबंधन कि सरकार के एक साल का हिसाब मांग रही है, भाजपा अपने 9 वर्षों के शासनकाल का हिसाब दें:-शीला मंडल, परिवहन मंत्री

स्वास्थ्य विभाग बेहतर तरीके से कम कर रहा है, अगर कहीं कोई लापरवाही या चूक हुई है तो उस पर सरकार की पैनी नजर है। बिहार में महागठबंधन की सरकार के एक साल पूरे होने पर माननीय मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बिहार के विकास और बिहार की जनता के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा आज महागठबंधन कि सरकार के एक साल का हिसाब मांग रही है, हम एक साल का हिसाब देने के लिए तैयार है मगर भाजपा भी अपने 9 वर्षों के शासनकाल का हिसाब दे। प्रधानमंत्री ने दो करोड़ युवाओं को प्रतिवर्ष सरकारी नौकरी देने का वादा किया था लेकिन वह वादा आज भी अधूरा है, मोदी जी ने 15-15 लाख गरीबों के खाते हैं भेजने की बात कही थी मगर वह भी जुमला निकल गया। मंत्री ने कहा कि महागठबंधन की सरकार ने युवाओं को जो भरोसा दिलाया था आज वह पूरा हो रहा है। इसके अलावा जातीय गणना का काम भी अंतिम दौर में है भाजपा के लोगों ने इसको रोकने का भी बहुत प्रयास किया था मगर न्यायालय से उन्हें असफलता हाथ लगी। नगर निकाय चुनाव के दौरान भी अतिपिछड़ा आरक्षण में अड़ंगा लगाने का पूरा प्रयास किया गया लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दलित, पिछड़ा और अति पिछड़ा आरक्षण के पक्षधर रहें हैं, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पुरी कराने के बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नगर निकाय चुनाव को संपन्न करवाया। जनसुनवाई के दौरान पार्टी के प्रदेश महासचिव अरुण कुमार सिंह मौजूद थे।

प्रधानमंत्री बौखलाहट में अनर्गल बयान दे रहे हैं: भाकपा

पटना, 10 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री बौखलाहट में अनर्गल बयान दे रहे हैं। विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया बनने से प्रधानमंत्री की चेहरे पर परेशानी झलकने लगी है। यही कारण है विपक्षी गठबंधन को कभी ईस्ट इंडिया कंपनी से जोड़ रहे हैं तो कभी ह्यघमंडियाह्न कह रहे हैं। प्रधानमंत्री खुद घमंड में चूर हैं। उन्हें देश की जनता की नहीं सिर्फ अपनी कुर्सी की चिंता है। मणिपुर और हरियाणा जल रहा है। मणिपुर हिंसा में करीब दो सौ व्यक्ति की जानें चली गयी। दिल्ली के बगल में हरियाणा में प्रयोजित दंगे हो रहे हैं। गुड़गांव से मजदूर अपने घर को लौट रहे हैं, इस पर प्रधानमंत्री एक शब्द नहीं बोलते लेकिन विपक्षी एकता पर सवाल उठाते हैं और विपक्षी गठबंधन को घमंडिया कहते हैं। भाकपा प्रधानमंत्री के बयान का निंदा करती है। मुंबई में होने वाली 31 अगस्त और एक सितंबर की बैठक के बाद प्रधानमंत्री की बौखलाहट और बढ़ जाएगी।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पत्नी : मैं तुम्हारी याद में 15 दिन में आधी हो गई हूं
मुझे कब लेने आ रहे हो,
पति : बस 15 दिन और रूको....

बच्चों की सुरक्षा के लिए निगम विद्यालयों में नियुक्त किए जाएंगे सुरक्षाकर्मी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने गुरुवार को सिविक सेंटर स्थित निगम मुख्यालय में अध्यापक संगठनों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मेयर ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगो को सुना। मेयर ने कहा कि निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर जल्द ही सभी विद्यालयों में गार्डों की नियुक्ति की जायेगी। शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्य से मुक्त करने के लिए सभी विद्यालयों में डाटा एंट्री ऑपरेटर भी नियुक्त किए जायेंगे। दिल्ली की मेयर डॉ शैली

> निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर जल्द ही सभी विद्यालयों में गार्डों की नियुक्ति की जाएगी। शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्य से मुक्त करने के लिए सभी विद्यालयों में डाटा एंट्री ऑपरेटर भी नियुक्त किए जाएंगे : **डॉ शैली ओबरॉय, मेयर दिल्ली**

ओबेरॉय ने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि जल्द ही शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए पोर्टल खोल दिया जाएगा और उनके बकाया एरियर्स का भुगतान जल्द से जल्द कर दिया जाएगा। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि लंबे समय से निगम में सेवारत कॉन्ट्रैक्ट अध्यापकों के विषय में सोचा जायेगा। शिक्षकों ने मेयर को पिछले लगभग एक वर्ष से एनपीएस कटौती का पैसा एनपीएस फंड में जमा न होने की समस्या से अवगत कराया। इस संदर्भ में मेयर ने सभी क्षेत्रों से इस बारे में रिपोर्ट मंगवाने के निर्देश दिए।

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि इंडियन बैंक के अधिकारियों से बात कर उनके सीएसआर फंड के माध्यम से विद्यालयों में पुस्तकालय एवं स्मार्ट कक्षा स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि वो निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को पूरे मन से पढ़ाए एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास विकास में अपना शत प्रतिशत योगदान दें।

स्कूल में तीन साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न पर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दक्षिणी दिल्ली में एक स्कूल के सफाईकर्मी द्वारा तीन साल की बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न के बारे में जानने के बाद स्वत: संज्ञान लिया है। इस महीने की शुरुआत में मीडिया में प्रकाशित एक खबर के बाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने इस मुद्दे पर ध्यान दिया और 1 सितंबर के लिए सुनवाई निर्धारित की। अदालत ने कहा, 'एनसीटी दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) की ओर से उपस्थित अधिवक्ता संतोष त्रिपाठी, शिक्षा विभाग सहित जीएनसीटीडी की ओर से नोटिस स्वीकार करते हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस के साथ-साथ शिक्षा विभाग, जीएनसीटीडी द्वारा की गई कार्रवाई के संबंध में आज से दो सप्ताह के भीतर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की जाए।' कोर्ट ने 8 अगस्त को अपने आदेश में कहा, 'त्रिपाठी, स्थिति रिपोर्ट दाखिल करते समय,

- मामले में दिल्ली पुलिस के साथ-साथ शिक्षा विभाग, जीएनसीटीडी द्वारा की गई कार्रवाई के संबंध में दो सप्ताह के भीतर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

लड़की के नाम के साथ-साथ लड़की के माता-पिता के नाम को छिपाएंगे, और लड़की की पहचान तथा गोपनीयता के अधिकार की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे।' अदालत ने कहा, 'उन्हें इस बात का ध्यान रखना होगा कि मीडिया यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पोक?सो अधिनियम), 2012 की धारा 23 में निहित वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन में कार्य करे।' पुलिस के मुताबिक, 1 अगस्त को दक्षिणी दिल्ली के एक स्कूल के शौचालय में क्लीनर ने नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया था। आरोपी की पहचान अर्जुन कुमार (33) के रूप में हुई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा था कि 1 अगस्त को सुबह 11.46 बजे चिराग दिल्ली फ्लाईओवर, पंचशील एन्क्लेव के पास एक स्कूल में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के संबंध में हौज खास पुलिस स्टेशन में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) में एक कॉल प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचने पर पुलिस टीम को पीड़ित बच्ची (3.5 साल की) के साथ उसकी चाची भी मिली। अधिकारी ने कहा, 'लड़की ने यौन शोषण की घटना के बारे में बताया, जिसमें अर्जुन शामिल था, जो स्कूल में पुरुष शौचालय में काम करता था। इसके अलावा, लड़की ने अपनी मां को बताया कि जब वह शौचालय जाती थी तो 'सफाईवाला अंकल' उस पर नजर रखते थे और उसने उसका यौन उत्पीड़न किया।'

मेयर ने पश्चिमी जोन के फतेह नगर वार्ड में सफाई अभियान का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली की मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने पश्चिमी जोन में चलाए जा रहे अभियान का आज निरीक्षण किया। इस दौरान मेयर डॉ शैली ओबेरॉय ने फतेह नगर वार्ड में निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली नागरिक सुविधाओं और सेवाओं का जायजा लिया। इस मौके पर महापौर ने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान मेयर ने फतेह नगर के प्रसिद्ध छोटे साहबजादे गुरुद्वारे में जाकर मत्था टेका और गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की समस्याओं को सुना। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारे के आस पास मंगल बाज़ार लगता है और रेहरी पटरी वालों के अवैध अतिक्रमण के कारण श्रद्धालुओं को आने जाने में परेशानी होती है। ऐसे में मौक़े पर ही मेयर ने उपायुक्त को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द अवैध अतिक्रमण हटाया जाए। मेयर ने कहा की क्षेत्र में सफ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए और नागरिकों की सुविधा के लिए खाली पड़े ढलाव घर पर एमसीडी सहायता केन्द्र बनाया जाए। फतेह नगर के के ब्लॉक स्थित डम्पिंग यार्ड पर दोबारा कूड़ा न डाला जाए और प्रयास किया जाए यह एक अस्थाई पार्किंग बन जाये।

पार्किंग और स्कूल का भी निरीक्षण किया

मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने तिहाड़ जेल के सामने एमसीडी की पार्किंग स्थल का भी दौरा किया और कहा कि इस पार्किंग को और अधिक विकसित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त मेयर ने फतेह नगर निगम विद्यालय का भी दौरा किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं में सुधार किया जाए। मेयर ने कहा कि वे बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के वार्डों का दौरा करती रहेंगी ताकि वास्तविकता पता किया जा सके। केजरीवाल मॉडल के अनुरूप हम निगम में बेहतर स्वच्छता, प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सकारात्मक रूप से कार्य कर रहे हैं। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद रमींदर कौर, उपायुक्त संदीप कुमार मौजूद रहे।

सार संक्षेप

पीपीएल इंडिया के कानूनी दर्जे को अदालत ने सही ठहराया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जारी अपने आदेश में कैनवास कम्युनिकेशन को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा की कोर्ट इस तथ्य से परेशान है कि इससे पहले अदालत को संपर्क नहीं करने और यहां तक कि कोई स्पष्टीकरण न लेने बाद भी बचाव पक्ष ने 26 जुलाई 2023 को अपने ईमेल के ज़रिए पीपीए इंडिया द्वारा लाइसेंस जारी करने के अधिकार पर सवाल उठाए, वो भी उसी तर्क के आधार पर जो 17 दिसम्बर 2021 को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है। जिसे प्रथम दृष्ट्या स्वीकार नहीं किया गया। इसी आधार पर बचाव पक्ष ने पीपीएल इंडिया के खिलाफ कथित वक्तव्य दिया है। लेकिन सिनेफिल प्रोड्युसर्स परफोर्मेन्स लिमिटेड की ओर से तथा 5 अगस्त 2023 को रिकॉर्डिंग्स चलाने के निर्देश दिए गए। प्रथम दृष्ट्या बचाव पक्ष इस तर्क के आधार पर 17 दिसम्बर 2021 को अदालत द्वारा दी गई निषेधाज्ञा के अनुरूप कार्य कर रहा है, जिसे कथित दिनांक को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया और प्रथम दृष्ट्या स्वीकार्य नहीं पाया गया।

संत निरंकारी मिशन ने चलाया मेगा वृक्षारोपण अभियान

नई दिल्ली। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा कहे गए स्वर्णिम शब्द प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनों ही हानिकारक है इस अमोलक कथन को निरंकारी मिशन कई वर्षो से विभिन्न सामाजिक धर्मार्थ गतिविधियों में भागीदारी लेने हेतु एक प्रेरक शक्ति के रूप में उपयोग कर रहा है। इन कल्याणकारी गतिविधियों में प्रायः मेगा वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण परियोजनाएँ, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता अभियान इत्यादि सम्मिलित है। मानवता को समर्पित निरंकारी मिशन की यह सभी सेवाएं सतगुरु माता जी के निर्देशन में निरंतर क्रमवार रूप में भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा जारी है। संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने बताया कि 'वननेस वन' परियोजना का दूसरा चरण सन् 2022 में भी क्रियान्वित है जिसके अंतर्गत स्थानों की संख्या 317 से बढ़कर 403 हुई और वृक्षों की संख्या बढ़कर 1.65 लाख पहुंची।

डीएमआरसी व आईआईआईटी-दिल्ली ने तकनीकी सहयोग के लिए मिलाया हाथ

नई दिल्ली। रणनीतिक सहयोग के माध्यम से यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए डीएमआरसी और इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली आईआईआईटी-डी ने अपने अपने सेंटर फॉर सस्टेनेबल मोबिलिटी सीएसएम के माध्यम से आज एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डॉ. विकास कुमार, प्रबंध निदेशक, डीएमआरसी ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. अमित कुमार जैन, निदेशक परिचालन एवं सेवाएं, डीएमआरसी, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डीन, आईआईआईटी- दिल्ली और डॉ. प्रवेश बियानी, मुख्य, सीएसएम, आईआईआईटी- दिल्ली द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और डायनामिक विज्ञापन डिस्प्ले का शुभारंभ किया गया। डीएमआरसी और आईआईआईटी दिल्ली के बीच इस संयुक्त पहल में ओपन ट्रांज़िट डेटा से अभिप्राय सार्वजनिक रूप से सुलभ परिवहन सूचनाएं जैसे यात्रा शेड्यूल और मार्ग आदि से है, जो एक मानकीकृत प्रारूप में होता है। इसकी ओपननेस डेवलपर्स और शोधकर्ताओं को ऐसे ऐप्स और सेवाएं तैयार करने में सक्षम बनाता है जिससे परिवहन दक्षता बढ़ती हैं।

मेट्रो स्टेशन पर युवती के सामने अश्लील हरकत करने वाला युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली मेट्रो में यात्रा के दौरान युवती को अश्लील इशारे करने वाले युवक को मेट्रो पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 23 वर्षीय शिवम शर्मा के रूप में हुई है। डीसीपी मेट्रो जी रामगोपाल नाइक ने बताया कि मेट्रो में होने वाली अश्लील हरकतों और अश्लील इशारे करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें दबोचने के लिए मेट्रो पुलिस की टीम काम कर रही है। डीसीपी ने बताया कि 7 अगस्त को पीड़िता ने मेट्रो पुलिस को शिकायत दी थी कि वह तुगलकाबाद मेट्रो स्टेशन से चली थी और उन्हें मंडी हाउस जाना था। मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक बार जब वह खड़ी थीं, उस दौरान प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़े एक युवक ने उनकी ओर अश्लील इशारे किए. वह काफी देर तक अश्लील इशारे करता रहा। पीड़िता ने इसकी

सूचना पुलिस को दी लेकिन इस बीच युवक दूसरी मेट्रो पकड़ कर भाग गया। पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज करने के बाद मेट्रो पुलिस ने आरोपी युवक की तलाश शुरू की। मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद युवक की पहचान हुई और पुलिस ने उसे 10 अगस्त को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान राजीव नगर के बेगमपुर निवासी शिवम शर्मा के रूप में हुई है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से मेट्रो में अश्लील हरकत करने वालों के कारण मेट्रो की छवि प्रभावित हुई है। इसे रोकने के लिए मेट्रो ने भी कई कदम उठाए हैं।

दिल्ली विधानसभा असंवैधानिक तरीके से चलाई जा रही है : भाजपा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि पिछले साढे 3 वर्षों से दिल्ली विधानसभा को असंवैधानिक तरीके से चलाया जा रहा है। विधानसभा में दिल्ली के मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा नहीं होती और उसका इस्तेमाल सिर्फ केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, उपराज्यपाल और अफसरों को गालियां निकालने के लिए किया जा रहा है। प्रश्नोत्तर काल समाप्त करके विधायकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि दिलली के गार्जियन होने के नाते वह विधानसभा की गरिमा और विधायकों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए कदम उठाएं। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के समक्ष अपना रोष और व्यथा रखी। प्रतिनिधिमंडल में

वीरेंद्र सचदेवा और रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में उपराज्यपाल से मिले भाजपा विधायक

भाजपा के सभी विधायक मोहन सिंह बिष्ट, विजेंद्र गुप्ता, ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अभय वर्मा और अजय महावर सभी शामिल रहे। भाजपा नेताओं ने उपराज्यपाल महोदय को बताया कि दिल्ली विधानसभा में राजधानी की समस्याओं जैसे भ्रष्टाचार, बिजली, पानी, ट्रांसपोर्ट, स्वास्थ्य, प्रदूषण और टूटी-फूटी सड़कों जैसी समस्या पर कभी चर्चा नहीं कराई जाती। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि विपक्ष द्वारा भेजे गए चर्चा के किसी भी प्रस्ताव को आज तक स्वीकार नहीं किया गया। एक वर्ष में बजट, मानसून और शरदकालीन सत्र अनिवार्य रूप से बुलाया जाना चाहिए लेकिन इस नियम की भी परवाह नहीं की जाती। विधानसभा सत्र बुलाने से पहले 15 दिन का नोटिस तक नहीं दिया जाता। यहां तक कि बजट अधिवेशन जैसे नियमित सत्र में भी प्रश्नोत्तर काल समाप्त कर दिया गया है।

अब 16, 17 अगस्त को बुलाया गया सत्र भी आपात सत्र है और उसमें भी प्रश्नोत्तर काल नहीं है। भाजपा विधायकों ने कहा कि यह उनके अधिकारों का हनन है। भाजपा नेताओं ने उपराज्यपाल महोदय को जानकारी दी कि विधानसभा सत्रों का सत्रावसान ही नहीं किया जाता, जिसका उल्लेख संसद में स्वयं माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने किया है। विधानसभा सत्र सिर्फ और सिर्फ केंद्र सरकार प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, माननीय उपराज्यपाल और अधिकारियों को गालियां देने के लिए ही बुलाया जाता है जिनमें अपशब्दों का खुलेआम प्रयोग किया जाता है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने उपराज्यपाल महोदय को सुझाव दिया कि दिल्ली का गार्जियन होने के नाते वह विधानसभा की गरिमा, सदस्यों के अधिकार और दिल्ली के टैक्स पेयर्स के करोड़ों रुपए बर्बाद होने से बचाएं।

आम आदमी पार्टी के कई नेता शिवसेना में शामिल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की बढ़ती लोकप्रियता के चलते आम आदमी पार्टी आप के कई संस्थापक सदस्य और पूर्व प्रमुख पदाधिकारी शिवसेना के साथ जुड़े हैं। यह कदम एकनाथ शिंदे के परिवर्तनकारी नेतृत्व और उनके द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण का एक प्रमाण है। आज शिवसेना में शामिल होने वालों में बवाना से पूर्व विधायक उम्मीदवार और आप के संस्थापक सदस्य एडवोकेट मनोज धिरयान, संस्थापक सदस्य और सार्वजनिक शिकायत निगरानी प्रणाली के संयोजक और सलाहकार उधम सिंह और आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला सचिव एवं पीजीएमएस सेल के पूर्व सदस्य यशपाल शर्मा शामिल हैं। आनंदराव अडसुल, वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता, अंशुमान जोशी, मुख्य समन्वयक दिल्ली और गोवा और कर्नल देविंदर सहरावत, प्रभारी दिल्ली ने नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया। वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता शिवसेना आनंदराव अडसुल ने कहा की दिल्ली के दिग्गज नेता अब हमारी पार्टी में शामिल हो रहे हैं और यह राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण क्षण है। वे उन रणनीतियों के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे जो हमारे आगे के मार्ग को आकार देंगी।

शिवसेना के मुख्य समन्वयक दिल्ली और गोवा अंशुमान जोशी ने कहा कि शिवसेना भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ेगी और सत्तारूढ़ दल के सभी कुकर्मों को उजागर करेगी। सितंबर के अंत तक, पार्टी लोगों की मुख्य समस्याओं की पहचान करने के लिए जल्द ही सभी विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंच जाएगी।

टाटा पावर-डीडीएल ने अक्षय ऊर्जा स्रोतों से 2600 मिलियन यूनिट ग्रीन पावर पैदा की

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। नॉर्थ दिल्ली और नॉर्थवैस्ट दिल्ली में 7 मिलियन की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने लगातार तीसरे साल अपना आरपीओ ङ्क रीनुएबल परचेज़ ऑब्लिगेशन सफलतापूर्वक पूरा करने की घोषणा की है। यह देश में किसी भी डिस्कॉम के लिए अनूठी उपलब्धि है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, सौर, पवन और जल समेत विभिन्न अक्षय ऊर्जा स्रोतों से कुल-मिलाकर 2600 मिलियन यूनिट ग्रीन पावर जुटायी है। उल्लेखनीय है कि कंपनी द्वारा अपने परिचालन क्षेत्र में उपभोक्ताओं को बेची गईं कुल यूनिटों में 26 प्रतिशत से अधिक अक्षय ऊर्जा शामिल है। गणेश श्रीनिवासन, सीईओ, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा की हम आरपीओ अनुपालन को केवल विनियमन संबंधी औपचारिकता नहीं समझते, बल्कि इसे अपने उपभोक्ताओं तथा वातावरण के प्रति हमारे दायित्वों के तौर पर लेते हैं। हमने कंपनी की सभी गतिविधियों में सस्टेनेबल व्यवहारों को लागू किया है और ग्रीन पावर को जोर-शोर से बढ़ावा दे रहे हैं। हम ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के सरकार के ध्येय के अनुरूप कार्य करते हुए अगले कुछ वर्षों में अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को ग्रीन स्रोतों से पूरा करेंगे।

दिल्ली में तंबाकू उत्पाद के वितरण व बिक्री पर प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे मुंह के कैंसर के मामलों को देखते हुए तंबाकू उत्पाद के वितरण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। गुरुवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने तंबाकू उत्पादों (गुटखा, पान मसाला) पर प्रतिबंध को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इस आदेश के तहत स्वास्थ्य मंत्रालय के खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) अधिनियम 2011 के नियम 2.3.4 के अंतर्गत किसी भी खाद्य उत्पादों में सामग्री के रूप में उपयोग किए जाने वाले तंबाकू और निकोटीन युक्त उत्पादों की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है।

उपराज्यपाल ने दी प्रस्ताव को मंजूरी, नहीं कर सकते निर्माण व भंडारण

उपराज्यपाल ने कहा कि तंबाकू उत्पाद बच्चों और युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं और भविष्य की पीढ़ी के लिए इस खतरे को रोका जाना चाहिए। उन्होंने अधिसूचना को सख्ती से लागू करने को कहा है। शहर में प्रवर्तन के प्रति कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद दिल्ली सरकार का खाद्य सुरक्षा विभाग जल्द ही प्रतिबंध को बढ़ाने की अधिसूचना जारी करेगा। यह कदम तंबाकू (सुगंधित या किसी भी नशे के साथ मिश्रित) के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाएगा जो गुटखा, पान मसाला, सुगंधित तंबाकू, खर्रा के तौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इन प्रतिबंधित उत्पादों में पैक या अनपैक्ड तंबाकू उत्पाद शामिल हैं और यह खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की धारा 30 की उपधारा (2) के खंड (ए) के तहत अगले एक वर्ष तक लागू रहेंगे।

कोर्ट ने किया था लागू

अप्रैल 2023 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली में गुटखा, पान मसाला, सुगंधित तंबाकू और इस तरह के उत्पादों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त के लगाए गए प्रतिबंध की पुष्टि की थी। न्यायालय ने प्रतिबंध को रद्द करने के उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के सितम्बर 2022 के फैसले को भी रद्द कर दिया था।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कामर्शियल काम्पलेक्स, सैक्टर-ओमेगा-1, पी-2, ग्रेटर नोएडा

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, भूखण्ड संख्या-193, पॉकेट-डी, सैक्टर-20, क्षेत्रफल-1000 वर्गमीटर आवंटन संख्या-YEA001519 के आवंटी Late Shri Tarneet Singh की मृत्यु के उपरांत उनकी पत्नी Smt. Amarjeet Kaur के द्वारा उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं।

अतः इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी Late Shri Tarneet Singh मृत्यु के उपरांत उनकी पत्नी Smt. Amarjeet Kaur के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (सम्पत्ति)
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा
जनपद-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रोजा याकूबपुर, तहसील-दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर स्थित खसरा संख्या-486 क्षेत्रफल 0.3160हे0 व 487 क्षेत्रफल 0.3420हे0 के आबादी व्यवस्थापन/लीज बैक का निर्णय प्राधिकरण बोर्ड की 88वीं बैठक में सर्व श्री मंगत राम, दुलीचन्द, बलराम, श्यामसिंह पुत्रगण खजान सिंह निवासी ग्राम के पक्ष में लिया गया है, श्री श्याम सिंह की मृत्यु हो जाने के उपरान्त उनके वारिसान श्री पुष्पेन्द्र त्यागी, कपिल त्यागी पुत्रगण स्व० श्री श्याम सिंह व श्रीमती परीक्षा देवी पत्नी स्व० श्री श्याम सिंह व बलराम उर्फ बालकराम की मृत्यु हो जाने के उपरान्त वारिसान श्री दिनेश त्यागी, नरेन्द्र कुमार व ललित पुत्रगण स्व० श्री बलराम उर्फ बालकराम व श्रीमती सुरेश पत्नी स्व0 श्री बलराम उर्फ बालकराम निवासी ग्राम श्री दिनेश त्यागी की मृत्यु हो जाने के उपरान्त उनके वारिसान श्री मोहित त्यागी व सेनकी त्यागी पुत्रगण स्व० दिनेश त्यागी व श्रीमती पूनम पत्नी स्व0 दिनेश त्यागी निवासी ग्राम के पक्ष में नामान्तरण करने हेतु नामान्तरण प्रपत्र एवं शपथ पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामान्तरण के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण के भूलेख विभाग में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में इनके नाम दर्ज किये जाने की कार्यवाही की जायेगी ।

(रजनीकान्त)
विशेष कार्याधिकारी

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सेक्टर-रोजा याकूबपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-आर.ओ.जे.01506, भूखण्ड संख्या-10-ए, क्षेत्रफल -1060 वर्ग मीटर सर्वश्री दिनेश कुमार, नरेन्द्र कुमार, ललित कुमार पुत्रगण श्री बालकराम, श्रीमती सुरेश पत्नी श्री बालकराम, निवासी-ग्राम- रोजा याकूबपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहः आवंटी श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री बालकराम की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री मोहित त्यागी, सेनकी त्यागी पुत्रगण स्व० श्री दिनेश त्यागी, श्रीमती पूनम त्यागी पत्नी स्व० श्री दिनेश त्यागी, कु० संगम त्यागी (अविवाहित) पुत्री स्व० श्री दिनेश त्यागी, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री मोहित त्यागी, सेनकी त्यागी पुत्रगण स्व० श्री दिनेश त्यागी, श्रीमती पूनम त्यागी पत्नी स्व० श्री दिनेश त्यागी, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री मोहित त्यागी, सेनकी त्यागी पुत्रगण स्व० श्री दिनेश त्यागी, श्रीमती पूनम त्यागी पत्नी स्व० श्री दिनेश त्यागी, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला -गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सह आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान उत्साह पूर्वक मनाने की तैयारी चल रही है। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हर घर तिरंगा लगाया जाएगा, 5 लाख झंडा लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। पूर्व में भी 5 लाख से अधिक झंडा गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वितरित किए गए थे। समस्त विभागीय अधिकारियों को झंडो की व्यवस्था के लिए आदेशित किया गया है। **अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त**

बैंगलोर कामर्शियल हब की तर्ज पर होगा सेक्टर-18 का विकास

नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा के सबसे बड़े कामर्शियल हब सेक्टर-18 को अब बैंगलोर के

■ सीईओ ने जीएम को टीम के साथ निरीक्षण करने व पूरा प्लान तैयार करने के दिए निर्देश

कामर्शियल एरिया की तरह सजाया और सवारा जाएगा। इसके लिए सीईओ ने नोएडा प्राधिकरण के जीएम को निर्देशित किया। एक टीम बैंगलोर जाएगी और निरीक्षण कर पूरा प्लान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के समक्ष प्रस्तुत करेगी। सेक्टर-18 में रोजाना का फुटपाथ करीब 1 से 2 लाख लोगों का है। यहां ऑफिस के अलावा शो रूम और दो बड़े मॉल और मल्टीलेवल पार्किंग है। लेकिन अव्यवस्था के चलते इस पूरे सेक्टर में शाम को जाम लगा रहा है। बिजली के तारों को भूमिगत नहीं किया जा सका है। इसको लेकर लगातार एसोसिएशन की ओर से शिकायत की जाती रही है।

शहरवासियों के सुझाव पर होगा सौंदर्यीकरण

सीईओ ने सेक्टर-18, जीआईपी मॉल और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शहर के महत्वपूर्ण स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए लोगों से सुझाव मांगे जाए। जिसका सुझाव सबसे बेस्ट हो उसी अनुसार सौंदर्यता को बढ़ाया जाए और अमुक व्यक्ति को पुरुस्कृत किया जाए। उन्होंने अंडरपास में बनी पेंटिंग को अपग्रेड करने के लिए कहा। अंडरपास में लगी फसाड लाइटों व प्रकाश सौंदर्यीकरण का नया प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया।

सड़क पर नहीं दिखना चाहिए निराश्रित गौवंश

निरीक्षण के दौरान सड़को पर निराश्रित गौवंश दिखे। सीईओ ने कहा कि सड़कों पर दिखने वाली सभी निराश्रित गौवंश को गौ शाला पहुंचाया जाए। साथ जिन लोगों के द्वारा इनको छोड़ा गया है उनको नोटिस जारी जुर्माना लगाया जाए। अभियान चलाकर स्ट्रै डॉग्स की नसबंदी कराई जाए। वहीं बाजार, बातारघरों, वेंडिंग जोन में सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंध किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया जाए।

यूनिपोल को किया जाए कवर

बारिश के मौसम में यूनिपोल से अक्सर घटना हो जाती है। इसलिए नोएडा में लगे सभी यूनिपोल के बैक साइड को सुरक्षा मानको के साथ कवर किया जाए। वहीं सेक्टर-18 एफओबी के पास बने ट्रैफिक बूथ ये काफी जर्जर था इसे हटाने के लिए कहा गया। वहीं नोएडा में लगे सीएंडी प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएंडडी प्लांट से राजस्व को बढ़ाने के लिए नया प्लान देने के लिए कहा।

81 गांवों में लगाए जाएंगे शहीदों के शिलापट्ट

नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। 'एक-एक दिन, समय का प्रत्येक क्षण, जीवन का प्रत्येक कण, मातृभूमि के लिए जीना और तभी आजादी के दीवानों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कविता को शिलालेख पर लिखवाकर

■ प्राधिकरण को मिला एक लाख तिरंगा बाटने का टारगेट
■ आरडब्ल्यूए व सामाजिक संगठनों की होगी भागीदारी

उन गांवों के सामने लगाया जाएगा जिनके वीर सपूतों ने देश के लिए बलिदान दिया। शिलापट्ट पर शहीदों के नाम अंकित किए जाएंगे। नोएडा के सभी 81 गांव में शिला पट्ट लगाए जाएंगे। इसके अलावा हर घर तिरंगा के तहत 1 लाख तिरंगा घर-घर बांटे जाएंगे। ये जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण को शासन स्तर पर दी गई है। जिसकी तैयारी शुरू की गई है। प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि शिला पट्ट का डिजाइन तैयार करा लिया गया है। दो दिन में शीला पट्टा पर नाम अंकित करने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद इनको गांव वार लगवाया जाएगा।

13 एसे 15 अगस्त तक मनाया जाएगा हर घर तिरंगा

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण को मिली है। प्राधिकरण को एक लाख झंडा वितरण करने का टारगेट मिला है। इसमें प्राधिकरण के ग्रुप हाउसिंग, औद्योगिक संस्थागत और वाणिज्यिक, आवासीय और हाउसिंग विभाग के ओएसडी को 10-10 हजार झंडा वितरित करने का टारगेट दिया गया। वहीं महाप्रबंधक जल, उद्यान और एनटीसी, उप महाप्रबंधक और वरिष्ठ परियोजना अभियंता को भी 10-10 हजार झंडा को टारगेट दिया गया है।

सेक्टर को आरडब्ल्यूए को दी जाएगी जिम्मेदारी

झंडा वितरण की जिम्मेदारी आरडब्ल्यू को दी जाएगी। उसके प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक होगी। इसके अलावा सोसाइटी के एओए को भी झंडा वितरण की जिम्मेदारी होगी। झंडा प्राधिकरण की ओर से इन प्रतिनिधियों को दिया जाएगा। इसके अलावा शहर के सामाजिक संगठन को भी इसका भागीदार बनाया जाएगा।

चार आईएएस व दो आईपीएस ने नहीं खाली किए भवन

नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा समेत गौतमबुद्धनगर में तैनात होने वाले तमाम ए ग्रेड श्रेणी के अधिकारियों को नोएडा प्राधिकरण की ओर से सेक्टर-14 ए में आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। आवास का किराया उनके तैनाती के दौरान पे-ग्रेड के हिसाब से वेतन से काटकर प्राधिकरण के

■ प्राधिकरण ने दिया था सात दिन का समय, आज मियाद हो रही पूरी

खाते में जमा होता है। ऐसे में तैनाती पाने वाले अधिकारियों को यह आवासीय भवन प्राधिकरण का सामान्य प्रशासन विभाग आबंटित करता है, लेकिन जब संबंधित अधिकारी को तबादला हो जाता है, तो उसे सामान्य प्रशासन की ओर से खाली नहीं कराया जाता है। ऐसे में भवन आबंटन को लेकर बहुत ही चौकाने वाला मामला प्रकाश में आया है, जिसमें तमाम ऐसे अधिकारियों का अभी भी प्राधिकरण से आबंटित भवन पर कब्जा है, जिनका तबादला नोएडा ही नहीं, बल्कि गौतमबुद्धनगर से हुए कई वर्ष बीत चुके है। लेकिन तबादला होने के बावजूद वाले अधिकारियों ने अभी तक आबंटित भवन को खाली तक नहीं कराया है। जबकि नियमानुसार तबादला होते ही उन्हें तत्काल आबंटित भवन खाली करना होता है। ऐसे छह अधिकारियों को भवन खाली करने का नोटिस नोएडा प्राधिकरण ने जारी किया है।

यह नोटिस उनके आबंटित भवनों पर चस्पा कराया गया है। जिसकी मियाद शुक्रवार को खत्म होने जा रही है। अब अधिकारी भवन न खाली करने के लिए सिफारिश लगा रहे है। यह भवन छह अधिकारियों को आबंटित हैं। इसमें से कोई भी व्यक्ति लंबे समय से नोएडा ही नहीं, गौतमबुद्धनगर में भी तैनात नहीं है।

सात साल से पहले हुआ ट्रांसफर लेकिन अब नहीं छोड़ा भवन

एक आईएएस राजेश प्रकाश भी है। ये अक्टूबर 2014 में नोएडा प्राधिकरण आए और जुलाई 2016 में इनका ट्रांसफर कर दिया गया। इसके बाद अप्रैल 2017 एडिशनल कमिश्नर एनसीआर गाजियाबाद में तैनात। अब इन्होंने नोएडा का भवन नहीं छोड़ा है। इसके अलावा आईएएस अनुराग श्रीवास्तव दिसंबर 2017 से जनवरी 2020 तक नोएडा में रहे।

सेवानिवृत्त होने के बाद भी कब्जा नहीं छोड़ा

प्रदेश की एक महिला आईएएस अराधना शुक्ला जो नोएडा प्राधिकरण में अगस्त 2015 से जून 2018 तक तैनात रही। इस दौरान प्राधिकरण ने उनके लिए भवन आबंटित कराया था, लेकिन तबादला होने के बाद भी भवन नहीं छोड़ा। अब हालात यह है कि सेवानिवृत्त होने के बाद उस भवन का काबिज है। दूसरी महिला आईएएस मोनिका गर्ग है। ये अगस्त 2016 से मार्च 2017 तक नोएडा प्राधिकरण में रही। प्रदेश में कहा तैनात है, इसकी जानकारी प्राधिकरण अधिकारियों को भी नहीं है। इन्होंने भी अभी तक भवन खाली नहीं किया।

दो आईपीएस भी इस सूची में शामिल

आईपीएस अभिषेक वर्मा नोएडा में तैनात रहे और 15 जनवरी 2023 को उनका तबादला हो गया। वहीं आईपीएस लव कुमार का दिल्ली में ट्रांसफर जनवरी 2023 में हुआ। हालांकि उन्होंने अर्जी दी है कि वे जल्द ही भवन खाली कर देंगे।

नोएडा नहीं छोड़ने का ये है कारण

ट्रांसफर होने के बाद नोएडा नहीं छोड़ने की एक बड़ी वजह दिल्ली के नजदीक होना है। साथ ही यहां का रहन सहन भी कई बार बड़े अधिकारियों को नोएडा नहीं छोड़ने का कारण भी बन रहा है। नोएडा में वर्तमान में मंत्रियों से लेकर बड़े-बड़े अधिकारियों के खुद के घर है। इसलिए एक बार भवन मिलने के बाद अधिकारियों के यहां से भवन छोड़कर दूसरी जगह जाना मुश्किल होता है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि नोटिस भवनों पर चस्पा किए गए है। फालोअप करते हुए एक बार और नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद नियम के अनुसार आगे काम किया जाएगा।

सेक्टर-14ए में जिन घरों पर चस्पा किए गए नोटिस

भवन नंबर-17 सेक्टर-14ए
भवन नंबर 6ए सेक्टर-14ए
भवन नंबर 12बी सेक्टर-14ए
भवन नंबर 15 सेक्टर-14ए
भवन नंबर 4 सेक्टर-14ए
भवन नंबर 14ए सेक्टर-14ए।

सार संक्षेप

गौशालाओं का एसडीएम ने किया निरीक्षण, दी सख्त हिदायत

बुलंदशहर। रामघाट (डिबाई) उपजिलाधिकारी ने डिबाई एवं नरौरा की गौशाला का निरीक्षण

कर सख्त निर्देश दिए हैं लापरवाही की तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उप जिलाधिकारी दीपक कुमार पाल ने दानपुर ब्लॉक की मोहम्मदपुर खुर्द गौशाला का औचक निरीक्षण कर संचालक एवं गौशाला में कार्यरत लोगों द्वारा लापरवाही वरतने पर नाराजी जाहिर करते हुए गौवंशों का अच्छे से ध्यान रखते हुए सही समय पर भूसा हरा चारा खिलाने और पानी पिलाने के गौशाला संचालक को सख्त निर्देश दिए हैं साथ ही कहा है कि जो गौवंश पीड़ित है उनको पशु डॉक्टर द्वारा सही समय पर इलाज कराने को कहा गया है। उपजिलाधिकारी ने नरौरा की, कान्हां गौशाला का भी निरीक्षण किया है जिस गौशाला में रजिस्टर नहीं बनाएं जाने और पशु डॉक्टर, द्वारा समय से निरीक्षण न करने पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही की गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी गौशाला में मिलने वाली गलतियां को जल्द से जल्द सुधार करें वरना सख्त कार्रवाई को तैयार रहने की गौशाला संचालकों को चेतावनी दी गई है।

छत से गिरकर 15 वर्षीय छात्रा की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में एक 15 वर्षीय छात्रा गुरुवार सुबह अपने घर की छत से नीचे गिर गई। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी संदीप चौधरी ने बताया कि बरौला गांव में रहने वाली 15 वर्षीय छात्रा सीमा गुरुवार सुबह को अपने घर पर संदिग्ध अवस्था में छत से नीचे गिर गई। उसके परिजनों ने गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली, साथी फरार

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस और लुटेरे बदमाश के बीच सेक्टर-37 के पास मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी। पहचान नईम पुत्र बुंदू निवासी मोहल्ला बाजीग्राम डासना थाना मसूरी मसूरी जनपद गाजियाबाद हुई है। इसका एक साथी मौके से फरार हो गया। इसके कब्जे से मोबाइल, एक मोटरसाइकिल और 1 तमंचा और 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए है। नईम पर 20 से ज्यादा मुकदमे दर्ज है। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि थाना सेक्टर-39 को सूचना मिली की दो बदमाश मोटरसाइकिल से वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। पुलिस ने चेकिंग बढ़ा दी। पुलिस को सामने से एक बाइक पर दो लोग आते दिखे। रुकने का इशारा किया। लेकिन बदमाश ने पुलिस पर फायर कर दिया।

किसान एकता संघ ने खोला प्रदेश कार्यालय

नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने सेक्टर-53 में संगठन के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया। साथ ही सभी प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के साथ वार्ता की। जिसमें सभी जिला अध्यक्षों ने अपने अपने जिलों की समस्याओं से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने बताया कि आज किसानों के बच्चों को न ही नौकरी दी जा रही है और न ही कम फीस पर शिक्षा। जबकि इन कंपनी और स्कूलों द्वारा जमीन अधिग्रहण करते समय किसानों के हित के तमाम वादे किए गए थे जिस पर किसी ने अमल नहीं किया। इन सभी समस्याओं को लेकर जल्द बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिसमें सभी राजनीतिक दल और सामाजिक संस्थाएं हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर देशराज नागर, रमेश कसाना, डॉ. रवि नागर, मनीष प्रधान, श्याम लाल गुर्जर, राजेंद्र चौहान, राजेश शर्मा, सतीश कनारसी, अरविंद सेक्रेटरी ,पप्पू नागर, पप्पू मोरना, कमल यादव, कैलाश, शिवम, सागर शर्मा, विक्रम नागर, ओमवीर नागर, राकेश चौधरी आदि मौजूद थे।

संयुक्त किसान मजदूर संगठन का पश्चिम में विस्तार

नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। सेक्टर-12 ईशान म्यूजिकल कालेज में संयुक्त किसान मजदूर संगठन पश्चिम में सैकड़ों लोगों को संगठन में जोड़ा व सभी लोगों को मनोनयन पत्र देकर जिम्मेदारी दी गई उत्तर प्रदेश संगठन का विस्तार किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष संयुक्त किसान मजदूर संगठन पूनम पंडित व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश अवाना ने सैकड़ों लोगों को संगठन में जोड़ कर मनोनयन पत्र देकर जिम्मेदारी दी। जिसमें राष्ट्रीय महासचिव संयुक्त किसान मजदूर संगठन शाहबुद्दीन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष सुमन तंवर, उप्र अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी, पश्चिम अध्यक्ष वीरेंद्र मुखिया, पश्चिम उत्तर प्रदेश युवा अध्यक्ष गौरव ठाकुर, युवा एनसीआर अध्यक्ष जावेद खान, मेरठ जिलाध्यक्ष

अजय शर्मा, बुलंदशहर करणवीर सिंह सिरोही, गौतमबुद्धनगर महिला अध्यक्ष शुभादा यादव, राष्ट्रीय सचिव योगेश पंडित, हरीश लोहिया, नरेंद्र भाटी, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक अध्यक्ष हसमत राणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश सदस्य योगेंद्र भाटी लडपुरा, पश्चिम उत्तर प्रदेश सदस्य गौरव अधाना प्रेम, चांद, रजनी, मुन्ना आलम, साहिल व अन्य लोग मौजूद रहे।

धनबाद के विधायक के बेटे से मारपीट

नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा सेक्टर-126 स्थित रायपुर गांव में पीजी में रहने वाले छात्रों के बीच पहले कहासुनी हुई जिसके बाद मारपीट हो गई। इसमें एक छात्र को मामूली चोटें आई हैं, जिसको पुलिस ने प्राथमिक उपचार दिला दिया है। मामले में पीड़ित छात्र की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी छात्रों को हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित छात्र धनबाद के विधायक का बेटा है। एसीपी वन रजनीश वर्मा ने बताया कि बुधवार शाम को सेक्टर-125 स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र

■ हिरासत में लिए गए एमिटी के चार छात्र, पुलिस कर रही जांच

आदित्य, भानु चौहान, श्रवण चौहान और सागर चौहान रायपुर गांव में पीजी के पास बैठे हुए थे। इस दौरान किसी बात को लेकर उन लोगों में कहासुनी हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि उनके बीच हाथापाई हो गई। इसमें एक छात्र आदित्य को मामूली चोटें आई हैं। जिसे जेपी अस्पताल में प्राथमिक इलाज किया गया। मामले में आदित्य की शिकायत पर आरोपी छात्रों पर कार्रवाई की जा रही है।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आवाज बुलंद

गाजियाबाद, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली की रामलीला मैदान में ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री कॉमरेड शिव गोपाल मिश्रा के आह्वान पर संयुक्त मोर्चे के झंडे तले पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने हेतु 1 लाख से अधिक कर्मचारियों का जनसैलाब उमड़ा।

इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ होगा की केंद्रीय, राज्य, डिफेंस, टीचर्स व अन्य कर्मचारियों के संगठनों के जनसैलाब ने सारी व्यवस्थाएं अव्यवस्थित कर दी। रामलीला मैदान में एनपीएस विरोधियों की संख्या अंदाज से अधिक बढ़ रही थी क्योंकि सम्पूर्ण भारत से लगातार रैलियां आ रही हैं। आम सभा के दरमियान मोबाइल

नेटवर्क भी पूरी तरह जाम हो गया था, सोशल मीडिया पर कोई भी मैसेज, फोटो, वीडियो अप लोड नहीं हो रहे थे।

पुरानी पेंशन योजना बहाली संयुक्त मंच शाखा- गाजियाबाद के संयोजक, लोकेन्द्र सिहं व सह संयोजक, देवब्रत चौधरी के नेत्रत्व में हज़ारों कर्मचारियों ने दिल्ली पहुंच कर पुरानी पेंशन की आवाज बुलंद की।

महापौर की वाबाग कंपनी को दो टूक, 15 दिन में सीवर व्यवस्था सुधरे, वरना टेंडर होगा निरस्त

गाजियाबाद, 10 अगस्त (देशबन्धु)। शहर में बढ़ रही सीवर समस्या को लेकर वन सिटी वन ऑपरेटर के अंतर्गत वी ए टेक वाबाग कंपनी के उच्च अधिकारियों के साथ महापौर सुनीता दयाल ने गुरुवार को बैठक की। इस बैठक में महापौर ने वाबाग कंपनी को दो टूक कहा कि 15 दिन में सीवर व्यवस्था सुधरे, वरना टेंडर निरस्त कर दिया जाएगा।

नगर निगम में सीवर से सम्बंधित शिकायत लगातार प्राप्त हो रही है शिकायतो का बार बार कहने पर भी निस्तारण नहीं हो रहा है पूर्व में महापौर एवं नगर आयुक्त ने एस टी पी एवं एस पी एस का निरीक्षण भी किया था। जिसकी

सामूहिक शिकायत शासन को भेजी थी। उसके बाद कार्यकारिणी में कंपनी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पास किया गया उसके उपरांत महापौर द्वारा वी ए टेक वाबाग चेन्नई को भी

■ महापौर की शिकायत पर चेन्नई से बैठक करेंगे वाबाग के उच्च अधिकारी

शिकायत पत्र भेजा गया था। जिसके क्रम में उनका बैठक हेतु पत्र मिला और आज वाबाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की गई। जिसमें महापौर ने कंपनी के अधिकारियों को शहर में सीवर स्थिति की समस्याओं से अवगत कराया, जिसमें महापौर ने बताया कि कंपनी के कर्मचारी सही रूप से कार्य नहीं कर रहे है न ही किसी वार्ड में दिखते है 326 कर्मचारी बताए गए है लेकिन मौके पर आधे भी नहीं है न ही क्षेत्र में आपकी मशीन दिखती है और आपके कर्मचारी फ़ोन नहीं उठाते और न ही उनके नम्बर किसी के पास है आपकी कंपनी द्वारा कार्य आगे सुबलेट कर दिया गया एवं आपके द्वारा कार्य देकर सारी जिम्मेदारी छोड़ दी गई आपके द्वारा कोई मॉनेटरिंग नहीं होती है। आपको 15 दिन का समय दिया जाता है अन्यथा सदन में आपकी कंपनी के खिलाफ निरस्तीकरण का प्रस्ताव पारित कर शासन में भेजा जाएगा। वाबाग कंपनी के अधिकारियों द्वारा महापौर को आश्वासन दिया गया कि हम कंपनी की कार्यशैली में सुधार करेंगे और भविष्य इस प्रकार की कोई शिकायत न आये इसी पर कार्य करेंगे।

आजादी का अमृत महोत्सव : गाजियाबाद नगर निगम करेगा 5 लाख से अधिक झंडों का वितरण

गाजियाबाद, 10 अगस्त (देशबन्धु)। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत नगर निगम पांच लाख 5 लाख से अधिक का झंडों का वितरण करेगा। घर-घर तिरंगा की इस मुहिम को सफल बनाने के लिए नगर निगम अधिकारियों ने बैठक की और रणनीति तैयार की।

आजादी अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अंतर्गत शासन के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी के निर्देशानुसार गाजियाबाद नगर निगम हर घर तिरंगा अभियान में जुटा दिखाई दे रहा है। नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ द्वारा कार्यक्रम का नोडल प्रभारी अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव को बनाया गया है। जिनके नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम की टीम शहर में 5 लाख से अधिक झंडों का सम्मान पूर्वक वितरण करेगी। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में हर घर तिरंगा अभियान उत्साह पूर्वक मनाने की तैयारी चल रही है। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हर घर तिरंगा लगाया जाएगा, 5 लाख झंडा लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। पूर्व में भी 5 लाख से अधिक झंडा गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वितरित किए गए थे। समस्त विभागीय अधिकारियों को झंडो की व्यवस्था के लिए आदेशित किया गया है।

जिसके क्रम में उनके द्वारा औद्योगिक बंधुओं, संस्थाओं, इच्छुक व्यक्तियों के सहयोग से झंडो की व्यवस्था कराई जा रही है। झंडे का साइज 20 बाय 30 का होगा, समस्त जोनल प्रभारियों को भी तिरंगा वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है अपने-अपने जोन में एक लाख झंडों का वितरण करेंगे।

नगर आयुक्त ने हर घर तिरंगा अभियान को लेकर शहरवासियों से की अपील

नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने हर घर तिरंगा अभियान को लेकर शहर वासियों से अपील की है कि वह राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान पूर्वक लगे दिनांक 13 अगस्त से 15 अगस्त 2023 तक महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसके क्रम में गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत अपने घरों पर प्रतिष्ठानों पर सम्मान पूर्वक राष्ट्रीय ध्वज लगाना है समारोह पूर्ण होने पर राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान पूर्वक रख लेना उचित है, झंडा फहराने के नियम का पूर्ण रूप से पालन किया जाना चाहिए। नगर आयुक्त ने शहर वीडियो को हर घर तिरंगा अभियान हेतु जागरूक करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। साथ ही जनप्रतिनिधियों का अभियान में विशेष सहयोग के लिए आभार भी जताया। समस्त विभागीय अधिकारी, जोनल प्रभारी तथा अन्य संबंधित टीम हर घर तिरंगा अभियान में जुटी हुई है। जिस के क्रम में झंडा फहराने के नियम तथा अभियान के उपरांत झंडे को किस प्रकार फोल्ड करके रखना है उसके नियम के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

आरडीसी में स्पोर्ट्स प्लाजा चलाने का टेंडर शीघ्र जारी होगा

निगम ने शुरू की कवायद

गाजियाबाद, 10 अगस्त (देशबन्धु)। हाल ही में तैयार नगर निगम के ड्रीम प्रोजेक्ट स्पोर्ट्स प्लाजा को संचालित करने के लिए नगर निगम ने कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए बहुत जल्द टेंडर जारी किए जाएंगे। निगम का मानना है कि स्पोर्ट्स प्लाजा में विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियों से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होगा। निगम अधिकारियों का कहना है कि जो भी फर्म इसको संचालित करने के लिए लेगी उसे वाजिब मूल्य पर जाएगा। इसको लेकर निगम का मकसद आय कमाने का नहीं, बल्कि शहर के लोगों की सस्ते में खेल के अवसर प्रदान करना है। इस लिए निगम का प्रयास रहेगा कि निगम का खर्च भी आता रहे और लोगो को खेल का यह महत्व पूर्ण संसाधन भी उपलब्ध रहे। नगर निगम ने आरडीसी और पुराने बस अड्डे को जोड़ने वाले पुल के नीचे बच्चों के खेलने कूदने के लिए एक स्पोर्ट्स प्लाजा का निर्माण पिछले दिनों किया था। इसमें छोटे बच्चों के खेलने के लिए उपकरण मौजूद है। बच्चों के एक्सरसाइज के लिए एक छोटा जिम भी है जिसमें बच्चे अपने हेल्थ को बेहतर कर सकते है। निगम की मंशा रही है कि नगर निगम इसके रखरखाव के लिए कोई एजेंसी हायर करे। इसके लिए टेंडर

प्रक्रिया का सहारा लिया जाएगा।

अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव ने बताया कि है कि टेंडर प्रक्रिया पर काम तेजी से चल रहा है। आने वाले समय में निगम अपने पैसे से इसका रखरखाव करना नहीं चाहता। निगम की मंशा है कि कोई प्राईवेट ऐजेंसी इसका रखरखाव करे। इसके लिए नो प्रोफिट और नो लास के हिसाब से स्पोर्ट्स प्लाजा के टेंडर बनाया जा रहा है। टेंडर के जरिए निगम इसके रखरखाव के लिए देगा। निगम ऐसी एजेंसी को इसका टेंडर देगा जो इससे मुनाफा न कमाने पाये। इसे संचालित करने के लिए जो भी कम से कम धन लगता हो उसी लागत पर इसका टेंडर दिया जाएगा।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

पीड़ित की तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। दोनों पक्ष एक ही गांव के रहने वाले हैं। इनकी आपस में पुरानी रंजिश चल रही है। घटना के दौरान गोली चलने जैसी कोई घटना नहीं घटित हुई है।

अनिल यादव, डीसीपी

बिल्डर-खरीदार को राहत देने के लिए ग्रेनो प्राधिकरण 12 को करेगा मंथन

■ **अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू करने से पहले प्राधिकरण नफा-नुकसान का करेगा आकलन**

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। बिल्डर-बायर्स को राहत देने के लिए बनी अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 12 अगस्त को प्रस्तुतिकरण देगा। बिल्डरों पर बकाया करीब पांच हजार करोड़ रुपए किस तरह से मिलेगा और खरीदारों को फ्लैट पर कब्जा व रजिस्ट्री किस तरह से कार्रवाई जाएगी, यह जानकारी दी जाएगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 12 अगस्त को बोर्ड बैठक होनी है। केंद्र सरकार द्वारा गठित की गई अमिताभ कांत समिति ने बिल्डर और खरीदारों की समस्याओं को खत्म करने के लिए कई सिफारिशें की हैं। अब ये सिफारिशें शासन तक पहुंची तो उनको लागू करने पर विचार शुरू हो गया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में भी बिल्डर-बायर्स मुद्दा है। इसको लेकर अक्सर धरने प्रदर्शन होते रहे हैं। प्राधिकरण ने इन सिफारिशों को लागू करने से पहले इसके नफा-नुकसान का आकलन कर रहा है। आगामी बोर्ड बैठक में प्राधिकरण इन सिफारिशों को लागू करने में होने वाली दिक्कतों और फायदों को बताएगा। बोर्ड की मुहर के बाद इस पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। सीईओ एनजी रवि कुमार ने बताया कि बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होगी।

दिनदहाड़े स्कार्पियो सवार युवक ने किया बच्चों के अपहरण का प्रयास

■ **जाम से भीड़ लगने पर स्कार्पियो छोड़कर भागे आरोपी**
■ **ब्रेजा कार से आए थे आरोपी**
■ **दो नामजद चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज**
■ **दोनों पक्षों में रंजिश की बात होने की आशंका**

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कस्बा सूरजपुर में गुरुवार दिनदहाड़े ब्रेजा सवार आरोपियों ने स्कॉर्पियो सवार युवक व उसके दो बच्चे के अपहरण का प्रयास किया। दिनदहाड़े हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट कर पीड़ित को लहुलूहान कर दिया। गोली चलने की बात भी सामने आ रही है, लेकिन पुलिस इससे इंकार कर रही है। इस दौरान लोगों के इकट्ठा होने व जाम लगने पर पीड़ित को छोड़कर आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना पर डीसीपी सेंट्रल नोएडा व अन्य आलाधिकारी मौके पर पहुंचे।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश बताई जा रही है। सुत्याना गांव के रहने वाले सुभाष कश्यप वर्तमान में कस्बा सूरजपुर में महामेधा वाली गली में परिवार के साथ रहते हैं। इनके दो बच्चे बेटी परी (11) व बेटा दक्ष (5) कस्बा स्थित केसीएस स्कूल में पढ़ते हैं। गुरुवार दोपहर 1. 30 बजे स्कूल की छुट्टी होने पर सुभाष अपने दो बच्चों को स्कॉर्पियो गाड़ी से लेकर घर जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में ब्रेजा कार सवार चार लोगों ने ओवरटेक कर उनकी गाड़ी को रोक लिया और चाबी छीनकर जबरन अंदर घुस गए। आरोपियों ने सुभाष व उनके दोनों बच्चों को कार में बंधक बना लिया। विरोध करने पर मारपीट कर दी। पीड़ित के मुताबिक चार आरोपियों में से एक आरोपी स्कॉर्पियो चलाने लगा, जबकि एक ब्रेजा लेकर आगे चलने लगा। दिनदहाड़े हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। पीड़ित को बंधक बनाकर आरोपी दादरी की ओर लेकर आ रहे थे। कुछ दूर आगे जाने पर जाम की स्थिति व लोगों को इकट्ठा होते देख आरोपियों ने सामने से आ रहे ट्रक में स्कॉर्पियो से टक्कर मार दी। पीड़ित व उसके दोनों बच्चों को छोड़कर आरोपी फरार हो गए।

घटना की सूचना पर डीसीपी सेंट्रल नोएडा अनिल यादव समेत अन्य आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। इस मामले में पीड़ित ने गांव के ही रहने वाले रोहित व आकाश तथा दो अन्य के विरूद्ध तहरीर दी है। डीसीपी अनिल यादव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। दोनों पक्ष एक ही गांव के रहने वाले हैं। इनकी आपस में पुरानी रंजिश चल रही है। घटना के दौरान गोली चलने जैसी कोई घटना नहीं घटित हुई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से घटना के संबंध में साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं।

सार संक्षेप

शिल्प कार्यशाला में बच्चों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया

ग्रेटर नोएडा। स्वर्ण नगरी स्थित जी डी गोयंका स्कूल में ग्रेड तीन से पांचवीं के छात्रों के लिए एक कला और शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने सामग्री अपने साथ लाए और शिल्प कार्यशाला में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने पूरे उत्साह से इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा रंग- बिरंगी टोपियां बनाईं। अपने ही हाथ से बनाई हुई टोपियों को पहनकर बच्चे फूले नहीं समा रहे थे। छात्रों को विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रेणु सहगल ने उनके इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए छात्रों का उत्साहवर्धन किया और शुभकामनाएं दी।

संदिग्ध अवस्था में युवती हुई लापता

दनकौर। दनकौर क्षेत्र के भट्टा गांव से संदिग्ध अवस्था में एक युवती लापता हो गई। जिसके परिजनों ने गुरुवार को कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उनकी 22 वर्षीय बेटी 8 अगस्त को घर से अचानक लापता हो गई। जिसका फोन भी स्विच ऑफ जा रहा है। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं चल पाया है। जिसके चलते उन्होंने कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। घटना के बाद से परिवार डरा हुआ है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही युवती का पता लगा लिया जाएगा।

नाम परिवर्तन

मेरे LIC की पॉलिसी संख्या 263720768 में मेरा नाम Krishna Murari हो गया है जबकि मेरा सही नाम Anmol Sharma पुत्र राजकुमार निवासी–एफ–310, सैक्टर अल्फा–2, ग्रेटर नोएडा, उ0प्र0 है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

एनसीसी के विद्यार्थियों ने मनाया अगस्त क्रांति आंदोलन

उन्हें कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए बधाई दी।

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की महिला एनसीसी विंग '31 यूपी गर्ल्स बटालियन' ने विश्वविद्यालय में भारत छोड़ो आन्दोलन अगस्त क्रांति, 9 अगस्त 1942 दिवस का आयोजन किया गया। एनसीसी महिला कैडेट्स ने सी.टी. ऑफिसर डॉ. भावना जोशी की अगुआई में झंडा मार्च निकाला जिसमें कैडेट्स ने भारत छोड़ो आन्दोलन से संबंधित नारों से इस दिवस के महत्व को बताया। कैडेट्स द्वारा विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया जिसमें स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। कैडेट्स द्वारा प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई के उपरांत भारत छोड़ो आंदोलन के सेनानियों को याद किया गया। इस अवसर पर 31 यूपी बटालियन से हवलदार फिरोज खान कैडेट्स के मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मनमोहन सिंह शिशोदिया ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए

'मेरी माटी मेरा देश' के तहत ईशान कॉलेज में निकाली तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। ईशान कॉलेज में 'मेरी माटी मेरा देश' एवं तिरंगा यात्रा का आयोजन- आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' एवं तिरंगा यात्रा का आयोजन ईशान कॉलेज के कैंपस में किया गया, जिसमें मैनेजमेंट, लॉ, आयुर्वेद, फार्मेसी, एजूकेशन कोर्सों के प्राचार्य, शिक्षक गण एवं छात्र छात्राएं प्रतिभाग किये। इस कार्यक्रम के तहत गुरुवार को 'मेरी माटी मेरा देश' के तहत अमृत कलश में अपने-अपने क्षेत्रों, मोहल्लों एवं गांव से लाए गए मिट्टी को अमृत कलश में प्राचार्य शिक्षक गण एवं छात्र छात्राओं ने एकत्र किया, जिसे संस्थान में संजो कर रखा गया है।

इस अवसर पर पंच प्राण की शपथ भी दिलाई गई। इस तिरंगा यात्रा के दौरान सभी फैकेल्टी एवं छात्र छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकाला, देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे एवं एकजुटता का संदेश दिए।

अलंकरण समारोह में विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। पैसिफिक वर्ल्ड स्कूल ने 'आई-बिलीव' थीम के साथ अपने वार्षिक अलंकरण समारोह की मेजबानी की। समारोह का आयोजन स्कूल के ग्रैंड पैसिफिक हॉल में किया गया, जहां सभी लोग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए नव नियुक्त स्टूडेंट लीडर्स के सम्मान और सराहना करने के लिए एकत्र हुए। अलंकरण समारोह के दौरान निवर्तमान छात्र परिषद से लेकर नवनिर्वाचित लीडर्स तक की जिम्मेदारियों, मूल्यों और नेतृत्व परिवर्तन को चिह्नित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट मुख्य अतिथि सूर्य नारायण बहादुर, एडवांस्ड ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट कंसल्टेंट के चीफ हैप्पीनेस ऑफिसर ने युवा लीडर्स को समर्पण, अखंडता और सहानुभूति के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रो वाइस चेयरपर्सन निधि बंसल ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह में समृद्ध शिक्षण वातावरण तैयार करने में कार्यक्रम में आमंत्रित अभिभावकों, शिक्षकों और पूरे स्कूल समुदाय के संयुक्त प्रयासों का उदाहरण दिया गया। स्कूल हेडबॉय, हेडगर्ल, वाइस-कैप्टन, प्रीफेक्ट्स, हाउस कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन, टेक्निकल लीड्स, हैप्पीनेस लीड, क्रिएटिव लीड समेत विभिन्न पदों पर नवनियुक्त स्टूडेंट लीडर्स को समारोह के दौरान उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियां निभाने को लेकर उन्हें बैज और सैश से सुशोभित किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्य पूजा बोस ने कहा कि अलंकरण समारोह जिम्मेदारी की मशाल के पारित होने, उत्कृष्टता और साहचर्य की लौ को प्रज्वलित करने का प्रतीक है।

अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 12 से 23 अगस्त तक निःशुल्क खाद्यान्न का होगा वितरण

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। जिले के सभी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को माह अगस्त के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आबंटित आवश्यक वस्तुओं यथा गेहूं, चावल का वितरण 12 अगस्त से 23 अगस्त 2023 के मध्य संपन्न कराया जाएगा। इस अवधि में आवश्यक वस्तुओं का वितरण प्रातः 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक ई-पॉस मशीन के माध्यम आधार प्रमाणीकरण के उपरांत किया जाएगा। जिलापूर्ति अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक अंत्योदय कार्डधारकों को 14 किलो. गेहूं एवं 21 किलो. चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को कार्ड में सम्मिलित प्रति यूनिट 02 किलो गेहूं व 03 किलो चावल विक्रेता द्वारा निःशुल्क वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों/राज्यों के निवासी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारक, जिनके द्वारा गौतम बुद्ध नगर के उचित दर विक्रेताओं के यहां से वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत पोर्टेबिलिटी के आधार पर खाद्यान्न अपनी सुविधा एवं सुगमता अनुसार किसी भी उचित दर दुकान से प्राप्त किया जा सकेगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उपलब्धता की सीमा तक आच्छादित अंत्योदय लाभार्थियों को प्रत्येक अंत्योदय कार्ड पर 14 किग्रा0 गेहूं, 21 किग्रा चावल कुल (35 किग्रा0) तथा पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों से संबद्ध प्रत्येक यूनिट पर 2 किग्रा0 गेहूं, 3 किग्रा0 चावल (कुल 5 किग्रा) का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

विक्रेता द्वारा प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्ति से वंचित न रहे। किसी को आवश्यक वस्तुए प्राप्त करने में कोई समस्या उत्पन्न हो तो सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक से अथवा क्रियाशील कॉलसेंटर एवं टोल फ्री नम्बर-1967 एवं 1800-1800-150 पर समस्या दर्ज करा सकते है।

रेयान स्कूल में यूएसए के सहयोग से छह दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। रेयान इंटरनेशनल स्कूल ने एमसीए मिशिगन कॉलेज, यूएसए के सहयोग से छह दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस, रेयान-अल्मा एमयूएन का आयोजन किया। इस अवसर पर फेलिसिटेटर जैकब कीली, एक एक्सेस एमसीए मॉडल यूएन प्रशिक्षक ऑडिटर और मिशिगन कॉलेज एलायंस के लिए एमयूएन सलाहकार को स्कूल की प्रधानाचार्य व बच्चों ने पौधा और एक स्मृति चिन्ह देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में गाजियाबाद, मयूर विहार, नोएडा, नोएडा एक्सटेंशन से एनसीआर सहयोगी शाखाओं के एमयूएन प्रतिनिधि भी सत्र में भाग लेंगे, जो छह दिनों के लिए होगा। उन्हें इंटरनेट अनुसंधान रणनीतियों और उन्हें कैसे उपयोग में लाया जाए तथा अपने निर्दिष्ट देशों के लिए स्थिति पत्र लिखने के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। मूल्यवान सार्वजनिक बोलने का अनुभव प्राप्त करने के लिए छात्र उचित भाषण तैयारी और तकनीक सीखेंगे। छात्र सम्मेलन प्रारूप और संयुक्त राष्ट्र द्वारा उपयोग किए जाने वाले उचित बिंदुओं और गतियों सहित एमयूएन प्रक्रिया सीखेंगे। अंतिम सत्र में, छात्र अपने नए पाए गए ज्ञान का उपयोग एमयूएन सम्मेलन के हिस्से के रूप में करेंगे जहां छात्र भाषण देंगे, कार्य समूह बनाएंगे और मौजूदा मुद्दे को हल करने की दिशा में काम करने के लिए संकल्प लिखेंगे।

हर घर तिरंगा व मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने की बैठक

ग्रेटर नोएडा,10 अगस्त (देशबन्धु)। हर घर तिरंगा अभियान एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला भाजपा कार्यालय तिलपता पर बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजय भाटी ने की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विजय भाटी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान में हर घर तिरंगा पहुंचें उसके लिए विशेष अभियान 13 से 15 अगस्त चलेगा, जिसमें सभी कार्यकर्ता शहर नगर गांव के घर घर तक तिरंगा पहुंचाएंगे।

मेरी माटी मेरा देश के लिए युवा मोर्चा 12 अगस्त को प्रत्येक गांव की माटी को एकत्रित करेंगे और 14 अगस्त को देश की विभाजिता पर काला दिवस के रूप में मनाएंगे और स्वतंत्रता सैनानियों का और उनके परिवार वालों का स्वागत सम्मान करेंगे। देश की आजादी के ऊपर गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। सभी कार्यकर्ता पार्टी की रीति नीति केन्द्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के कार्यों में लगेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष गजेन्द्र मावी, सतेंद्र नागर, जिला मीडिया प्रभारी पंडित कर्मवीर आर्य, जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा, अनिता गौतम, गीता सागर, सविता गुर्जर, राज नागर, मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा, मनोज भाटी, रवि भदोरिया, सोमेश गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. 903, 9th Floor, Tower-11, Exotica Dreamville Sector-16C, Area-124.49 Sqm., Greater Noida जो कि Mrs. Surbhi Pathak & Sh. Aseem Pathak निवासी Flat No.903, 9th Floor, Tower-11, Exotica Dreamville, Sector-16C, Greater Noida के नाम पर उप निबंधन कार्यालय सदर गौतमबुद्ध नगर में दिनांक-13.05.2017 को पंजीकृत है। Sh. Aseem Pathak की मृत्यु के उपरान्त उनकी पत्नी एवं पुत्री Mrs. Surbhi Pathak & Ms. Seerat Pathak (Minor 05 Years) ने उक्त भूखण्ड/भवन में अपने पति/पिता के भाग का नामांतरण अपने पक्ष में करने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। अतः इस म्यूटेशन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में Mrs. Surbhi Pathak & Ms. Seerat Pathak (Minor 05 years) का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (बिल्डर्स)
ग्रेटर नौएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-रोजा याकूबपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवटन संख्या-आर.ओ.जे01515, भूखण्ड संख्या-31-ए, क्षेत्रफल - 970 वर्ग मीटर श्री श्याम सिंह पुत्र श्री खजान सिंह, निवासी-ग्राम-रोजा याकूबपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री श्याम सिंह पुत्र श्री खजान सिंह की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री पुष्पेन्द्र त्यागी, कपिल त्यागी पुत्रगण स्व0 श्री श्याम सिंह त्यागी, श्रीमती पीरक्षा देवी पत्नी स्व0 श्री श्याम सिंह त्यागी, श्रीमती कुसुम त्यागी (विवाहित), श्रीमती गीता त्यागी (विवाहित), श्रीमती रीता त्यागी (विवाहित), श्रीमती अन्जू त्यागी (विवाहित) पुत्रीगण स्व0 श्री श्याम सिंह त्यागी, निवासी-ग्राम- रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से सर्वश्री पुष्पेन्द्र त्यागी, कपिल त्यागी पुत्रगण स्व0 श्री श्याम सिंह त्यागी, निवासी-ग्राम- रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला - गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री पुष्पेन्द्र त्यागी, कपिल त्यागी पुत्रगण स्व0 श्री श्याम सिंह त्यागी, निवासी-ग्राम- रोजा याकूबपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में सहः आवटी के रूम में दर्ज कर दिया जायगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगों पर दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

ग्रेटर नोएडा, 10 अगस्त (देशबन्धु)। कृषि विद्यालय, गलगोटिया विवि और आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान 'कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग' विषय पर दो सप्ताह का ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। डॉ. सुदीप मारवाहा, प्रमुख, कंप्यूटर विज्ञान प्रभाग, आईसीएआर-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान मुख्य अतिथि थे। डॉ. सहदेव सिंह, डीन, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, गलगोटियास यूनिवर्सिटी ने ग्रीष्मकालीन स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी के सामूहिक प्रयासों से उल्लेखनीय अंतर्दृष्टि और नवाचार सामने आएंगे। आईसीएआर-सीआईटीएच के निदेशक, डॉ. एमके वर्मा ने शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी संस्थान होने के लिए गलगोटियास विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आईसीएआर-सीआईटीएच प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सबसे आगे रहने के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार व्यक्तियों को ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाने की कोशिश कर रहा है जो आज और कल की चुनौतियों का समाधान करता है। गलगोटियास विश्वविद्यालय के वॉइस चॉसलर डॉ. के. मल्लिकार्जुन बाबू ने इस तरह की सराहनीय पहल और प्रतिभागियों को समान विचारधारा वाले व्यक्तियों, संभावित सलाहकारों के साथ जुड़ने, सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य के अवसरों के लिए एक अमूल्य मंच प्रदान करने के लिए कृषि विद्यालय को बधाई दी। चांसलर, सुनील गलगोटिया ने खेती और कृषि प्रथाओं के दृष्टिकोण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए एआई की क्षमता का उपयोग करने में स्कूल द्वारा की गई पहल का स्वागत किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि एआई विभिन्न क्षेत्रों में एक अनिवार्य उपकरण बनता जा रहा है, यह उचित ही है कि हम कृषि के क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए इसकी शक्ति का लाभ उठाएं।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उप जिलाधिकारी सदर परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 617/एस.टी.-एस.डी.एम./2023 दिनांक 23.06.2023 के अनुसार ग्राम मूँजेखेडा में निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
मँजेखेडा	53	श्री निजामुद्दीन पुत्र श्री दलमीर नि0 ग्राम डेरी खूबन, माजरा मूँजखेडा परगना दनकौर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती हूरबानों	74	पत्नी
			श्री अजरूद्दीन	29	पुत्र
			श्री नजरूद्दीन	26	पुत्र
			श्री महरूद्दीन	43	पुत्र
			श्री अजीमुद्दीन	40	पुत्र
			श्री जफर	47	पुत्र
			श्रीमती शाहजहाँ	56	पुत्री विवाहित
			श्रीमती मूसेकीन	55	पुत्री विवाहित
			श्रीमती जायदा	50	पुत्री विवाहित
			श्रीमती नूरजहाँ	48	पुत्री विवाहित
			श्रीमती नसरीन	39	पुत्री विवाहित
			श्रीमती मोसिना	34	पुत्री विवाहित
			श्रीमती गुलशमा	33	पुत्री विवाहित
			श्रीमती बागो	32	पुत्री विवाहित
			श्रीमती नोशीना	31	पुत्री विवाहित
			श्रीमती मेहरूनिशा	30	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारिवारिक सदस्यों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 11 अगस्त 2023
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

कैसे बचेगा लोकतंत्र

क्या मोदी सरकार के लिए लोकतंत्र, संविधान की व्यवस्थाओं, सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों की कोई अहमियत नहीं है? क्या मोदी सरकार हर उस फैसले को बदलेगी या पलटेगी, जिससे उसकी सत्ता पर कोई आंच आ सकती है। क्या देश पर 50 सालों तक शासन करने की अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए सरकार संवैधानिक संस्थाओं को अपनी कठपुतली बनाने में जरा भी नहीं झिझकेगी। ये सारे सवाल दरअसल मानसून सत्र के दौरान आई एक खबर की उपज हैं। वैसे तो इस बार का मानसून सत्र मणिपुर मुद्दे पर हंगामे, राहुल गांधी की संसद में वापसी और सबसे अधिक मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के कारण खबरों में रहा है। लेकिन इन खबरों के शोर में कई जरूरी विधेयक सरकार ने आनन-फानन में पारित करवा लिए, इसकी खबर ही नहीं हुई। अब खबर आई है कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के निर्णय का उल्लंघन करते हुए मोदी सरकार चुनाव आयोग पर पूर्ण कब्जे की तैयारी में है। दरअसल 2024 के चुनाव से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की शक्ति अपने हाथ में लेने के लिए सरकार नया विधेयक ला रही है। प्रस्तावित विधेयक में मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया के पैनल से मुख्य न्यायाधीश का नाम हटाया गया है। विधेयक में तीन सदस्यीय पैनल में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सरकार के एक मनोनीत मंत्री हैं, मतलब साफ है कि मोदी सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्ति का संतुलन पूरी तरह अपने पक्ष में करना चाहती है। जबकि इससे पहले शीर्ष अदालत ने मार्च 2023 में कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश की समिति की सिफारिश पर की जाएगी। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक सर्वसम्मत फैसले में कहा था कि यह मानक तब तक लागू रहेगा जब तक कि इस मुद्दे पर संसद द्वारा कानून नहीं बनाया जाता। लेकिन सरकार के इस ताजा कदम से यही अंदेशा होता है कि अब चुनाव आयोग जैसी महत्वपूर्ण संस्था को मोदी सरकार अपने इशारों पर चलाने की बदनीयत रखती है।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप मोदी सरकार पर सैकड़ों बार लगे। सरकार के पास इन्हें नकारने के लिए कोई संतोषजनक जवाब हैं भी नहीं। वैसे भी मोदी सरकार में जवाबदेही की परंपरा खत्म हो चुकी है। यहां सवाल के बदले या तो आरोप लगाए जाते हैं या फिर पुरानी बातों को उखाड़ कर नए सिरे से पेश किया जाता है। मणिपुर की गंभीर समस्या पर देश देख रहा है कि किस तरह सरकार जवाब देने में आनाकानी करती रही, प्रधानमंत्री मोदी संसद में आने से बचते रहे तो मजबूरन इंडिया को अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। मंगलवार से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरु हुई और प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को संसद पहुंचे। उन्हें गुमान है कि बहुमत के कारण उनकी सरकार का कोई बिगाड़ नहीं हो सकता। लेकिन जिस पद पर वे बैठे हैं, वहां उन्हें बिगाड़ से ज्यादा ईमान की फिक्र करना चाहिए। प्रधानमंत्री से पहले उनकी सरकार के बाकी मंत्री अविश्वास प्रस्ताव पर जो कुछ कहते रहे, उसमें मणिपुर की बात कम और अपनी सरकार की, प्रधानमंत्री की वाहवाही अधिक थी। क्या इस देश के लोगों ने भाजपा को बहुमत इसलिए दिया था कि वह देश में शांति और स्थिरता की बात छोड़कर अपनी तारीफें करती रहे। क्या भाजपा मोदी या नरेन्द्र मोदी को अपने कामों पर इतना भरोसा नहीं है कि तारीफ का जिम्मा वो जनता पर छोड़ दें। 2014 के बाद 2019 में भी जनता को लगा कि भाजपा ही देश के लिए ठीक है, प्रधानमंत्री की कुर्सी पर फिर से नरेन्द्र मोदी को ही बैठना चाहिए तो उसने फिर से भाजपा के पक्ष में वोट किया। अब 2024 की बारी है। लेकिन अब शायद नरेन्द्र मोदी और भाजपा का विश्वास डगमगाने लगा है। इसलिए, प्रधानमंत्री संसद में आने से कतराते रहे, विपक्ष के सवालों का सामना करने से बचते रहे। और अब ऐसा विधेयक लाने जा रहे हैं, जिससे निष्पक्ष चुनाव की संभावनाएं ही खत्म हो जाएंगी।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में पारदर्शिता और निष्पक्षता रहे, इसलिए, शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के अलावा भारत के मुख्य न्यायाधीश के नाम को समिति में रखना तय किया था। इससे चयन प्रक्रिया में जरूरी संतुलन बना रहता। मगर अब तो यह फैसला एकतरफा ही रहेगा। अगर विधेयक कानून बन गया तो नेता प्रतिपक्ष समिति में अकेला पड़ जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री के साथ उनकी कैबिनेट का कोई मंत्री समिति में शामिल होगा। इस तरह नेता प्रतिपक्ष के फैसले का कोई महत्व ही नहीं रहेगा। यूं भी अब पंच परमेश्वर वाला जमाना तो रहा नहीं, जहां फैसला करने की आसंदी पर बैठे इंसान से पूरी निष्पक्षता की उम्मीद की जाए। केबिनेट मंत्री हर हाल में प्रधानमंत्री की राय के साथ ही जाएगा, नेता प्रतिपक्ष के साथ नहीं। इस विधेयक के जरिए मोदी सरकार ने अपनी मनमानी प्रवृत्ति को खुलकर जाहिर कर दिया है। सरकार के इस रवैये से अब डरने और सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि अब तक लोकतंत्र के नाम पर जो थोड़ी बहुत पर्देदारी थी, वो सब खत्म हो चुकी है। सरकार अपने इरादों को सरेआम प्रकट कर रही है। अब इसके बाद एक ही चीज बची है। सरकार एक ऐसा विधेयक और ले आए, जिसमें केवल चुनाव आयुक्त ही नहीं, भारत के मुख्य न्यायाधीश, नेता प्रतिपक्ष, राज्यों के मुख्यमंत्री सब का चयन सरकार ही करेगी और ये फैसला भी सरकार लेगी कि कौन वोट देगा, कौन नहीं। इसके बाद लोकतंत्र की जननी जैसे जुमलों की जुगाली की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। लोकतंत्र किस चिड़िया का नाम है, ये भी लोग भूल ही जाएंगे।

वैसे भी लोगों की याददाश्त अब कुंद हो चुकी है। 9 साल पहले किए गए वादों का हिसाब जब जनता नहीं ले रही तो लोकतंत्र के बारे में प्रधानमंत्री ने कब, क्या कहा, ये भी क्यों याद रखेगी। वैसे कांग्रेस ने इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया है। के सी वेणुगोपाल ने कहा है कि चुनाव आयोग को पूरी तरह से प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाने का प्रयास है। अरविंद केजरीवाल ने भी कहा है कि प्रधानमंत्री का संदेश साफ है कि सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश उन्हें पसंद नहीं आएगा, उसे वो संसद में कानून लाकर पलट देंगे। विपक्ष के इन बयानों से जाहिर है कि इस भाजपा की चालाकी समझ आ रही है। लेकिन सवाल ये है कि इस चालाकी का तोड़ विपक्ष कैसे निकालेगा। अभी 2024 के चुनाव में साल भर का वक्त है। इंडिया के पास तैयारियों के लिए अधिक समय नहीं है। अगर अभी से अपने सारे छोटे मोटे मतभेदों को किनारे कर इंडिया एकजुट होकर चुनाव में खड़ा होगा, तभी लोकतंत्र के बचने की कोई उम्मीद दिखेगी।

हिंसा की संक्रामक प्रक्रिया को रोकने में हो सकती है डाक्टरों की भूमिका

■ डॉ अरुण मित्रा

देश के कई हिस्सों में हाल की घटनाओं ने भारतीय समाज के समझदार तत्वों की चेतना को झकझोर कर रख दिया है। आज़ादी के समय शिक्षा का स्तर बहुत निम्न था, गरीबी चरम पर थी, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) मात्र 2.7 लाख करोड़ था वह भी 34 करोड़ की आबादी के लिए, जो दुनिया की कुल जीडीपी का लगभग 3 फीसदी ही था। उस समय भी भारत के लोगों ने धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र पर आधारित संविधान को अपनाने का विकल्प चुना। यह इसके बावजूद था कि विभाजन के समय बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक दंगे हुए थे और दुनिया में अब तक का सबसे बड़ी जनसंख्या विस्थापन हुआ था।

इन घटनाओं ने भी सौहार्द्रपूर्ण समाज के लिए लोगों के निर्णय को नहीं रोका। बीच की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो देश के लोग तब से एक-दूसरे के प्रति बिना किसी नफरत के एक साथ रहते आ रहे हैं। अब, जब हम सभी क्षेत्रों में विकसित हो गये हैं और 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा कर रहे हैं, तो हमारे लोगों का एक वर्ग सांप्रदायिक आधार पर और दूसरों के खिलाफ नफरत से भर गया है और उनके मन में पूर्वाग्रह पैदा हो गया है।

समाज के एक वर्ग द्वारा विकसित की गई यह मानसिकता मानवतावाद की उस अवधारणा के खिलाफ है जिसके लिए भारत हमेशा खड़ा रहा है। जनता को कट्टरता, झूठे प्रचार और मनगढ़ंत इतिहास से बहकाया जा रहा है। जाति, धर्म, जनजाति, और जातीयता के आधार पर दूसरों के प्रति नफरत के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इससे दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा की हानि होती है।

इतिहास में दर्ज है कि भारत के विभाजन के समय सांप्रदायिक दंगों में 25 लाख से अधिक लोग मारे गए थे। वे हिंदू, सिख और मुस्लिम तीनों समुदायों के थे। नफरत अविश्वास को जन्म देती है जो आगे चलकर एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा में तब्दील हो जाती है। हमने इसे 1984 में सिख विरोधी तथा 2002 में गुजरात में मुस्लिम विरोधी नरसंहार के दौरान देखा था।

ऐसी ही स्थिति कश्मीर में भी विकसित हुई जब अल्पसंख्यक कश्मीरी पंडितों को आतंकवादी खतरे और राज्य सरकार के रवैये के तहत पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसलिए भारत में इस समय जो कुछ हो रहा है, वह कोई नई घटना नहीं है, बल्कि अतीत में ऐसी ताकतें जो करने की कोशिश करती रही हैं, उसका ही एक सिलसिला है। जिन अल्पसंख्यकों को हिंदुओं की बहुसंख्यक 80 फीसदी आबादी के लिए खतरा माना जा रहा है, उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है। मुसलमानों के तुष्टिकरण जैसे मिथक लोगों के दिमाग में घर कर गये हैं और यह भी कि वे मशरूम की तरह उगेंगे और चार पत्नियों से शादी करेंगे और जल्द ही हिंदू आबादी से आगे निकल जायेंगे। इस घृणा अभियान में तर्क या सबूत का अभाव है। ये बेतुके विचार इलेक्ट्रॉनिक टीवी मीडिया, सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और कानाफूसी अभियानों के माध्यम से फैलाये जाते हैं। ऐतिहासिक धारावाहिक कहे जाने वाले कई टीवी धारावाहिकों का इस्तेमाल बहुत ही सूक्ष्म तरीके से झूठ और नफरत फैलाने के लिए किया जा रहा है।

> **सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है क्योंकि हिंसक व्यवहार संक्रामक प्रक्रिया है और इससे समान तरीके से निपटना होगा। प्रेम, सहानुभूति, और दूसरों की देखभाल पर जोर देकर सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। फैलाये जा रहे झूठ को बेनकाब करें। तर्क और प्रमाण पर बात करें। कमजोरों और वंचितों के प्रति विनम्र रहें और हमारे समाज में उन हाशिए पर रहने वाले लोगों के खिलाफ दृढ़ रहें जो हमारे देश में सामाजिक सद्भाव के नाजुक संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।**

ऐसी स्थितियों में महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। स्त्री के शरीर को संघर्षों में एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया है। मणिपुर की घटना, जहां महिलाओं को नग्न घुमाया गया और उनके साथ छेड़छाड़ की गई, को घृणा, क्रोध और हमारी सामाजिक व्यवस्था में गंभीर विचलन के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाना चाहिए।

स्थिति के प्रति राज्य की पूरी असंवेदनशीलता इस बात पर संदेह पैदा करती है कि क्या इन घटनाओं को राज्य के संरक्षण में किसी गुप्त उद्देश्य के साथ अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया गया है। घृणा अभियान अपने आप नहीं रुकते।

अब हरियाणा में साम्प्रदायिक दंगे कराये गये हैं। नफरत फैलाने वाले खुलेआम घूम रहे हैं जबकि पीड़ितों पर अत्याचार किया जा रहा है। यूपी, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसी ही घटनाएं होती रहती हैं। अगर अभी इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो इससे गुजरात या मणिपुर के स्तर की बड़े पैमाने पर हिंसा हो सकती है।

जो ताकतें इस तरह के नफरत भरे अभियान चलाती हैं, वे हमेशा यह प्रयास करती रहती हैं कि वे कैसे जनता को अपने पक्ष में कर सकें। 1995 में देशभर में भगवान गणेश की दूध पीती प्रतिमा की घटना बेहद सफल परीक्षण थी। यह संदेश कुछ ही समय में पूरे देश में फैल गया, जबकि उस समय कोई सोशल मीडिया नेटवर्क नहीं था। जब लगा कि पूरा मिथक उजागर हो जायेगा तो यह तुरंत रुक गया। गौरतलब है कि इसके बाद गुजरात में हिंसा हुई थी। यह आश्चर्यजनक है कि महात्मा गांधी की भूमि पर ऐसी अभूतपूर्व हिंसा हुई।

ऐसी स्थितियों पर काबू पाने में डॉक्टर सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। समाज के स्वास्थ्य के संरक्षक के रूप में डॉक्टरों का कर्तव्य है कि वे अपनी बात कहें और उचित निर्णय लें। उन्हें आगे आना होगा और सद्भाव, प्रेम, और भाईचारे का प्रचार करने के लिए सम्पर्क कार्यक्रम बनाने होंगे। ऐसी स्थितियों में पीड़ित लोगों में आत्मविश्वास विकसित करने में डॉक्टर एक बड़ा साधन हो सकते हैं।

विक्टर फेंकल, एक ऑस्ट्रियाई मनोचिकित्सक, जो नरसंहार से बचे थे, ने नाजी एकाग्रता शिविरों में कैदियों को बेहतर भविष्य की आशा कभी नहीं खोने के लिए प्रेरित करने का एक महान काम किया। अपने लगातार प्रयासों से वह हिटलर के युद्ध हारने के बाद कई लोगों को मरने से बचाने और जीवित रहने में सक्षम बनाया था।

हमारी आवाज़ मायने रखती है। लेकिन हमारी चुप्पी पेंचीदा और कर्तव्य के प्रति लापरवाही हो सकती है। नफरत फैलाने वालों की लगातार धमकियों और राज्य की संदिग्ध भूमिका के बावजूद बदलाव आ रहा है। कई वैज्ञानिक जो अब तक शांत थे, मिथकों और अवैज्ञानिक विचारों को चुनौती देने लगे हैं। ताली और थाली बजाने वाले डॉक्टरों को अब एहसास हो गया है कि यह कोविड से छुटकारा पाने का वैज्ञानिक तरीका नहीं था। अंततः हमें 1600 डॉक्टरों की जान की कीमत पर महामारी से लड़ना पड़ा। गौमूत्र या गोबर अभियान का कोई भी अभियान काम नहीं आया।

कई डॉक्टर इस बात को समझते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि उन्हें बोलने की हिम्मत जुटानी चाहिए। घृणा अभियानों का राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर मुकाबला किया जाना चाहिए। डॉक्टरों को चुप नहीं बैठना है बल्कि देश को इस संकट से बाहर निकालने के उपाय खोजने हैं। डॉक्टर अपने मरीजों के साथ संवाद कर सकते हैं और नरम स्वर में प्यार और करुणा की बात कर सकते हैं जो हमारे पेशे का एक हिस्सा है।

फिर उनसे उनकी भाषा में बात करें। हमें उन ताकतों की पहचान करने से नहीं कतराना चाहिए जो सौहार्द्र बिगाड़ने पर तुले हुए हैं। हमें यह समझना होगा कि इस तरह की हिंसा एक महामारी स्वास्थ्य समस्या है और इस प्रकार योजना बनायें जैसे हम अन्य बीमारियों के लिए करते हैं। प्राथमिक रोकथाम दृष्टिकोण स्थिति को खराब होने से रोकना है और हिंसा शुरू होने से पहले हिंसा को रोकना है। द्वितीयक रोकथाम जोखिम वाली आबादी और अंतर्निहित जोखिम कारकों को लक्षित करना है।

सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है क्योंकि हिंसक व्यवहार संक्रामक प्रक्रिया है और इससे समान तरीके से निपटना होगा। प्रेम, सहानुभूति, और दूसरों की देखभाल पर जोर देकर सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। फैलाये जा रहे झूठ को बेनकाब करें। तर्क और प्रमाण पर बात करें। कमजोरों और वंचितों के प्रति विनम्र रहें और हमारे समाज में उन हाशिए पर रहने वाले लोगों के खिलाफ दृढ़ रहें जो हमारे देश में सामाजिक सद्भाव के नाजुक संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

समय आ गया है कि हम चुप्पी तोड़ें।
गलत के सामने कभी बगलें न झांकें।।

खाद्य महंगाई के लिए सरकार की अदूरदर्शितापूर्ण नीतियां जिम्मेदार

क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार टमाटर, अदरक सहित तमाम सब्जियों, मसालों, दालों एवं चावल की कीमतों में वृद्धि की वजह से वेज थाली 34 फीसदी महंगी हो चुकी है, जबकि नॉन वेज थाली मात्र 13 फीसदी हुई है। देश में जून, जुलाई महिने के बाद लगातार तीसरे महिने अगस्त में खाद्य महंगाई अपने अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच कर रिकॉर्ड बना रही है। दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में टमाटर, हरी मिर्च, धनिया, अदरक अभी भी 200-250 रुपए के पार चल रहे हैं। आटा, दाल, दूध, मसाले सहित रोजमर्रा की तमाम जरूरी खाद्य सामग्रियों की कीमतें भी जुलाई महिने में अपने 'ऑल टाईम हाई' लेबल पर खेल रहीं हैं। आम आदमी बेबस और लाचार है, मगर सरकार मानने को तैयार नहीं है कि देश में महंगाई है? सरकार दावा कर रही है कि देश में थोक महंगाई दर पिछले 8 साल के निचले स्तर पर आ गई है।

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों की रसोई का सारा खेल बिगड़ चुका है। गरीबों और मध्यमवर्ग की थाली से टमाटर, हरी मिर्च और हरी धनिया की चटनी गायब है। देश की आधी आबादी यानि लगभग 70-72 करोड़ लोग खाद्य महंगाई की चपेट में आ चुके हैं, लेकिन सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि देश में लगातार तीसरे महीने थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है। जून महीने में थोक महंगाई दर 4.12 फीसदी पर आ गई है। सरकार तर्क दे रही है कि जून में थोक महंगाई की दर में गिरावट मुख्य रूप से मिनरल ऑयल्स, खाने-पीने की चीजें, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नेचुरल गैस और कपड़ों की कीमतें कम होने के कारण आई है।

सवाल उठता है कि आखिरकार बाजार की वास्तविक महंगाई और महंगाई के सरकारी आंकड़ों को लेकर इस कदर विरोधाभास क्यों है? यदि वास्तविकता में महंगाई दरें सामान्य हैं, तो फिर खाने-पीने की चीजों की कीमतें आसमान क्यों छू रहीं हैं? महंगाई को अक्सर आंकड़ों में दिखाने, प्रस्तुत करने, समझने की कोशिश की जाती है। ठीक है कि महंगाई की आंकड़ों की भाषा होती है, लेकिन इसके इतर आम जनजीवन पर महंगाई का व्यापक प्रभाव एवं असर होता है। महंगाई की वजह से आम आदमी के खान-पान, रहन-सहन एवं जीवन स्तर में गुणात्मक गिरावट आ जाती है। महंगाई का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। सामान्य महंगाई यानि मुद्रास्फीति से उत्पादकों को मुनाफा होता है, जिससे निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, लेकिन दीर्घकाल में उपभोक्ताओं पर इसका बुरा या नकारात्मक प्रभाव पढ़ता है। उपभोक्ताओं की वास्तविक आय घट जाती है, और अंततः बाजार में मांग सिकुड़ने लगती है। इसकी वजह से उत्पादक इकाईयां बंद होने लगती हैं। कुल मिलाकर सामान्य से अधिक महंगाई सबके लिए हानिकारक ही होती है।

सरकार के अनुसार जून में खुदरा यानि फुटकर महंगाई 4.81 फीसदी पर पहुंच गई है। मई में यह 25 महीने के निचले स्तर 4.25 फीसदी पर आ गई थी। सरकार का तर्क है कि जून में सब्जियों की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़ी है। तेज गर्मी, असमय बारिश जैसी प्राकृतिक घटनाओं ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है जिससे सब्जियों के दाम बढ़े हैं। चूंकि प्रचलित महंगाई दर के निर्धारण में लगभग आधी हिस्सेदारी खाने-पीने की चीजों की होती है, लिहाजा खुदरा महंगाई दर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जो अगस्त महिने के बाद सामान्य हो जायेगी।

वैसे तो जुलाई के महिने में सब्जियों की कीमतें हमेशा अधिक हो जाती हैं। लेकिन इस बार आलू, प्याज को छोड़कर शेष सब्जियों ने जिस तरह से रिकॉर्ड तोड़ महंगाई पैदा की है, यह विचार-विमर्श का एक गंभीर मसला है। यद्यपि यह महंगाई बहुत कुछ प्राकृतिक कारणों की वजह से है, इसके बावजूद इस कमरतोड़ महंगाई के लिए कहीं न कहीं सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं।

दरअसल इस महंगाई की सबसे बड़ी वजह उत्पादन की कमी है। देश की 142 करोड़ की आबादी के लिए जितनी खाद्य वस्तुओं यानि रोजमर्रा की खाने-पीने की चीजों की जरूरत है, उस तादाद में देश में उत्पादन नहीं हो रहा है। कई चीजों का यदि उत्पादन है, तो ऊंचीं कीमतों के लालच में बड़े पैमाने पर निर्यात कर दिया जा रहा है। खाद्य महंगाई की सबसे बड़ी वजह मांग-पूर्ति का असंतुलन है। प्राकृतिक कारणों से उत्पादन प्रभावित होने की वजह से आपूर्ति बुरी तरह घटती जा रही है। जिसकी वजह से साल के कुछ महिनों जैसे जून-जुलाई, अक्टूबर-नवम्बर, मार्च-अप्रैल आदि में जलवायु परिवर्तन जैसे कारणों से सब्जियों, फलों, दूध, दाल, तेल आदि रोजमर्रा की जरूरी जिंसों के दाम आसमान छूने लगते हैं।

सरकार को दीर्घकालिक कृषि नीति बनाने की जरूरत है, जिस दिशा में सरकार का ध्यान केवल कागजी खानापूरी तक सीमित है। इसके लिए कृषि को उद्योग का दर्जा देकर कृषि में भारी सरकारी निवेश की दरकार है, जिससे देश की विशाल जनसंख्या के लिए जरूरत के अनुसार उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। फलों, सब्जियों इत्यादि के भंडारण की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाने की वजह से इन मौसमों में होने वाली जमाखोरी और कालाबाजारी पर कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है।

अब समय आ गया है कि धान उत्पादन के रकबा को हतोत्साहित करते हुए दलहन, तिलहन, दूध, फल, सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सब्सिडी बढ़ाई जाये। इनके भंडारण की समुचित सरकारी व्यवस्था करनी होगी, जिससे महंगाई पर रोक लगाई जा सकती है। देश में भंडारण की व्यवस्था असल में निजी हाथों में है, जो जमाखोरी एवं कालाबाजारी जैसी अनैतिक व्यवस्थाओं को जन्म देकर मुनाफा वसूली करती हैं, जिससे महंगाई बेलगाम हो जाती है। यानि सरकारी नीतियों की असफलता महंगाई के लिए न सिर्फ जिम्मेदार है, अपितु कृषि क्षेत्र को लेकर सरकार की उदासीनता और कृषि क्षेत्र को लेकर अदूरदर्शितापूर्ण नीतियां वर्तमान महंगाई की सबसे बड़ी वजह है।

डॉ. लखन चौधरी

> **अब समय आ गया है कि धान उत्पादन के रकबा को हतोत्साहित करते हुए दलहन, तिलहन, दूध, फल, सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए सब्सिडी बढ़ाई जाये। इनके भंडारण की समुचित सरकारी व्यवस्था करनी होगी, जिससे महंगाई पर रोक लगाई जा सकती है। देश में भंडारण की व्यवस्था असल में निजी हाथों में है, जो जमाखोरी एवं कालाबाजारी जैसी अनैतिक व्यवस्थाओं को जन्म देकर मुनाफा वसूली करती हैं, जिससे महंगाई बेलगाम हो जाती है।**

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस

युवा ही है विकास की प्रथम और अंतिम सीढ़ी

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस सन् 2000 से विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता रहा है। सन् 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसंबर को इसे मनाने के लिए प्रस्ताव लाया गया था। सन् 2000 में इसे पहली बार आयोजित किया गया। इस बार हम 23 वें अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के आयोजन से जुड़ रहे हैं। इसके आयोजन से पूर्व प्रतिवर्ष एक नई थीम लाई जाती है। पिछली बार 2022 में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की थीम-'अंतर पीढ़ीगत एकजुटता, सभी उम्र के लिए एक दुनिया बनाना रखी गई थी।' इस वर्ष 2023 में युवा दिवस की थीम - 'युवाओं के लिए हरित कौशल, एक सतत विश्व की ओर' रखी गई है। युवाओं को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस की परिपाटी शुरू की। किसी भी राष्ट्र के निर्माण अथवा उसके विकास में सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका उस राष्ट्र के युवाओं की ही हुआ करती है। लोकतंत्र से लेकर अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान का विकास भी युवाओं के हाथ की लगाम है। वैश्विक मंदी तथा प्रदूषण, भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का समाधान भी युवा पीढ़ी के हाथों में ही है। इसमें कोई संशय नहीं की आज दुनिया का कोई भी देश यदि बीते कल को पीछे छोड़कर एक नई ऊर्जा के साथ अपना वर्तमान जी रहा है तो इसका श्रेय युवा पीढ़ी को ही जाता है। युवा शक्ति को सही दिशा मिल सके तो वह एक इतिहास लिख जाती है। इसके विपरीत गलत मार्गदर्शन संपूर्ण समाज के लिए विनाशकारी सिद्ध होता है।

किसी भी देश की असली ताकत उस देश के युवाओं के बलिष्ठ कंधों पर ही समाहित होती है। युवा पीढ़ी में ही वह शक्ति होती है जो किसी भी तरह के परिवर्तन कर दिखाती है। मानव सभ्यता को जब-जब अपने अस्तित्व के लिए नई दिशा की जरूरत महसूस हुई तब- तब उसने अपनी युवा पीढ़ी की ओर ही निहारा है। प्रत्येक युवा में दो खास विशेषताएं होती हैं। पहली - उसमें स्फूर्ति की और ऊर्जा का सैलाब होता है। वे कुछ भी कर गुजरने की शक्ति से लबरेज होते हैं। दूसरा- यह कि उन्हें उनके युवा काल में उतनी ठोकरें नहीं मिलती हैं कि वे जल्द ही निराश हो जाएं। तात्पर्य यह कि एक युवा का जीवन उसके मार्ग में आने वाली कठिनाइयों को ऐसे पराजित कर जाता है मानो वह कोई चुनौती थी ही नहीं। भारत वर्ष के संदर्भ में हर प्रकार के विकास और नवीन तकनीक की रीढ़ की हड्डी युवा वर्ग ही है। हमारे देश की जनसंख्या में बड़ा हिस्सा युवाओं का ही है। यही कारण है कि भारतवर्ष को युवाओं का देश कहा जाता है। हम अपने गुलामी के दिनों के इतिहास को खंगालें तो हमें जानकारी मिलती है कि- हमारी स्वतंत्रता की आधारशिला युवा कंधों पर ही रखी गई थी। शहीद-ए- आजम भगत सिंह से लेकर चंद्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस, सुभाषचंद्र बोस ऐसे अनेक नाम हैं, जिन्होंने यह सिद्ध कर दिखाया कि भारतवर्ष और भारत मां की ओर उठने वाली विरोधी आंखें नोच ली जाएंगी।

आज के युवा को हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से सबक लेने की जरूरत है। उस वक्त के भारतीय युवाओं ने देश को कहां से कहां लाकर खड़ा कर दिया! मुझे फिल्मी गीत की कड़ियां इस संबंध में याद आ रही हैं जो कुछ इस तरह है - 'हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के... इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल के ...' आज इस बात की प्रबल जरूरत है कि देश का युवा अपनी जिम्मेदारी समझे! हम यह देख रहे हैं कि 21वीं सदी में हमारे देश का युवा भटका हुआ है! यूरोपीय संस्कृति ने उसे पथभ्रष्ट कर रखा है। आज का युवा देश की तरक्की नहीं बल्कि खुद की तरक्की के सपनों में खोया हुआ है। परमार्थ की जगह स्वार्थ उन पर पूरी तरह राज कर रहा है। जैसा कि इस वर्ष की थीम में कहा गया है- 'युवाओं के लिए हरित कौशल, एक सतत विश्व की ओर...' इसे पाने के लिए युवाओं को अपनी जिम्मेदारी से जुड़ना होगा। भारत विकासशील देश की श्रेणी में है। उसे विकसित राज्य की श्रेणी युवा कंधों पर टिकी देखी जा रही है। आज के युवा को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक सभी क्षेत्रों में रुचि लेने की जरूरत है। एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का फौलादी जिगर, दृढ़ इच्छाशक्ति, पराक्रम, धैर्य एवं संयम जैसे गुणों से परिपूर्ण होना जरूरी है।

सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

बच्चों को कुपोषण मुक्त बनता आंगनबाड़ी केंद्र

आज़ादी के बाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश जिन चुनौतियों का सामना कर रहा था उनमें बच्चों में कुपोषण की समस्या भी एक थी। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों में कुपोषण बहुत ज़्यादा थी। गरीबी और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता था। जिसका असर बच्चों में देखने को मिलता था। इस समस्या से निजात पाने के लिए भारत सरकार द्वारा हर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र खोला गया। जहां महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलकर महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। गर्भवती महिलाएं व बच्चों का पंजीकरण और टीकाकरण किया जाता है। आगे चलकर इसमें गांव की किशोरी बालिकाओं के लिए पैड्स भी उपलब्ध करवाई जाने लगी।

आंगनबाड़ी कार्यक्रम को भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को और उनकी मां को कुपोषित होने से बचाने के लिए भारत सरकार व बाल विकास सेवा कार्यक्रम के द्वारा शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत 6 वर्ष की आयु के 8 करोड़ बच्चों को सम्मिलित किया गया है। इस योजना का शुभारंभ केंद्र सरकार द्वारा 1985 में किया गया था। वर्ष 2010 के बाद राज्य सरकारें भी इसमें सहयोग देने लगी हैं। याद रहे कि लगभग 400 से अधिक जनसंख्या वाले स्थान पर एक आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना का प्रावधान है। जनसंख्या के आधार पर किसी ग्राम पंचायत में एक से अधिक आंगनबाड़ी खोला जा सकता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका इस केंद्र को संचालित करती हैं तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से इसे मूर्तरूप दिया जाता है। जिसे आईसीडीएस कहा जाता है। इसके सफल संचालन के लिए प्रत्येक 25 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाता है जिसे मुख्य सेविका कहा जाता है। यह आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को कार्य से जुड़े मामलों में उनका मार्गदर्शन करती हैं।

लेकिन सरकार के सभी प्रयासों के बावजूद देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां आंगनबाड़ी केंद्र आज भी अपने उद्देश्य और लक्ष्य से पीछे नज़र आता है। जहां जागरूकता की कमी के कारण अभिभावक बच्चों को केंद्र तक नहीं पहुंचाते हैं और इसका लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं। ऐसा ही कुछ राजस्थान के जिला बीकानेर स्थित लूणकरणसर ब्लॉक के ढाणी भोपालाराम गांव में देखने को मिला है। जहां माता-पिता अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र तक भेजने के इच्छुक नज़र नहीं आते हैं। इस केंद्र की आंगनबाड़ी सहायिका नरेश का कहना है कि 'हमें बच्चों के माता-पिता कहते हैं कि हमारे बच्चों को घर से आंगनबाड़ी लेकर आप खुद जाओ, और फिर बाद में उनको घर भी आप ही छोड़कर जाओगे।'

भावना लूणकरणसर, बीकानेर राजस्थान

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

इजरायली सेना की कार्रवाई में फिलिस्तीनी आतंकवादी की मौत

रामल्ला। उत्तरी पश्चिमी तट के शहर नब्लस के पास एक गांव में इजरायली सेना के हमले में एक फिलिस्तीनी उग्रवादी मारा गया। फिलिस्तीनी डॉक्टरों और प्रत्यक्षदर्शियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी । फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 27 वर्षीय अमीर खलीफा को नब्लस के पश्चिम में जुवाता शहर में झड़प के दौरान इजरायली सैनिकों ने मार डाला। मंत्रालय ने कहा कि खलीफा की मौत इजरायली सैनिकों द्वारा सिर में गोली लगने से हुई। इजरायली अधिकारियों ने इस घटना और खलीफा की हत्या पर कोई टिप्पणी नहीं की है ।

उत्तर कोरियाई नेता ने सैन्य क्षमता को बढ़ाने के लिए आदेश पर किए हस्ताक्षर

■ कोरियाई प्रायद्वीप और उसके आसपास की मौजूदा स्थितियों का विश्लेषण किया गया

प्योंगयांग, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने कोरियाई प्रायद्वीप पर सैन्य क्षमता को और अधिक मजबूत बनाने के लिए एक लिखित आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। राज्य संचालित कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट में बताया गया कि नेता ने उत्तर कोरिया की वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग की एक विस्तृत बैठक में कोरियाई प्रायद्वीप में व्याप्त गंभीर राजनीतिक और सैन्य स्थिति को देखते हुए युद्ध के लिए सेना को और अधिक मजबूत बनाने' के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए निर्देशित किया है।

केसीएनए ने बताया कि बैठक में कोरियाई प्रायद्वीप और उसके आसपास की मौजूदा स्थितियों का विश्लेषण किया गया। जिसके बाद, दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूर्ण युद्ध की तैयारी करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान, नेता ने प्योंगयांग के खिलाफ बल प्रयोग के संभावित प्रयासों को रोकने के लिए और अधिक मजबूत सेना तैयार करने के लिए' आक्रामक तरीके से कोरियाई पीपुल्स आर्मी (केपीए) की युद्ध तैयारियों को और आगे बढ़ाने' के लिए लिखित आदेश पर हस्ताक्षर किए। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री किम ने यह भी आदेश दिया कि युद्ध सामग्री निर्माण संयंत्र 'विभिन्न हथियारों और उपकरणों के बड़े पैमाने पर उत्पादन को आगे बढ़ाएं'और हथियारों की उत्पादन क्षमता का विस्तार किया जाए।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को किया भंग

इस्लामाबाद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर नेशनल असेंबली को उसके पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से तीन दिन पहले भंग कर दिया है। डॉन समाचार पत्र की आज जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि बुधवार आधी रात से ठीक पहले राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री की सलाह पर अनुच्छेद 58(1) के तहत नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है। इसके अनुमोदन के बाद संघीय मंत्रिमंडल भी भंग हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अब्दुल कुद्दूस बिज़ेंजो ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि जिसमें कहा गया है कि गवर्नर मलिक अब्दुल वली काकर ने उन्हें प्रांतीय विधानसभा को भंग करने के लिए सार भेजा है। श्री बिजेंजो ने बुधवार देर रात इस्लामाबाद से फोन पर डॉन समाचार पत्र को बताया, मैं बलूचिस्तान विधानसभा को भंग करने की सलाह भेजने की जल्दी में नहीं हूं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह 12 अगस्त (शनिवार) को एक सार पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इस बीच सिंध विधानसभा का सत्र जारी है।

बेलारूस की सीमा पर दो हजार सैनिकों को तैनात करेगा पोलैंड

वारसॉ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पोलैंड सरकार बेलारूस के साथ देश की सीमा पर स्थिरता बनाए रखने के लिए दो हजार सैनिकों को तैनात करेगी। उप आंतरिक मंत्री मासीज वासिक ने स्थानीय मीडिया को यह जानकारी दी। बुधवार को पोलिश प्रेस एजेंसी (पीएपी) से बात करते हुए, वासिक ने कहा कि पोलैंड के सीमा रक्षक के कमांडर ने मूल रूप से अतिरिक्त 1,000 सैनिकों की मांग की थी, लेकिन रक्षा मंत्री मारियस ब्लास्ज़क और सुरक्षा समिति ने संख्या दोगुनी करने का फैसला किया। पीएपी के अनुसार, वर्तमान में लगभग 2,000 पोलिश सैनिक पोलैंड-बेलारूस सीमा पर तैनात हैं, जो सैकड़ों पुलिसकर्मियों और सीमा रक्षकों की मदद करते हैं। उप आंतरिक मंत्री के अनुसार, अतिरिक्त सैनिकों को दो सप्ताह के भीतर तैनात किया जाएगा। यह घटनाक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रहे तनाव के बीच हुआ है। इस महीने की शुरुआत में, वारसॉ में अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि दो अगस्त को प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान दो बेलारूसी हेलीकॉप्टरों ने पोलिश हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। यह घटना बियालोविज़ा के पूर्वी

सीमा क्षेत्र में हुई, जो सुवालकी गैप के दक्षिण में स्थित है - पोलैंड और लिथुआनिया के बीच भूमि की एक पतली पट्टी, जो कलिनिनग्राद के रूसी एन्क्लेव को बेलारूस से जोड़ती है और यह बाल्टिक राज्यों और शेष यूरोपीय संघ के बीच एकमात्र भूमि संपर्क है। लेकिन बेलारूस ने इसका पुरजोर खंडन किया और आरोप को दूर की कौड़ी बताकर खारिज कर दिया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसी भी खबरें थीं कि वैगनर भाड़े के समूह के सैनिक बेलारूस से सुवाल्की गैप की ओर बढ़ रहे थे।

सुडोकू 6283

		2				6	5	3
					9	2		
	4	5	6					1
		1		7				
9			1	6	8			5
				9		1		
5					7	3	2	
		7	9					
2	3	8				9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6283

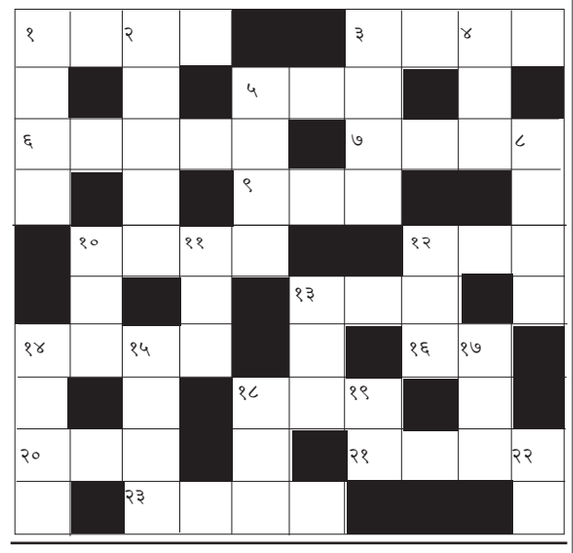

बायें से दायें:-

१. हिमाकत, हानिकर या अनुचित साहस, धृष्टता
३. कानूनी, विधिसम्मत
५. अवहेलना, अपमान
६. खुशामद पसंद (उर्दू)
७. देखना
९. एक तीक्ष्ण गंध वाला खनिज, जिससे बारूद आदि बनाया जाता है
१०. वह यज्ञ जिसमें मनुष्यों की बलि दी जाती है
१२. बढ़िया, श्रेष्ठ
१३. वगैरह
१४. फैलाना
१६. पर्यंत
१८. वरयात्रा
२०. निषेध
२१. रुचि के अनुकूल
२३. श्रीकृष्ण,शिव

ऊपर से नीचे:-

१. अपशब्द, गाली
२. आक्रमणकारी
३. विज्ञान संबंधी, विज्ञान का ज्ञाता
४. झरना
५. एक पौधा, जिसकी जड़ दवा के काम आती है
८. नाना का पिता
१०. पुत्री का पुत्र
११. भेड़ या बकरी का बच्चा
१२. ऊगा हुआ
१३. ठेका, पट्टा, एकाधिकार (उर्दू)
१४. मशविरा
१५. जिसमें खून न हो
१७. दाग, धब्बा
१८. एक प्रकार का खाद्यान्न
१९. वृक्ष, पेड़
२२. ध्वनि, शब्द

वर्ग पहेली-6282

दो	ष	वे	च	क		वि	लं	ब	न
प		त		म	री	चि		टो	
७						८			९
र		मा		१० स	म	ता			क्शा
	११ अ	म	१२ श	न			१३ प्र	धा	न
	र्ज		वा			१४ सु	ल	भा		वी
१५ बे	न	१६ का	ब			गं		१७ त	१८ म	स
न		लो		१९ अ	ध	२० र		ल	
२१ जी	न	त		स्मि		२२ खै	रि	य	२३ त
र		२४ र	ज	ता	च	ल			था

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 11 अगस्त , 2023 श्रावण कृष्ण पक्ष 9

राशिफल

मेष -दिन की शुरुआत में आप थोड़े कन्फ्यूज रहेंगे। आज आप अपना जिद्दी व्यवहार छोड़ दें। दूसरों के साथ सामंजस्य बनाए रखें। वाणी मधुर बनाए रखें, इससे कोई भी काम आसानी से बना पाएंगे।

वृषभ -आप का आज का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। दिन की शुरुआत में स्फूर्ति और आनंद का अनुभव होगा। आपकी रचनात्मकता से आप कठिन काम भी आसानी से बना पाएंगे। काम का उत्साह बना रहेगा।

मिथुन -आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आप चिंता से घिरे रहेंगे और शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में भी किसी से मतभेद रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद आप सभी कामों में अनुकूलता का अनुभव करेंगे।

कर्क -आज का दिन पारिवारिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ का अवसर लाया है। किसी प्रियपात्र से मुलाकात होगी। मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, परंतु दोपहर के बाद आपके मन में कई प्रकार की चिंता उठेगी।

सिंह -आज का दिन आनंदपूर्वक गुजरेगा। व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायी है। व्यापार में वृद्धि होगी। परिजनों तथा मित्रों के साथ अच्छे पलों को गुजारेंगे। किसी तरह का आर्थिक लाभ आपको हो सकता है।

कन्या -नए काम शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकुल है। आज आप कुछ धार्मिक बने रहेंगे। कार्यालय या व्यावसायिक स्थल पर काम का भार अधिक रहेगा। विदेश जाने के इच्छुक लोग आज सकारात्मक प्रयास कर सकते हैं।

तुला -खान-पान में आज विशेष ध्यान रखें। आज नए काम का आरंभ करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। अधिक कार्य से आलस्य और मानसिक चिंता का अनुभव करेंगे। यात्रा आज लाभदायी नहीं है।

वृश्चिक -सुबह के समय आप शारीरिक रूप से स्वस्थ और मन से खुश रहेंगे। परिजनों और मित्रों के साथ कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। दोपहर के बाद किसी बात की चिंता आपको रह सकती है।

धनु -आज मन खुश रहेगा, लेकिन शरीर में आलस्य बना रहेगा। हालांकि आप के काम योजनानुसार पूरे होंगे। अधूरे काम पूरे होंगे। धन लाभ की संभावना है। गृहस्थजीवन में मधुरता बनी रहेगी। आकस्मिक धन लाभ के योग हैं।

मकर -परिश्रम की अपेक्षा फल कम मिलेगा। फिर भी आप मेहनती बने रहेंगे। परिजनों के साथ सम्बंध मधुर होंगे। हेल्थ आज अच्छी रहेगी। हालांकि बाहर खाने-पीने से बचें। दोपहर के बाद अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

कुंभ -आज आप सभी कामों को आत्मविश्वास से पूरा कर सकेंगे। सरकार के साथ आर्थिक व्यवहार में भी आपको सफलता मिलेगी। पैतृक संपत्ति से लाभ होगा। वाहन, मकान आदि की कागज़ी कार्रवाई ध्यान से ही करें।

मीन -आज आपकी चिंता में कमी आएगी। आनंद और उत्साह में भी वृद्धि होगी। कुटुंबजनों के साथ व्यवहार अच्छा बनेगा। आर्थिक विषयों पर आप अधिक ध्यान दे पाएंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

हवाई द्वीप के जंगलों में लगी भीषण आग

■ मरने वालों की संख्या बढ़कर 36 हुई

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के हवाई द्वीप के जंगलों में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है, साथ ही लोकप्रिय पर्यटन शहर लाहिना सहित कई बस्तियां भी नष्ट हो गई हैं। यह जानकारी मीडिया ने गुरुवार को स्थानीय अधिकारियों के हवाले से दी। इससे पहले की खबरों में आग के कारण छह लोगों के मारे जाने की जानकारी दी गई थी। हवाई न्यूज नाउ प्रसारक के अनुसार, माउ काउंटी के अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। अधिकारियों ने कहा, अमेरिका में भंयकर तूफान के साथ हवाई द्वीप समूह में आए बवडंर की वह से यहां लगी जंगल की आग और भड़क गयी है। आग के कारण लाहिना शहर तबाह हो गया है। वहीं कई लोग फंसे हुए हैं जिनकी की खोजबीन की जा रही है। हवाई के माउई द्वीप में भयंकर तूफान के चलते जंगल की आग और बढ़ी है।

संयुक्त राष्ट्र अधिकारी ने सूडान में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने का किया आह्वान

संयुक्त राष्ट्र, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अफ्रीका के लिए संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव मार्था पोबी ने सूडान में सैन्य संघर्ष को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया है और बातचीत के जरिए समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया है। सुश्री पोबी ने बुधवार को एक ब्रीफिंग में सुरक्षा परिषद से कहा, कोई अन्य विकल्प नहीं है। सैन्य जीत हासिल करने के लिए युद्ध जारी रखने के लिए कुछ लोगों का आह्वान केवल देश को नष्ट करने में योगदान देगा। यह युद्ध जितना लंबा चलेगा, उतना ही अधिक देश के विखंडन, विदेशी हस्तक्षेप और संप्रभुता के क्षरण का खतरा होगा और सूडान के भविष्य, विशेष रूप से उसके युवाओं के नुकसान का खतरा होगा। उन्होंने कहा कि अब इस 'मूर्खतापूर्ण' युद्ध को समाप्त करने और बातचीत पर लौटने का समय आ गया है।

अप्रैल के मध्य में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच लड़ाई शुरू होने के बाद से सौ से अधिक दिन बीत चुके हैं। सुश्री पोबी ने कहा कि इन पार्टियों के बीच देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर खार्तूम, बहरी, ओमडुरमैन और दारफुर में झड़पें जारी हैं, लेकिन किसी भी पक्ष को जीत हासिल नहीं हुई है और न ही कोई महत्वपूर्ण लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि खार्तूम राज्य संघर्ष का केंद्र बना हुआ है, जिसमें प्रमुख लड़ाई एसएएफ जनरल कमांड मुख्यालय सहित प्रमुख एसएएफ प्रतिष्ठानों के आसपास केंद्रित है।

उत्तरी और दक्षिणी कोर्डोफान तथा ब्लू नाइल राज्यों में लगातार सैन्य कार्रवाइयों और लगातार सड़कों के बंद होने से हालात खराब हैं। उन्होंने कहा कि देश का पूर्वी भाग अपेक्षाकृत शांत है, एसएएफ के समर्थन में सक्रिय सैन्यीकरण के प्रयासों के संकेत हैं जो चिंताजनक है और इससे पूर्व में जातीय आधार पर संघर्ष होने का खतरा है, जो क्षेत्र की नाजुकता को और उजागर करता है। सूडान में संघर्ष का देश और उसके लोगों पर भारी असर पड़ रहा है। मानवीय और सुरक्षा संबंधी जरूरतें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं और राहत का कोई संकेत नहीं दिख रहा है।

वेनेजुएला ने कोलंबिया में शांति प्रक्रिया कमजोर करने की कोशिश की निंदा की

कराकस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। वेनेजुएला ने कोलंबियाई सरकार और विद्रोही समूह नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) के बीच शांति प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिशों की निंदा करते हुए गहरी चिंता व्यक्त की है।

वेनेजुएला ने यह चिंता कोलंबिया के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के उस बयान के बाद व्यक्त की जिसमें कहा गया है कि वेनेजुएला में अटॉर्नी जनरल फ्रांसिस्को बारबोसा डेलगाडो के खिलाफ तैयारी की जा रही है और वेनेजुएला ने अपने क्षेत्र का उपयोग इस कार्य के लिए करने की संभावना को खारिज कर दिया। यह जानकारी वेनेजुएला के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को दी। मंत्रालय ने कहा, वेनेजुएला कुछ हलकों द्वारा आज प्रसारित की गई निंदनीय सूचना पर गहरी चिंता व्यक्त करता है जो वर्तमान में कोलंबिया गणराज्य में चल रही शांति प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश है। संदिग्ध इरादों के साथ कोलंबिया में प्रसारित अफवाहों और अस्थिरता एवं आतंकवादी कार्रवाइयों के लिए हमारे क्षेत्र का उपयोग जैसी राय बनाने की कोशिशों को ध्यान में रखते हुए, एक विस्तृत और पारदर्शी जांच का आदेश दिया गया है जिससे सच्चाई सामने आ सके। मंत्रालय ने कहा कि कराकस कोलंबिया में शांति प्रक्रिया में शामिल सभी पक्षों के साथ-साथ कोलंबियाई सरकार और ईएलएन के बीच वार्ता के गारंटर देशों और संगठनों से आह्वान करता है कि वे सार्वभौमिक शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को जारी रखें और इसे नुकसान पहुंचाने के किसी भी प्रयास को विफल करें। कोलंबिया के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने खुफिया सूत्रों का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा था कि पांच वरिष्ठ ईएलएन कमांडरों की मुलाकात जुलाई में वेनेजुएला में हुई थी, जहां ईएलएन शहरी मोर्चा के नेता यानी एल रोलो के नेतृत्व में अटॉर्नी जनरल पर स्नाइपर हमला करने के लिए एक समूह तैयार किया जा रहा था। जुलाई 2023 की शुरुआत में, कोलंबिया सरकार ने 03 अगस्त, 2023 से 29 जनवरी, 2024 तक ईएलएन के साथ एक अस्थायी युद्धविराम का आदेश जारी किया था।

इक्वाडोर में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या पर 60 दिनों का आपातकाल

क्विटो, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इक्वाडोर के राष्ट्रपति गुइलेर्मो लासो ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की हत्या के सिलसिले में गुरुवार को पूरे देश में 60 दिनों के लिए आपातकाल की घोषणा की। श्री लासो ने राष्ट्रपति प्रशासन के चैनल पर प्रसारित एक संबोधन में कहा, मैं 60 दिनों के लिए आपातकाल की घोषणा कर रहा हूं। अब से, नागरिकों की सुरक्षा, देश की शांति और स्वतंत्र और लोकतांत्रिक चुनावों की गारंटी के लिए सशस्त्र बल पूरे देश में तैनात हैं। गौरतलब है कि इक्वाडोर की राजधानी क्विटो में एक रैली के दौरान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विलाविसेंशियो की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

आज का इतिहास

1347- अलाउद्दीन हसन गंगू ने राजसी सत्ता हासिल की और बहमनी वंश की स्थापना की।
1778- दुनिया में जिमनार्सटिक्स की नींव रखने वाले जर्मन शिक्षक फ्रेडरिक लुडविग का जन्म।
1863- कंबोडिया फ्रांस का संरक्षित क्षेत्र बना।
1908- क्रांतिकारी खुदीराम बोस को फांसी दी गई।
1914- फ्रांस ने ऑस्ट्रिया और हंगरी पर आक्रमण की घोषणा की।
1948- लंदन में समर ओलंपिक की शुरुआत हुई।
1961- दादर नगर हवेली का भारत में विलय हुआ और इसे केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया। गोवा की तरह यह इलाका भी कई साल पुर्तगाली उपनिवेश में रहा था।
1974- पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर अंजू जैन का जन्म।
1976- दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन मे दंगों में 17 लोग मारे गए।
1984- तत्कालीन सोवियत रूस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1985- रोनाल्ड रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने।
2003- उत्तर अटलांटिक संधि संगठन नाटो ने अफगानिस्तान में शांति बल की कमान संभाली।
2012- ईरान के तबरीज और अहार में भूकंप से 153 लोग मारे गए और करीब 1300 लोग घायल हुए।
2013- अफगानिस्तान के काबुल में बाढ़ से 22 लोग मरे।
2014- अमेरिकी अभिनेता रॉबिन विलियम्स का निधन।
2016- पाकिस्तानी हॉकी खिलाड़ी हनीफ मुहम्मद का निधन।
2017- मिस्र के अलेक्जेंड्रिया में दो यात्री गाड़ियों की टक्कर के बाद कम से कम 41 लोग मारे गए और 179 घायल हो गए थे।
2020- सुप्रसिद्ध शायर और गीतकार राहत इंदौरी का निधन।

अर्थव्यवस्था चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने जारी किया बयान

अमेरिका के नए निवेश प्रतिबंधों से चीन निराश

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर चीन में उन्नत प्रौद्योगिकी उद्योगों में निवेश पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने बुधवार देर रात एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें चीन के कुछ प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, नए नियम अमेरिकी निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों के साथ-साथ चीनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स में संयुक्त उद्यमों के निवेश पर प्रतिबंध लगाएंगे।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि प्रतिबंध व्यापार निर्णय लेने की सामान्य गति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को बाधित करता है। प्रवक्ता ने कहा, यह आदेश बाजार अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों से गंभीर भटकाव है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करता है। प्रस्तावित नियम सैन्य उन्नति के

लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि बाइडेन-कमला हैरिस प्रशासन अगली पीढ़ी के सैन्य नवाचार के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों की रक्षा करके अमेरिका को सुरक्षित रखने और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी सरकार ने कहा, सीमा पार निवेश प्रवाह ने लंबे समय से अमेरिकी आर्थिक जीवन शक्ति में योगदान दिया है। हम खुले निवेश के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए संकीर्ण रूप से लक्षित कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका ने चीन में तकनीकी निवेश को प्रतिबंधित किया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन में अमेरिकी उच्च-तकनीकी निवेश पर रोक लगाने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये हैं। अमेरिका हालांकि, बार-बार कहता रहा है कि उसे चीन से अलग होने में को दिलचस्पी नहीं है। अमेरिका के वित्त विभाग के अनुसार बुधवार को आदेश पर हस्ताक्षर हुए। चीन को 'चिंता वाले देश' के रूप में नामित करते हुए आदेश का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा प्रौद्योगिकियों की तीन श्रेणियों सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम सूचना प्रौद्योगिकी और कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली में अमेरिका के निवेश को सीमित करना है। आदेश के तहत अमेरिकी उद्यम पूंजीपतियों और अन्य निवेशकों को लक्षित क्षेत्रों में प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए चीनी कंपनियों में संभावित निवेश के बारे में वित्त विभाग को सूचित करने की भी जरूरी होगा।

दुनिया को जानें

द. अफ्रीका के बोत्सवाना में मिला 1,080.1 कैरेट का हीरा

गैबोरोन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीकी देश बोत्सवाना में 1,080.1 कैरेट का एलएलए सफेद रत्न-गुणवत्ता वाला हीरा खोजा गया है। कनाडाई हीरा उत्पादक लुकारा डायमंड ने मंगलवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि 82.2 × 42.8 × 34.2 मिमी का हीरा बोत्सवाना की राजधानी गैबोरोन से लगभग 512 किमी दूर उत्तर-मध्य बोत्सवाना में कारोवे हीरा खदान में मोटे एक्सआरटी इकाई में पाया गया। यह 2015 के बाद से करोवे खदान से खोजा गया, एक हजार कैरेट से अधिक का चौथा हीरा है। लुकारा डायमंड बोत्सवाना में करोवे डायमंड खदान का मालिक है। यह खदान 2012 से उत्पादन में है और कंपनी के संचालन एवं विकास गतिविधियों का केंद्र बिंदु है।

प्रादेशिकी

एसजेवीएन ने मध्य प्रदेश में 90 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना हासिल की

शिमला, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एसजेवीएन ने मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क में 3.79 रुपए यूनिट की दर से 90 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना हासिल की है। यह जानकारी एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नन्द लाल शर्मा ने आज यहां दी। उन्होंने कहा कि एसजेवीएन की पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थक कंपनी एसजीईएल ने आरईडब्ल्यूए अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) द्वारा बिल्ड ओन एंड ऑपरेट आधार पर आयोजित ई-रिवर्स नीलामी की टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के तहत फ्लोटिंग सोलर परियोजना हासिल की है।यह ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क में एसजेवीएन की दूसरी परियोजना है चूंकि कंपनी पहले ही इस सोलर पार्क में 90 मेगावाट की फ्लोटिंग परियोजना विकसित कर रही है।

अहिंसक क्रांति के लिए दो अक्टूबर को होगी बड़ी रैली : गहलोत

जयपुर 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र सरकार पर देश में माहौल खराब करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश में प्रेम और भाईचारे का संदेश देने के लिए आगामी दो अक्टूबर को हम एक बड़ी रैली करेंगे।

श्री गहलोत ने गुरुवार को यहां इंदिरा स्मार्टफोन योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, हम दो अक्टूबर को अहिंसक क्रांति के लिए एक बड़ी रैली करेंगे, जिससे देश में प्रेम और भाईचारे का संदेश जाए। उन्होंने कहा कि इससे महात्मा गांधी का शांति एवं अहिंसा का संदेश घर घर तक पहुंचाया जायेगा।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी गुजरात के थे लेकिन आज गुजरात में शराबबंदी केवल नाम मात्र की है, देश में सबसे ज्यादा अगर शराब पी जाती है तो गुजरात में पी जाती है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि मणिपुर में क्या हो रहा है, केंद्र सरकार को कोई परवाह नहीं है। एक राज्य तीन महीने से जल रहा है, संसद चल नहीं पा रही है, क्या कुछ नहीं हो रहा है देश में। उन्होंने कहा कि इस माहौल को ठीक करने की जिम्मेदारी हर भारतवासी की है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में शांति एवं अहिंसा का विभाग बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल

गांधी की भारत जोड़ों यात्रा में चार मुद्दे थे, महंगाई, बेरोजगारी, प्यार, मोहब्बत, भाईचारा, सद्भावना एवं अहिंसा तथा अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई। श्री गहलोत ने कहा कि इन चारों मुद्दों पर राजस्थान का बजट पेश किया गया है जो मामूली बात नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शानदार योजनाएं लाकर लोगों को हर तरह से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं और कोई कमी नहीं रखी जा रही हैं।

आवासीय विद्यालयों के विकास के लिए 21.56 करोड़ रुपए स्वीकृत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों के आधुनिकीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 21.56 करोड़ रूपए एवं राजस्थान विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में सिंथेटिक ट्रैक बनाने के लिए छह करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है मुख्यमंत्री के इस निर्णय से इन आवासीय विद्यालयों में ओपन जिम, खेलकूद सामग्री, चपाती मशीन, स्मार्ट इन्टरेक्टिव टीचिंग बोर्ड के साथ विभिन्न शिक्षण सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। इसके अतिरिक्त इन आवासीय विद्यालयों में अनुरक्षण, मरम्मत एवं निर्माण के विभिन्न कार्य किए जा सकेंगे। इससे इन आवासीय विद्यालयों में रहने वाले विद्यार्थियों को उत्कृष्ट वातावरण मिल सकेगा तथा उनका शैक्षिक एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की थी। श्री गहलोत के राजस्थान विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में सिंथेटिक ट्रैक बनाने के लिए छह करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी देने के निर्णय से विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं अभ्यास के लिए बेहतर वातावरण मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा इस संबंध में वर्ष 2023-24 के बजट में घोषणा की गई थी।

भाजपा आपदा में भी राजनीति के अवसर ढूंढ रही है: सुक्खू

शिमला, 10 अगस्त (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आपदा में भी राजनीति के अवसर ढूंढ रही है। वर्तमान परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश को केंद्र से आर्थिक मदद की आवश्यकता है, लेकिन अभी तक अंतरिम राहत की पहली किस्त भी जारी नहीं हुई है।

श्री सुक्खू ने कहा कि दूसरी केंद्रीय टीम हिमाचल प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए दौरे पर है तथा उम्मीद है कि हिमाचल प्रदेश को जल्द ही पहली अंतरिम राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के अधिकार लेने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने शिमला जिला के अपने प्रवास के तीसरे दिन मुख्यमंत्री ने आज रामपुर विधानसभा क्षेत्र के खड़ाहण में आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावितों के साथ मजबूती के साथ खड़ी है और उनकी हरसंभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए एक-एक लाख रुपये मुआवजा प्रदान करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों की मुआवजा राशि बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत खड़ाहण सहित अन्य प्रभावित पंचायतों के संपर्क मार्गों को खोलने के लिए पर्याप्त धनराशि जारी की जाएगी।

राज्य सरकार प्रभावितों के साथ मजबूती के साथ खड़ी है और उनकी हरसंभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए एक-एक लाख रुपये मुआवजा प्रदान करने की घोषणा की। राज्य सरकार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों की मुआवजा राशि बढ़ाने पर भी विचार कर रही है: सुखविंदर सिंह सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के कारण जिन परिवारों के घर और जमीन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें उचित स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि वे अपना घर-परिवार फिर से बसा सकें। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों के बावजूद राज्य सरकार आपदा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। सेब बागवानों की मदद के लिए पंचायतों में अस्थाई रास्ते बनाए जा रहे हैं, ताकि सेब समय पर मंडियों तक पहुंच पाएं और बागबानों को आर्थिक नुकसान न झेलना पड़े।

उन्होंने दोहराया कि सेब बहुल क्षेत्रों की सड़कें बहाल करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और विभागीय अधिकारी दिन-रात इस कार्य में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार भी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और आपदा में किसानों को हुए नुकसान का जायजा लेंगे, ताकि प्रभावितों की मदद की जा सके।

श्री सुक्खू ने कहा कि आपदा प्रभावितों की मदद के लिए राज्य सरकार ने मुआवजा राशि बढ़ाई है। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए मुआवजे को दस हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपए किया गया है और दुधारू पशु की मृत्यु पर जहां पहले 30 हजार रुपये प्रदान किये जाते थे, उसे बढ़ाकर 55 हजार रुपए किया गया है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश गांवों में बसता है और राज्य सरकार गांव में रहने वाले लोगों की हरसम्भव सहायता कर रही है। जनसेवा की भावना के साथ कार्य कर रही वर्तमान राज्य सरकार सही मायनों में लोगों की सरकार है और प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति का भला और ज़रूरत के समय हरसंभव सहायता करना है।

सार संक्षेप

एसजेवीएन ने ओएनजीसी-एसएसएल के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किए

शिमला। सतलुज जलविद्युत परियोजना के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नन्द लाल शर्मा ने गुरुवार को बताया कि एसजेवीएन ने ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) तथा हिंदुस्तान साल्ट्स लिमिटेड की अधीनस्थड कंपनी सांभर साल्ट्स लिमिटेड (एसएसएल) के साथ अलग-अलग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। श्री शर्मा ने बताया कि ओएनजीसी के साथ हस्ताक्षरित एमओयू नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के संयुक्त विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसमें समुद्र तट से दूर तथा तटवर्ती सोलर, पवन, हाइब्रिड, आरटीसी परियोजनाएं, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया आदि जैसी नई प्रौद्योगिकियों के उद्यम शामिल होंगे। परियोजनाओं का संयुक्त विकास ओएनजीसी और एसजेवीएन की पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थग कंपनी एसजीईएल के मध्यन एक संयुक्त उपक्रम कंपनी के गठन द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मैसर्स एसएसएल के चिन्हित तटीय किनारों पर एसजीईएल द्वारा चरणबद्ध तरीके से सौर परियोजनाओं/पार्क के विकासार्थ सांभर साल्ट्स लिमिटेड के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्ष परियोजना विशिष्ट कार्यान्वयन समझौतों के माध्यम से सौर परियोजनाओं के विकासार्थ इक्विटी भागीदारी, राजस्व शेयरिंग तंत्र के लिए मार्ग तलाशेंगे। इस प्रकार के विकास नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एसजेवीएन के पदचिह्नों को और सुदृढ़ करेंगे और वर्ष 2040 तक 50,000 मेगावाट स्थापित क्षमता के महत्वाकांक्षी साझा विजन को प्राप्त करने में सहायक होंगे।

कुछ शर्तों को पूरा करने पर मिलेगी ट्रेकिंग की अनुमतिः डॉ. जिंदल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला में ट्रेकिंग के लिए कुछ शर्तों के साथ छूट दी जाएगी। इस बाबत जिला दंडाधिकारी डॉ. निपुण जिंदल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 34 के तहत 22 जुलाई को जारी आदेशों में एडवेंजर एंड टूअर आपरेटर के आग्रह पर संशोधन किया है। ट्रैकिंग के इच्छुक सभी पर्यटकों तथा टूअर आपरेटर्स को संबंधित पुलिस थाना में सूचना देने के साथ साथ अनुमति लेना जरूरी होगा। इसके साथ ही ट्रेकिंग की अनुमति मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर ही दी जाएगी। अगर 48 घंटों तक मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान बताया गया होगा, तो उस आधार पर ट्रैकिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन तथा संबंधित उपमंडलाधिकारियों को आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जिला पर्यटन विकास अधिकारी को सभी होटल संचालकों तक इन आदेशों की जानकारी पहुंचाने के लिए कहा गया है. ताकि किसी भी स्तर पर पर्यटक ट्रेकिंग साइट्स की तरफ रूख नहीं करें।

सुडोकू 6283 का हल

8	9	2	7	4	1	6	5	3
1	7	6	5	3	9	2	4	8
3	4	5	6	8	2	7	9	1
6	5	1	2	7	4	8	3	9
9	2	3	1	6	8	4	7	5
7	8	4	3	9	5	1	6	2
5	6	9	8	1	7	3	2	4
4	1	7	9	2	3	5	8	6
2	3	8	4	5	6	9	1	7

हिमाचल में आपदा से जूझने के कारगर बंदोबस्तों की कमी एसडीआरएफ में 50 फीसद पद खाली

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 10 अगस्त (देशबन्धु)। भूकंप, भूस्खलन व बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के मामले में संवेदनशील माने जाने वाले हिमाचल में आपदा से जूझने के कारगर बंदोबस्तों की कमी खलने लगी है। बेशक प्रदेश में एक दशक से अधिक का अर्सा बीते जाने के बाद एसडीआरएफ अस्तित्व में आई हो, मगर प्राकृतिक आपदा के दौरान लोगों की जान माल की रक्षा में अहम किरदार निभाने वाली एसडीआरएफ में 50 फीसद पद खाली पड़े हैं। आपदा से जूझने के लिए सरकार ने हजारों वॉलंटियर्स को पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण दिया है, मगर इनका जीआईएस डेटा ही तैयार नहीं। भारी बर्फबारी जैसी आपदा में बंद पड़ी सडक़ों को खोलने के लिए पर्याप्त संख्या में स्नो कटर नहीं हैं।

हिमाचल में एसडीआरएफ के गठन की योजना साल 2011 में बनी। पंडोह में हैदराबाद के दो दर्जन के करीब छात्रों के ब्यास में डूबने की घटना के बाद सरकार ने एसडीआरएफ के गठन की योजना बनाई। 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह ने एसडीआरएफ के लिए 5 करोड़ की रकम जारी करने की बात भी कही थी, मगर हैरानी की बात यह है कि एसडीआरएफ बीते साल जुलाई में अस्तित्व में आई। एसडीआरएफ में प्रारंभ में 102 से अधिक जवानों को भर्ती करने की योजना बनी। मगर राज्य सचिवालय के एक भरोसेमंद सूत्र का कहना है कि एसडीआरएफ में आधे पद खाली पड़े हैं। आपदा से जूझने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने साल 2019 में प्रत्येक पंचायत में 10 से 15 वॉलंटियर्स की एक टास्क फोर्स के गठन का फैसला लिया था। फैसले के मुताबिक 3सालों में प्रदेश में 48 हजार से अधिक वॉलंटियर्स प्रदेश की 3 हजार से अधिक पंचायतों में प्रशिक्षित होने थे। बेशक प्राधिकरण ने वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया है, मगर इनका जीआईएस डेटा बेस पूरी तरह से तैयार नहीं है। प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी संस्था हिमालय नीति अभियान के कुलभूषण उपमन्यू का कहना है कि राज्य में फोरलेन निर्माण के लिए पहाड़ों की हार्ड कटिंग व खुदाई के मलवे को नदियों के किनारे फेंके जाने की वजह से नदियों ने अपने बहाव को बदला है। खुदाई का मलवा पानी में आने से इसकी रफ्तार तेज हुई है। नतीजतन प्राकृतिक आपदा से भारी तबाही हिमाचल में मचाई है।

आढ़ती, लदानी, बागबान और सरकार की एक समन्वय बैठक होनी चाहिए : बलबीर

शिमला, 10 अगस्त (देशबन्धु)। भाजपा प्रवक्ता बलबीर वर्मा ने कहा हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात के कारण बड़ी संख्या में सड़के बंद है और लोगों का बड़ी तादाद में निजी नुकसान भी हुआ है। इस क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा बागबानो को मंडियों में सब भेजने और बेचने की दृष्टि से सरकार द्वारा काफी अड़चन डाली जा रही है।

हैरानी की बात यह है को अब मंडियों के बाहर भी सेब खरीदा जा रहा है, आप पराला मंडी की बात ही कर ले तो हिमाचल की सबसे महत्वपूर्ण मंडी के बाहर ही सेब बेचने को प्रक्रिया चल रही है। हिमाचल सरकार के कृषि एवं बागवानी मंत्री बताएं कि मंडियों के बाहर से सेब खरीदने वाले लोग कौन हैं, इनकी लगातार शिकायतें एसडीएम और पुलिस को भी हो रही है पर उनके ऊपर कार्रवाई इतनी तेज गति से होती नहीं दिखाई दे रही है। प्रदेश में ऐसा

पहली बार हुआ है कि कभी आढ़ती और लदानी हड़ताल पर जा रहे हैं। आप पराला और सोलन मंडी में देख लीजिए लगातार हड़ताल चल रही है।

बागबान बहुत परेशान है और कब मंडी बंद हो जाए इसके डर की वजह से सब बागबान चंडीगढ़ दिल्ली और मुंबई की ओर पलायन कर रहे है, इसका हिमाचल प्रदेश को बहुत नुकसान हो रहा है। कई बागबानो के पास पुरानी पेटियां भी पड़ी है और जगह-जगह यह तक नौबत आ गई है कि 28 किलो सेब की कीमत 24 किलो के हिसाब से मिल रही है, इसको लेकर सरकार को एक ठोस नीति बननी चाहिए। भाजपा का मानना यह है कि सेब प्रति किलो के हिसाब से बिकना चाहिए इससे बागबानों को बहुत फायदा होगा। छोटे बागवान हिमाचल प्रदेश में बहुत परेशान है और अब तो हद ही हो गई है, कई जगह तो सरकार बागबानों को धमकाने का कार्य कर रही है। एचपीएमसी के खरीद केंद्र तो खुले है पर उनकी हातल किया है वो सबको पता है, बागबान उन केंद्रों में सेब नही बेच रहे है। सरकार को एक ठोस नीति के साथ काम करना चाहिए, आढ़ती, लदानी, बागबान और सरकार की एक समन्वय बैठक होनी चाहिए। इससे सभी को फायदा होगा। हमारा सरकार से निवेदन है की बागबान अन्नदाता होता है उनको किसी भी प्रकार तकलीफ नहीं आनी चाहिए।

हिमाचल सरकार रिटायर कर्मचारियों अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी

शिमला, 10 अगस्त (देशबन्धु)। आर्थिक तंगी से जूझ रही हिमाचल सरकार रिटायर कर्मचारियों को देय वित्तीय लाभों का भुगतान नहीं कर पा रही है। वित्तीय लाभों का भुगतान न होने से रिटायर कर्मचारी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। जनवरी 2016 से 2021 जनवरी तक रिटायर हुए कार्मिकों को संशोधित वेतन मानों पर वित्तीय लाभों का भुगतान न होने से उन्हें खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वित्तीय लाभों का भुगतान न होने से खफा रिटायर कार्मिकों ने न्याय की खातिर अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर ली है।

प्रदेश सरकार ने कार्मिकों को जनवरी 2016 से छठे पंजाब वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक संशोधित वेतन मानों का लाभ दिया है। कर्मचारियों को जनवरी 2022 से संशोधित वेतन मान के तहत पेंशन कम्यूटेशन, लीव इनकैशमेंट व ग्रेच्युटी का भुगतान सरकार ने किया है। जनवरी 2022

देय वित्तीय लाभों का भुगतान नहीं कर पा रही सरकार

के बाद रिटायर कर्मचारियों को तो संशोधित दरों पर तमाम भुगतान किएगए हैं, मगर जनवरी 2016 से 2021 जनवरी के मध्य रिटायर हुए कर्मचारियों को न तो संशोधित वेतन मान के मुताबिक लीव इनकैशमेंट व न ही ग्रेच्यूटी अथवा पेंशन कम्यूटेशन का भुगतान हुआ। प्रदेशभर में इन कर्मचारियों की संख्या कतरीब 8 से 9 हजार बताई जा रही है। वीरवार को इसी मुद्दे पर चर्चा के लिए सचिवालय एवं इससे संबद्ध रिटायर कार्मिकों के पेंशनर वेलफेयर ऐसोसिएशन की बैठक अध्यक्ष मदन लाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संशोधित वेतन मान के मुताबिक वित्तीय लाभों के भुगतान के मुद्दे पर सरकार को बीते 10 जुलाई को सौंपे ज्ञापन पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि फिलहाल उनके ज्ञापन पर कोई फैसला वित्त विभाग ने नहीं लिया है। लिहाजा पेंशनरों के संगठन से वित्तीय लाभों के भुगतान के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला लिया। बैठक में ऐसोसिएशन के उपाध्यक्ष भूप राम वर्मा , नीलम चौहान, भास्कर ठाकुर जगत राम के अलावा संगठन के कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दसवीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र किए जाएंगे जारी : रोहित

शिमला, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज यहां बताया कि प्रदेश के विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अंतर्गत परीक्षा पास करने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को वर्ष 2023 से उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है।

श्री ठाकुर ने बताया कि पहले बोर्ड द्वारा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के लिए केवल अंक तालिका तथा प्रवास प्रमाण-पत्र ही उपलब्ध करवाये जाते थे, जबकि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड औरर अन्य बोडों द्वारा उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र भी छात्रों को प्रदान किए जाते हैं। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड भी पूर्व में यह सुविधा केवल आग्रह पर ही उपलब्ध करवाता था।

इस कारण प्रदेश से बाहर रोजगार के लिये जाने वाले युवाओं को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था।

उनके आवश्यकता पड़ने पर प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों से आकर यह प्रमाण-पत्र बोर्ड कार्यालय में आकर ही लेना पड़ता था। विद्यार्थियों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र देने का निर्णय लिया है।

श्री ठाकुर ने कहा कि यह निर्णय छात्रों के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और उनके समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में भी सहायक होगा।

राजस्थान के दलित मजदूर ने लगाई विधायक और पुलिसकर्मियों से बचाने की गुहार

नई दिल्ली 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जयपुर के जमवारामगढ़ निवासी दलित मजदूर राजू प्रसाद नायक ने अपनी जान बचाने की गुहार लगाई है। राजू प्रसाद का कहना है कि उस पर किए गए अत्याचार और अन्याय के खिलाफ कोर्ट में जाकर उसके आवाज उठाने पर अब उसे जान से मारने की धमकी मिल रही हैं। उसे वहां के विधायक और इस प्रकरण में शामिल एक डिप्टी एसपी सहित अन्य

पुलिसकर्मियों द्वारा केस समाप्त करने के लिए कहा जा रहा है। अगर उसने ऐसा नहीं किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। राजू ने कहा , ' मैं परम लैंड बेस इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के खेत में काम कर रहा था और पुलिस कर्मियों ने आकर बेवजह मारना शुरू कर दिया। ' और पुलिस की गाड़ी में उठाकर एमएलए निवास पर लें गए । राजू ने कहा कि उसको बिना किसी गलती के बहुत बुरी तरह से टॉर्चर किया गया। उस पर पेशाब किया गया, यहां तक कि जाति सूचक गालियां भी उसे बार-बार दी गईं। राजू ने आरोप लगाया कि डिप्टी एसपी शिवकुमार भारद्वाज ने उसे गंभीर जातिसूचक गालियां देते हुए उसका अपमान तक किया। पीड़ित ने कहा कि जब उसने पीने के लिए पानी मांगा तो डिप्टी एसपी ने कथित तौर पर उसके चेहरे पर पेशाब किया। पीड़ित ने दावा किया कि उसे छोड़ने की एवज में विधायक गोपाल मीणा ने जूते चाटने पर मजबूर किया। मैं चाहता हूं कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और उसको व उसके साथियों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

आमरण अनशन पर बैठे सात सरपंच- किसानों को हुआ आई फ्लू

सिरसा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा जिले में वर्ष 2022 का फ़सल बीमा क्लेम अभी तक नहीं मिला है। बीमा क्लेम की मांग को लेकर गांव नारायण खेड़ा के पेयजल केंद्र में बनी 110 फीट पानी की टंकी पर चार किसान पिछले नौ दिन से चढ़े हुए हैं। वहीं 13 किसान तथा सरपंच आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। इनमें आमरण अनशन पर बैठे सात सरपंच व किसानों के आई फ्लू हो गया है। इससे अब आमरण अनशन पर बैठों को आंखों में दर्द दे रहा हैं। वही, जिला उपायुक्त कार्यालय में जिला प्रशासन व किसानों के 15 सदस्यों की गठित कमेटी के बीच वार्ता हुई। किसानों का प्रतिनिधित्व भारतीय किसान यूनियन के रवि आजाद,प्रकाश ममेरा,सहित कुल 15 सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक एक घंटा चली जिसमे कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ बाबू लाल ने बताया कि इस सिलसिले में कृषि मंत्री जे पी दलाल की

विभाग व बीमा कंपनी के अधिकारियों के साथ पिछले तीन दिन से वार्तालाप हो रहा है। शुक्रवार को दिल्ली में तकनीकी कमेटी की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें तय हो पाएगा कि आखिर किसानों को बीमा कंपनी कब राशि का भुगतान कर पाएगी। वही नारायण खेड़ा गांव में बीमा क्लेम की मांग को लेकर धरने पर बैठे किसानों का समर्थन देने के लिए हरियाणा ही नहीं पंजाब, राजस्थान सहित अनेकों प्रदेशों से किसान ट्रैक्टर तथा वाहनों में पहुंचे रहे हैं। इसी के साथ जिले के अनेकों गांवों के किसान तथा महिलाएं जत्थों में पहुंचे रहे हैं। वीरवार को गांव गिगोरानी, लुदेसर, कुम्हरियां, गदली सहित अनेक गांवों के किसान पहुंचे। डीजे की धुन पर नाचते हुए किसानों ने नारेबाजी कर रोष व्यक्त किया। टंकी पर चढ़े किसान भरत सिंह ने बताया कि अभी तक टंकी पर चढ़े हुए नौ दिन हो गये हैं। अधिकारी आते हैं, चले जाते हैं, मगर यह कोई बताने के लिए तैयार नहीं कि आखिर बीमा क्लेम क्यों नहीं मिल रहा। अब तो पानी की टंकी पर चक्कर आ रहे हैं। टंकी पर रात्रि के समय काफी तकलीफ झेलनी पडती है। रात्रि के समय नींद नहीं आ रही है। यहां पर कबूतरों की बीठ से बदूब आ रही है। वहीं जगह नहीं होने पर अच्छे से सो नही पा रहे हैं। उधर, संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य प्रहलाद सिंह भारूखेड़ा ने गांव नारायण खेड़ा में किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार किसान विरोधी काम कर रही है। हरियाणा सरकार बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। बीमा क्लेम पर कंपनी द्वारा ऑब्जेक्शन लगाया गया है कि कृषि विभाग द्वारा बनाई गई बीमा क्लेम की रिपोर्ट गलत है, जबकि कृषि विभाग सरकारी विभाग है। सरकार द्वारा प्राइवेट कंपनी चिह्नित की है, जबकि सरकार की खुद की बीमा कम्पनी उसके बावजूद प्राइवेट कम्पनी से फसल बीमा करवाया जाता है, क्योंकि फसल बीमा में बहुत बड़ा मुनाफा होता है, इसलिए सरकार में बैठे लोग कंपनियों के साथ सांठ गांठ करके कंपनियों से बीमा करवाने के बदले मोटा पैसा वसूल करते हैं।

प्रादेशिकी

फूलन देवी थीं महिला सशक्तिकरण की प्रतीक: अखिलेश

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी जी की जयंती पर आज उनको नमन करते हुए कहा कि वह महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थी। आजीवन उन्होंने अन्याय और अत्याचार का प्रतिकार किया था। श्री यादव ने कहा कि फूलन देवी वर्चस्ववादी सोच को चुनौती देने वाली क्रांतिकारी नायिका और नारी अस्मिता की प्रतीक थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने फूलन देवी जी को संसद में भेजकर सामाजिक न्याय किया था।

लखनऊ से वाराणसी के बीच पहली विमान सेवा को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ, 10 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ से वाराणसी के लिए पहली उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। इंडिगो एयरलाइन्स की ओर से शुरू की गई इस सेवा से मात्र 55 मिनट में वाराणसी और लखनऊ के बीच के सफर को पूरा किया जा सकेगा। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की राजधानी को देश की आध्यात्मिक राजधानी से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है, आज इसकी बहुत आवश्यकता थी। ये सेवा प्रधानमंत्री के उड़ान योजना के उस संकल्प को पूरा करगी जिसमें उन्होंने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला आम आदमी भी हवाई यात्रा कर सके। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय और इंडिगो एयरलाइन्स को प्रदेश की जनता की ओर से धन्यवाद देते हुए कहा कि वाराणसी के उद्यमियों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध समाज और विश्वनाथ धाम में दर्शन करने वालों की मांग आज पूरी हो रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में वाराणसी ने आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और भौतिक विकास के क्षेत्र में नये

■ **प्रधानमंत्री के उड़ान योजना के संकल्पों को पूरा करेगी ये वायुसेवा: योगी**

कीर्तिमान स्थापित किये हैं। उन्हें देखते हुए वाराणसी का लखनऊ से जुड़ना बहुत जरूरी था। वाराणसी एयरपोर्ट पर 2016-17 में एक वर्ष में केवल 19 लाख पैसेंजर होते थे, मगर आज 2022-23 में यह संख्या बढ़कर 25 लाख से अधिक हो गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पिछले 6 साल में वायुसेवा का तीव्र गति से विस्तार हुआ है। यूपी में 2017 में पहले केवल दो क्रियाशील एयरपोर्ट वाराणसी और लखनऊ थे। वर्तमान में प्रदेश में 9 एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हो चुके हैं। इसी प्रकार एशिया के सबसे बड़ जेवर एयरपोर्ट के पहले रनवे को भी इस वर्ष के अंत तक तैयार कर लिया जाएगा।

अभी हफ्ते में तीन दिन मिलेगी उड़ान की सेवा

लखनऊ से वाराणसी की इंडिगो उड़ान सेवा को फिलहाल हफ्ते में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार के लिए शुरू किया गया है। लखनऊ से वाराणसी के लिए इंडिगा फ्लाइट संख्या सीई-7319 दोपहर 2.20 बजे चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरेगी जो 1 घंटे 10 मिनट की यात्रा के बाद 3.30 पर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेगी।

अमृत काल में जगमगाया गोंडा का वनटांगिया गांव

लखनऊ/ गोण्डा। प्रदेश के पिछड़े और अति पिछड़े समाज को पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुहिम को बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। देश की आजादी के अमृत काल में अब गोण्डा के जंगलों में बसने वाले वनटांगिया समुदाय का जीवन भी रोशन हो उठा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप गोण्डा जिला प्रशासन की पहल पर रामगढ़ वनटांगिया गांव तक बिजली पहुंच पाई है। आजादी के करीब 75 वर्षों बाद अब उनके गांव की ओर जाने वाले रास्ते भी दूधिया रोशनी से जगमगा उठे हैं। गोण्डा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा वन विभाग अप्रोच सड़क से रामगढ़ वनटांगिया गांव तक के मार्ग को रोशन किया गया। गोण्डा की हरदवा ग्राम पंचायत में रामगढ़ वनटांगिया गांव है। आजादी के करीब 75 वर्ष बाद भी यह गांव विकास की मुख्यधारा से कटा हुआ था। समाज के पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों का विकास योगी सरकार की प्राथमिकता रही है। सीएम की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बीती 12 जून को जनपद की कमान संभालने के साथ ही वनटांगिया समुदाय को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कवायद शुरू कर दी।

■ **गोण्डा के रामगढ़ वनटांगिया गांव तक पहुंची बिजली, आजादी के 75 वर्षों बाद पहली बार रोशन हुआ अंधेरे में डूबा गांव**

9.87 लाख बच्चों, किशोरों-किशोरियों को खिलाई पेट के कीड़े निकालने की दवा

मेरठ, 10 अगस्त (देशबन्धु)। कृमि मुक्ति दिवस पर बृहस्पतिवार को जनपद में स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों व किशोर- किशोरियों को पेट से कीड़े निकालने की दवा एल्बेंडाजोल खिलाई गई। अभियान की शुरुआत बीडीएस इंटरनेशनल स्कूल से हुई। छात्र छात्राओं को चिकित्सकों की मौजूदगी में दवा खिलाई गयी। पहले रांउड में कुल 9.87 लाख बच्चों- किशोर व किशोरियों को दवा खिलाई गयी। 17 अगस्त को मॉप अप राउंड चलाया जाएगा, जिसमें बृहस्पतिवार को दवा खाने से छूटे बच्चों-किशोर-किशोरियों को कवर किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अखिलेश मोहन ने कहा -सरकार का प्रयास है कि बच्चों- किशोर व किशोरियों का स्वास्थ्य बेहतर रहे। इसी को देखते हुए कृमि मुक्ति कार्यक्रम चलाया जाता है। उन्होंने बताया- दवा खाने से पेट के कीड़े निकल जाते हैं। जनपद में स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों पर करीब 17.93 लाख बच्चों-किशोरों को एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आर के सिरोहा ने बताया कि पहले राउंड में आंगनबाड़ी व स्कूलों में 9.87 लाख बच्चों को एल्बेंडाजोल गोली खिलाई गयी। बाकी बचे हुए बच्चों-किशोर व किशोरियों को 17 अगस्त को गोली खिलाई जाएगी। जिला समुदाय प्रक्रिया प्रबंधक हरपाल सिंह ने बताया -एक से दो वर्ष तक के बच्चों को आधी गोली पानी से खिलाई गयी। जबकि दो से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर-किशोरियों को एक गोली खिलाई गयी।

■ **बीडीएस इंटरनेशनल स्कूल से हुई अभियान की शुरुआत**

■ **दवा खाने से छूटे बच्चों को 17 अगस्त को मॉप अप राउंड में किया जाएगा कवर**

सार संक्षेप

दिल्ली पहुंच पुरानी पेंशन बहाली की मांग उठाई

मवाना। दिल्ली रामलीला मैदान में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर धरना प्रदर्शन में मवाना क्षेत्र से पहुंचे शिक्षक नेता प्रांतीय उपाध्यक्ष चौधरी नरेश पाल सिंह एवं मंडलीय मंत्री प्रधानाचार्य रतिराम मावी दोनों के संयुक्त नेतृत्व में जन समूह को लेकर धरना में शामिल हुए। जहां पर रामलीला मैदान में उपस्थित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक चेतनारायण सिंह, महामंत्री पूर्व विधायक रामबाबू शास्त्री, प्रांतीय मंत्री सुलेखा जैन, स्वराज पाल, कोमवीर तोमर, ज्ञानेंद्र तोमर, सीपी सिंह, योगेश चौहान, राजवीर सिंह, शिवशंकर राम, अरविंद श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, मोहम्मद नासिर, रोहित शर्मा, चेतन शर्मा, ललित कुमार, अरविंद कुमार, प्रवीण कुमार एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं अन्य कहीं संगठनों के पदाधिकारी पुरानी पेंशन बहाली के लिए धरना प्रदर्शन में उपस्थित रहे। अपनी मांग के समर्थन में मंच से अपनी बात रखी। पुरानी पेंशन बहाल किए जाने के लिए पुरजोर मांग की।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित

फर्रुखाबाद। ग्राम पंचायत ताजपुर विकास खण्ड कमालगंज में अगस्त 2023 को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत शिला फलकम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम में शहीद सुरेन्द्र सिंह जी की पत्नी को माला पहना कर एवं साल उड़ाकर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत विद्यालय की बेटियों द्वारा संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान का आयोजन कर किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारीए परियोजना निदेशक जिला ग्राम विकास अभिकरण, उपायुक्त श्रम रोजगार, जिला प्रोवेशन अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी कमालगंज, ग्राम सचिवए ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

जिले के मुखिया ने दवा खाकर फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का किया शुभारंभ

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी संजय सिंहए पुलिस अधीक्षक विकास कुमार, सीएमओ डॉ अवनींद्र कुमार, सीडीओ अरविंद मिश्र ने गुरुवार को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर फाइलेरिया उन्मूलन, मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों को भी स्वास्थ्य कर्मियों के सामने ही फाइलेरिया से सुरक्षित रखने की दवाएं खिलवायीं। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सब जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया कि जनपद में अब तक 1013 फाइलेरिया और 482 हाइड्रोसील रोगियों को चिन्हित किया गया है। इस कार्यक्रम में जनपद में 22.03 लाख लक्षित लाभार्थियों को 3658 स्वास्थ्यकर्मियों के माध्यम से बूथ एवं घर-घर जाकर दवाओं का सेवन करवाया जाएगा। दवाओं का वितरण बिलकुल भी नहीं किया जायेगा। इन दवाओं का सेवन खाली पेट नहीं करना है। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवाएं नहीं खिलाई जाएंगी।

मेरी माटी, मेरा देश के अन्तर्गत कार्यक्रम अयोजित

■ **वंदे मातरम के जयकारों से गूंजा विनायक विद्यापीठ का प्रांगण**

मेरठ, 10 अगस्त (देशबन्धु)। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत आज विनायक विद्यापीठ, मोदीपुरम में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान के विधार्थी अपने अपने गांव से मिट्टी लेकर संस्थान पहुचे तथा उस मिट्टी से पौधारोपण किया। जिसकी शुरुआत संस्थान की प्राचार्या डॉ अनुप्रीता शर्मा एवं निदेशक इंजि. विकास कुमार ने पौधा रोपण कर की। इस दौरान शहीदों को नमन किया गयाए भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के जयकारों से विनायक विद्यापीठ का प्रांगण गूंज उठा। संस्थान के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पंचतत्व की शपथ ग्रहण की तथा शहीदों को नमन किया गया। संस्थान की प्राचार्या डॉ अनुप्रिता शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति को बनाए रखने के लिए भारत सरकार का मेरी माटी मेरा देश अभियान गौरव की बात हैए वही निदेशक इंजि. विकास कुमार ने कहा कि भारत ऐसे वीरों का परिवार हैए जिनके सपूतों ने देश की आनए बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दीए उन्होंने कहा कि हमे उनको कभी नही भूलना चाहिए। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी शिक्षकगण एवं विधार्थीगण उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को बनाया जाएगा 'सोलर एक्सप्रेस-वे'

लखनऊ, 10 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के साथ ही औद्योगिक गलियाओं और विशेषतौर पर हाइवे के रख-रखाव व सुविधाओं में वृद्धि के लिए प्रयासरत योगी सरकार अब नवीकरणीय ऊर्जा के तौर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल करने जा रही है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाले हाइवे के निर्माण और रख-रखाव के साथ ही इसे नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ते हुए एक खास इनोवेशन करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर ऊर्जा से लैस करने की अनूठी पहल को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल, यूपीडा द्वारा एक 'एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट' का लेटर जारी किया गया है। इसके अनुसार, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सोलर एक्सप्रेस-वे में परिवर्तित करने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है और पूरी योजना को पीपीपी मॉडल के अंतर्गत वृहद स्तर पर सोलर पैनल इंप्लांटेशन के जरिए मूर्त रूप दिया जाएगा। यूपीडा द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 296 किमी लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर ऊर्जा चालित एक्सप्रेस-वे के तौर पर विकसित करने की कार्ययोजना पर चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के निर्देश पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी के फलस्वरूप यूपीडा द्वारा एक 'एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट' का लेटर जारी कर इच्छुक आवेदनकर्ताओं के आवेदन मांगे गए हैं। इसके अंतर्गत, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर एक्सप्रेस-वे के तौर पर विकसित करने व सोलर पैनल्स को इंपैनल करने के लिए निजी कंपनियों से आवेदन व सुझाव मांगे हैं। इसके लिए यूपीडा द्वारा 17 अगस्त दोपहर 3 बजे तक upei-daw@gmail.com पर इच्छुक आवेदनकर्ता अप्लाई कर सकते हैं। इन प्राप्त आवेदनों में से चयनित आवेदनकर्ता को फिर आगे प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया जाएगा जिसके फाइनल होने पर सोलर पैनल लगाए जाने की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी जाएगी।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के सबसे आधुनिक और सुविधा संपन्न एक्सप्रेस-वे में शुमार है। ऐसे में, इसे सौर ऊर्जा से चालित कर एक नई दिशा देने की विस्तृत कार्य योजना पर काम हो रहा है।

■ **चार लेन वाले 296 किमी लंबे एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ सोलर पैनल्स लगाने की शुरू हुई तैयारी, पीपीपी मॉडल के जरिए परियोजना को दिया जाएगा मूर्त रूप**

■ **हाइवे के मेन कैरियज वे और सर्विस लेन के बीच खाली पड़े 15 से 20 मीटर चौड़ाई वाले क्षेत्र को सोलर पैनल्स लगाकर सौर ऊर्जा से लैस किए जाने की है योजना**

दो दिवसीय योगा प्रतियोगिता का हुआ समापन

मेरठ, 10 अगस्त (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचन्द शारीरिक शिक्षा विभाग एवं जिला योगासना स्पोर्टस ऐसोसिऐशन मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में द्वितीय जिला दो दिवसीय योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में मेरठ जिले के विभिन्न स्कूलों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर सुभारती विश्विद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ शल्या राज ने सभी प्रतिभागियों के आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हमे खेल में प्रतिभाग करते समय अपनी हार जीत की चिंता किये बिना पूरे मन से खेलना चाहिये और देशभक्ति की भावना के साथ खेलना चाहिये।

तकनीकी अधिकारी के रूप में जयवीर सिंह, मुक्ता सिशोदिया, शिल्पी पंवार रहे। प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ0 मन्जु अधिकारी एसोसिएट प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा विभाग ने बताया कि सभी वर्गों में विजेता खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिये चयनित किये गये। डॉ0 मन्जु अधिकारी ने सभी अतिथि, शिक्षकों एवं अन्य गणो को धन्यवाद ज्ञापित किया। संकायाध्यक्ष शिक्षा संकाय एवं जिला योगासना स्पोर्टस ऐसोसिऐशन अध्यक्ष डॉ0 सन्दीप चौधरी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन होता है। उन्होंने कहा कि योग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है और इसी उद्देश्य से सुभारती विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष शिक्षा संकाय एवं जिला योगासना स्पोर्टस ऐसोसिऐशन अध्यक्ष डॉ0 सन्दीप चौधरी, ऋषिपाल सिंह प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश योगासना स्पोर्टस एसोसिऐशन, डॉ0 दीपक राघव, डॉ अतुल तिवारी, अभिषेक प्रधान, कपिल शाक्या, भारतेन्दु सिंह चौहान, अंकित सिंह जादौन, निखिल सोरांग, दुर्गेश गौतम, सोनिया राणा,शिवानी, अनु राठी, सन्धया चौधरी आदि उपस्थित रहे।

2268 छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा रैली, शहर हुआ जाम

मवाना, 10 अगस्त (देशबन्धु)। ए एस इंटर कॉलेज मवाना में मेरी माटी मेरा देश मिट्टी को नमन वीरों को वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत हस्तिनापुर रेंज मेरठ वन विभाग पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को तिरंगा यात्रा का निकाली गई। उप जिलाधिकारी मवाना अखिलेश यादव, मवाना नगर पालिका के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक, प्रबंध समिति के प्रबंधक पवन कुमार रस्तोगी, वन संरक्षण अधिकारी डॉ. सलोनी मलिक, क्षेत्रीय वन अधिकारी रविकांत चौधरी, प्रधानाचार्य डॉ. मेघराज सिंह ने हरी झंडी दिखाकर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। तिरंगा यात्रा में 2268 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जो ए एस इंटर कॉलेज मवाना से मवाना नगर से होते हुए तहसील के मुख्य द्वार तक भारत मां की जय जयकार करते हुए एक उत्साह के साथ मवाना नगर के लोगों को जागरूक किया। उप जिलाधिकारी अखिलेश यादव तथा वन संरक्षण अधिकारी डॉ सलोनी मलिक ने छात्र छात्राओं को कार्यक्रम के समापन पर पौधे वितरित किए। साथ ही उपजिलाधिकारी ने कहा कि पौधों का पालन पोषण भी आपका दायित्व है। डॉ सलोनी मलिक ने कहा कि पौधों को लगाते समय जिस पॉली पैक में पैक हैं उसे आवश्यक रूप से अलग कर दें तथा जो छात्र छात्राएं अपने पौधे को सुरक्षित रखेंगे। कोऑर्डिनेटर कृष्ण चंद, अर्चना तिवारी, अंजू सिंह, हाउस इंचार्ज नृपेंद्र कुमार भटनागर, संजय कुमार निमेष, छाया गर्ग, नविता सैनी, अनुरागिनी देवी, कुसुम लता, अंजनी अग्रवाल, विभा जैन, सोनिया के अलावा कोतवाली प्रभारी कुलदीप सिरोही, चौकी इंचार्ज विकास शर्मा के द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। इनके अलावा देहात क्षेत्र में गांव तिगरी के प्राइमरी स्कूल में शिक्षक अतुल मित्तल व विनय चौधरी, मुबारिकपुर प्राइमरी स्कूल के संदीप कुमार व बबीता त्यागी और भैंसा प्राइमरी स्कूल में कमला के नेतृत्व में बच्चों ने रैली निकाली और नारे लगाये।

■ **देहात में प्राइमरी स्कूलों में निकाली गई तिरंगा रैली**

भू-माफिया एवं खनन माफिया पर करें सख्त कार्रवाई : आयुक्त

मेरठ, 10 अगस्त (देशबन्धु)। आयुक्त सभागार में आयुक्त सेल्वा कुमारी जे0 व आईजी नचिकेता झा द्वारा समस्त जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षको के साथ कानून एवं शांति व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी। कानून एवं शांति व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक में आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि किसी भी प्रकार का माफिया चाहे वह भू-माफिया हो या खनन माफिया समस्त जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि इस प्रकार के प्रकरण पर प्रभावी एवं लगातार कार्यवाही चलती रहे। सरकारी जमीन पर काबिज लोगो का चिन्हांकन कर उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाये।

आईजी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत सभी पुलिस अधिकारियो को सतर्क रहने की आवश्यकता है। तिरंगा यात्रा निकालने वाले आयोजकों के संपर्क में रहे। सोशल मीडिया पर यदि कोई अफवाह फैलती है तो उसका खंडन कर आवश्यक कार्यवाही करें। जनपद की सीमाओ, मिश्रित आबादी व संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाये तथा छोटी से छोटी घटना पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होने आईजीआरएस के तहत आने वाली शिकायतों का शीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने के निर्देश दिये। थाना दिवस, तहसील दिवस पर आने वाले विवादों का शीघ्र निस्तारण कराया जाये ताकि कोई अप्रिय घटना न होने पाये। जाम से निजात पाने हेतु उन्होने संबंधित अधिकारी को अवैध टैक्सी व बस स्टैण्ड पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने गुंडा एक्ट, गैंगस्टर अधिनियम, हत्या, लूट, डकैती, महिलाओ के विरूद्ध अपराध यथा-अपहरण, पॉक्सो एक्ट, अनुसूचित जाति जनजाति के विरूद्ध अपराध आदि की मंडलीय समीक्षा की।

■ **आयुक्त व आईजी की अध्यक्षता में संपन्न हुई कानून एवं शांति व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक**

■ **जनपद की सीमाओ, मिश्रित आबादी व संवेदनशील स्थानो पर बरती जाए विशेष सतर्कता: आईजी**

आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण: आयुक्त

आयुक्त सभागार में आयुक्त सेल्वा कुमारी जे0 की अध्यक्षता में गत बैठक से वर्तमान तक जारी शासनादेश तथा उनकी प्रगति पर चर्चा, 37 विकास प्राथमिकता कार्यक्रम एवं रू0 50 लाख से अधिक की लागत की परियोजनाओ, मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणाओ की मंडलीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में शासनादेश एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रम तथा रू0 50 लाख से अधिक की लागत की परियोजनाओ की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये आयुक्त ने कहा कि समस्त मंडलीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी विभागीय निर्माणाधीन योजना एवं लाभार्थीपरक जनकल्याणकारी योजनाओ में और अधिक प्रगति लाये जाने हेतु प्लानिंग के तहत कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। आयुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आयुष्मान भारत के तहत गोल्डन कार्ड, परिवार नियोजन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, एफआरयू पर प्रसव की स्थिति, दवाओ की उपलब्धता, टीकाकरण, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (वित्तीय प्रगति) आदि कार्यों की समीक्षा करते हुये योजनाओ में और सुधार लाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने अधूरे निर्माण कार्यों यथा- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उपकेन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ड्रग्स वेयर हाऊस आदि कार्यों की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त कर निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में यूनिसेफ के अधिकारियो द्वारा मंडल में ई-कवच पोर्टल, मंत्रा (मां नवजात ट्रैकिंग ऐप), कुपोषित व अतिकुपोषित बच्चे, पोषण पुनर्वास केन्द्र आदि की स्थिति के बारे में आयुक्त महोदया को अवगत कराया गया।

ई-श्रम कार्ड धारक प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजनान्तर्गत नामांकन/पंजीयन कराकर प्राप्त करें पेंशन योजना का लाभ

उप श्रम आयुक्त, मेरठ क्षेत्र, मेरठ राजीव कुमार सिंह ने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा असंगठित कर्मकारों का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने हेतु ई-श्रम पोर्टल (www.eshram.gov.in) विकसित किया गया है, जिसमें जनपद मेरठ में 11,39,511 कामगारों द्वारा अपना पंजीयन कराया गया है। ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के कामगारों हेतु एक राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करना है। साथ ही विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं व अन्य योजनाओं का एकीकरण कर पंजीकृत कामगारों को हितलाभ प्रदान कराया जाना है। इसी क्रम में असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों हेतु प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (PM-Sym) पेंशन योजना के रूप में संचालित की जा रही है, जिसमें 18 से 40 आयु वर्ग के ऐसे कामगार जोकि असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हो और जिनकी मासिक आय 15000/- रूपए से अधिक न हो अपने नजदीकी जन सेवा केन्द्र (सी0एस0सी0) के माध्यम से पेंशन योजना के अन्तर्गत जुड़ सकते है। इस हेतु बैंक खाता संख्या/जनधन खाता संख्या एवं आधार नम्बर आदि जैसे अभिलेख आवश्यक है। ऐसे में जो भी कर्मकार पहले से किसी पेंशन योजना का लाभ प्राप्त न कर रहा हो वह इस योजना में सम्मिलित होकर 60 वर्ष की आयु के उपरान्त प्रतिमाह धनराशि रू0 3000/- की मासिक पेंशन प्राप्त कर सकता है। नामांकन के उपरान्त सम्बन्धित कर्मकार को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का कार्ड प्राप्त होगा, जोकि 60 वर्ष की आयु के उपरान्त उनके व परिवार हेतु पेंशन प्राप्त करने का एक आधार भी होगा।

मिस्टर इंडिया और नो एंट्री का सीक्वल जरूर बनाएंगे बोनी कपूर

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार बोनी कपूर का कहना है कि वह अपनी सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया और नो एंट्री का सीक्वल जरूर बनाएंगे। बोनी कपूर ने वर्ष 1987 में अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीश पुरी को लेकर सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया बनायी थी। शेखर कपूर के निर्देशन में बनी मिस्टर इंडिया सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं बोनी कपूर ने वर्ष 2005 में अनिल कपूर, सलमान खान और फरदीन खान जैसे सितरों के साथ नो इंट्री बनायी। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी नो इंट्री सुपरहिट हुई। काफी समय से फिल्म मिस्टर इंडिया और नो एंट्री जैसी फिल्म का सीक्वल बनने की चर्चा हो रही है लेकिन बात नहीं बन सकी है। बोनी कपूर का कहना है कि वह मिस्टर इंडिया और नो एंट्री का सीक्वल जरूर बनाएंगे।

'महिला प्रधान एक्शन फिल्में नहीं चलती', इस विचारधारा को तोड़ेंगी आलिया भट्ट

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट 'हार्ट ऑफ स्टोन' के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां वह गैल गैडोट अभिनीत फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में आलिया जासूसी और साइबर वॉरफेयर को एक्सप्लोर करने वाली हाई-ऑक्टेन थ्रिलर में चैलेंजिंग रोल निभाती नजर आएंगी, वह केया धवन की भूमिका में है। दुनिया के सबसे टेलेंटेड और खतरनाक हैकरों में से एक केया धवन के उनके किरदार से ग्लोबल ऑडियंस को आकर्षित करने और इंटरनेशनल टैलेंट के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद है।

'हार्ट ऑफ स्टोन' में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, आलिया ने साझा किया - 'अमेजिंग बात यह है कि दुनियाभर में नैरेटिव कैसे बदल रहे हैं। मैंने इसका एक्सपीरियंस भारत में भी किया है, जहां मैंने 'गंगूबाई' नामक फिल्म में काम किया था, जिसने दुनिया भर के सिनेमाघरों और नेटफ्लिक्स पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और यह एक ऐसी फिल्म थी जो सुर्खियों में आई थी।' हम एक निश्चित विचारधारा से आते हैं कि एक एक्शन फ्रेंचाइजी में वुमन लीड फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि लेकिन मुझे लगता है कि गैल ने वंडर वुमन करके उस मिथक को तोड़ दिया। लोगों ने वुमन लीड जासूसी थ्रिलर एक्शन फ्रेंचाइजी नहीं देखी है, इसलिए मैं अपने दम पर कुछ शुरू करना चाहती थी। मुझे यह आइडिया पसंद है। यह बहुत अनोखा और प्रासंगिक है।

शोधकर्ताओं ने कोरोना वायरस को लेकर खुलासा

संक्रमण से शरीर के कई अंग हो सकते हैं खराब

- मानव मरीजों के ऊतक के नमूनों में देखने में मदद
- माइटोकॉन्ड्रिया उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार जीन हमारी कोशिकाओं के केंद्रक में फैले हुए

सैन फ्रांसिस्को, 10 अगस्त (एजेंसियां)। शोधकर्ताओं की एक टीम ने पाया कि मानव शरीर की कोशिकाओं के ऊर्जा उत्पादक माइटोकॉन्ड्रिया के जीन पर कोरोना वायरस नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इससे फेफड़ों के अलावा कई अंग खराब हो सकते हैं।

माइटोकॉन्ड्रिया मानव शरीर की प्रत्येक कोशिका में पाई जाती है। साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, माइटोकॉन्ड्रिया उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार जीन हमारी कोशिकाओं के केंद्रक में स्थित परमाणु (न्यूक्लियर) डीएनए और प्रत्येक माइटोकॉन्ड्रियन के भीतर स्थित माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (एमटीडीएनए) दोनों में फैले हुए हैं।

एसएआरएस-सीओवी-2 माइटोकॉन्ड्रिया को कैसे प्रभावित करता है, इसे समझने के लिए कि शोधकर्ताओं ने प्रभावित मरीजों, पशु मॉडलों से नासॉफिरिन्जियल और ऑटोप्सी ऊतकों के संयोजन का विश्लेषण किया।अध्ययन के पहले लेखक जोसेफ ग्वारनेरी ने कहा कि मानव मरीजों के ऊतक के नमूनों ने हमें यह देखने में मदद दी कि रोग की शुरुआत और अंत में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति कैसे प्रभावित हुई। जबकि, पशु मॉडल ने हमें रिक्त स्थान भरने और समय के साथ जीन अभिव्यक्ति के अंतर की प्रगति को देखने में मदद मिली। अध्ययन में पाया गया कि शव परीक्षण ऊतक में, फेफड़ों में माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति ठीक हो गई थी, लेकिन माइटोकॉन्ड्रियल कार्य हृदय के साथ-साथ गुर्दे और यकृत में भी दबा रहा। हालांकि जब शोधकर्ताओं ने जानवरों के मॉडल का अध्ययन किया और उस समय को मापा जब फेफड़ों में वायरल लोड अपने चरम पर था तो मस्तिष्क में कोई एसएआरएस-सीओवी-2 नहीं पाया गया, वहीं माइटोकॉन्ड्रियल जीन अभिव्यक्ति सेरिबैलम में दब गई थी।

इन निष्कर्षों से पता चला कि मेजबान कोशिकाएं प्रारंभिक संक्रमण पर इस तरह से प्रतिक्रिया करती हैं, जिसमें फेफड़े शामिल होते हैं, लेकिन फेफड़ों में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य समय के साथ बहाल हो जाता है जबकि अन्य अंगों, विशेष रूप से हृदय में माइटोकॉन्ड्रियल कार्य ख़राब रहता है। सह-वरिष्ठ लेखक डगलस सी वालेस ने कहा कि यह अध्ययन हमें इस बात के पुख्ता सबूत देता है कि हमें कोविड-19 को ऊपरी श्वसन रोग के रूप में देखना बंद करना होगा और इसे एक प्रणालीगत विकार के रूप में देखना शुरू करना होगा जोकि कई अंगों खराब करता है।

'विटामिन के' की कमी वाले लोगों के फेफड़े खराब होने की संभावना अधिक

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जिन लोगों के ब्लड में 'विटामिन के' का स्तर कम होता है उनके फेफड़े खराब होने की संभावना अधिक होती है। इसकी कमी वाले लोग अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और घरघराहट से पीड़ित होते हैं। गुरुवार को प्रकाशित हुए एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। 'विटामिन के' पत्तेदार हरी सब्जियों, वनस्पति तेलों और अनाजों में पाया जाता है। यह रक्त (ब्लड) के थक्के जमने में भूमिका निभाता है, और इसलिए शरीर को घावों को ठीक करने में मदद करता है। लेकिन, शोधकर्ताओं को फेफड़ों के स्वास्थ्य में इसकी भूमिका के बारे में बहुत कम पता है। ईआरजे ओपन रिसर्च जर्नल में प्रकाशित नए परिणाम, विटामिन के सेवन पर वर्तमान सलाह में कोई बदलाव नहीं करते हैं। शोधकर्ता डॉ. टोर्किल जेस्पर्सन ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, बड़ी सामान्य आबादी में 'विटामिन के' और फेफड़ों की कार्यप्रणाली पर यह पहला अध्ययन है। हमारे परिणाम बताते हैं कि 'विटामिन के' हमारे फेफड़ों को स्वस्थ रखने में भूमिका निभा सकता है। यह अध्ययन कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल और कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी में डेनिश शोधकर्ताओं की एक टीम ने किया था। इसमें कोपेनहेगन में रहने वाले 24 से 77 वर्ष की आयु के 4,092 लोगों का एक समूह शामिल हुआ था।

बेटे ने अपने पिता को दिया जीवनदान, लीवर का एक हिस्सा किया डोनेट

लखनऊ, 10 अगस्त (आईएएनएस)। एक बेटे ने अपने पिता को जीवनदान देते हुए उन्हें अपने लीवर का एक हिस्सा दान में दिया। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। इस लीवर ट्रांसप्लांट का पूरा खर्च सरकार ने उठाया।

13 जुलाई को डॉक्टरों ने लीवर ट्रांसप्लांट का सफल ऑपरेशन किया। मरीज को ऑपरेशन के बाद बुधवार को छुट्टी दे दी गई। ऑपरेशन के लिए परिवार को सरकार से भी पूरा समर्थन मिला। इस प्रत्यारोपण से जुड़े खर्चों को मुख्यमंत्री राहत कोष से जारी किया गया था।

डॉक्टरों के अनुसार इंदिरा नगर निवासी एक दुकानदार रवि केशरवानी (47) लीवर सिरोसिस से पीड़ित थे। बेटे सुकेश केशरवानी ने अपने लीवर का एक हिस्सा पिता को देकर उनका जीवन बचाया।

यह ट्रांसप्लांट प्रक्रिया 10 घंटे तक चली। इसमें डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ सहित 40 से अधिक सदस्यों की एक टीम ने काम किया।

सर्जरी करने वाले केजीएमयू में सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अभिजीत चंद्रा ने कहा कि भारत में हर साल लगभग 2,000 लीवर प्रत्यारोपण किए जाते हैं, यह ज्यादातर निजी अस्पतालों में किए जाते है, जिनमें 30 से 40 लाख रुपए तक का खर्चा आता है।

हालांकि, राज्य सरकार का संस्थान होने के कारण केजीएमयू ने इसे घटाकर 10 लाख रुपये कर दिया है। केजीएमयू राज्य में लीवर प्रत्यारोपण और अंग दान में सबसे आगे है। यह सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है। अंग दान के लिए राज्य का पहला ग्रीन कॉरिडोर तब बनाया गया जब 28 अगस्त 2015 को एक लीवर ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली ले जाया गया। दिल्ली में 22 लीवर ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं।

इसके अलावा, एसजीपीजीआईएमएस और केजीएमयू ने 48 किडनी और 50 से अधिक कॉर्निया का ट्रांसप्लांट किया है। केजीएमयू में पहला लीवर प्रत्यारोपण 2019 में किया गया था। तब से कुल 25 लीवर प्रत्यारोपण किए गए हैं। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केजीएमयू के सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के कर्मचारियों को 25वें सफल लीवर ट्रांसप्लांट पर बधाई दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई कि सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग ने 13 जुलाई 2023 को 25वां लीवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया, जो लीवर ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व मील का पत्थर है। उन्होंने केजीएमयू की सराहना करते हुए स्वीकार किया कि विश्वविद्यालय चिकित्सा जगत में विशेष स्थान रखता है।

भव्य शिव दरबार में 55 दिवसीय महाशिवपुराण आज से

नई दिल्ली 10 अगस्त (एजेंसियां)। श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठाधिपति राष्ट्रीय संत सर्वधर्म दिवाकर डॉ. श्री वसंत विजय जी महाराज साहब के पावन सानिध्य में 11 अगस्त से 5 अक्टूबर 2023 तक 55 दिवसीय शिव महापुराण, यज्ञ, अखंड रुद्राभिषेक महा उत्सव की संपूर्ण तैयारी हो गई है ।55 दिवसीय महाउत्सव के दौरान एक करोड़ 11 लाख पार्थिव शिवलिंग स्थापना और पूजा का भी आयोजन किया जाएगा । मार्कंडेय हाल छतरपुर मंदिर में आयोजित होने वाले विशाल महा उत्सव में भक्तों के लिए प्रतिदिन विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है। 55 दिवसीय शिव महा अनुष्ठान के दौरान सुबह 9 बजे से 12 तक मंगलदायक विशेष साधना आराधना दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक सुखप्रदायक शिवपुराण कथा शाम 5 बजे से 8 बजे तक लाखों दैविक मंत्रों के साथ कल्याणकारी महायज्ञ और रात्रि 8 बजे से भजन संध्या में भजनों की सरस धारा प्रवाहित होगी। छतरपुर मार्कंडेय हाल में सजे दिव्य शिव दरबार में संत श्री वसंत विजय महाराज जी के श्रीमुख से अनन्य शिव भक्तों की भक्ति गाथा का श्रवण आपके जीवन को धन्य कर देगा। ऐसा ऐतिहासिक दिव्य मौका आपके जीवन में दोबारा देखने सुनने को नहीं मिलेगा।

क्रिकेट बंद होने से डिज्नी प्लस हॉटस्टार के 12.5 मिलियन सब्सक्राइबर्स घटे

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के 1 जुलाई को समाप्त हुए तीसरी तिमाही में लगभग 12.5 मिलियन सब्सक्राइबर्स कम हो गए हैं। अब इस प्लेटफॉर्म पर क्रिकेट कंटेंट नहीं है।

अप्रैल-जून लगातार तीसरी तिमाही है जिसमें डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने बड़ी संख्या में सब्सक्राइबर्स खोए हैं। तिमाही के लिए अंतरराष्ट्रीय चैनलों का राजस्व 20 प्रतिशत कम होकर 1.2 बिलियन डॉलर हो गया, और परिचालन परिणाम 166 मिलियन डॉलर की आय से घटकर 87 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। कंपनी ने बुधवार देर रात अपनी कमाई रिपोर्ट में कहा कि विज्ञापन राजस्व में कमी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट प्रोग्रामिंग के कारण कम दरों के कारण हुई। जून के अंत में डिज्नी प्लस हॉटस्टार के 40.4 मिलियन सब्सक्राइबर्स थे, जो पिछले साल अक्टूबर से लगभग 21 मिलियन कम हैं। वास्तव में हम दुनिया भर के कई बाजारों को प्राथमिकता दे रहे हैं जो इसे एक लाभदायक व्यवसाय में बदलने में हमारी मदद करेंगे। मूल रूप से इसका मतलब यह है कि कुछ बाजार ऐसे हैं जहां हम स्थानीय प्रोग्रामिंग में कम निवेश करेंगे, लेकिन फिर भी सर्विस बनाए रखेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि सभी बाजार एक जैसे नहीं हैं। और मुनाफे को लेकर हमारा मानना है कि हम ऐसा करने जा रहे हैं, उनमें से एक तरीका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकताएं बनाना है। कुल मिलाकर, वॉल्ट डिज्नी कंपनी ने बताया कि तिमाही और नौ महीनों के लिए राजस्व में क्रमशः 4 प्रतिशत और 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वॉल्ट डिज्नी कंपनी के सीईओ रॉबर्ट ए इगर ने कहा कि इस तिमाही के हमारे नतीजे इस बात को बताते हैं कि हमने कंपनी के पुनर्गठन, दक्षता में सुधार और हमारे व्यवसाय के केंद्र में रचनात्मकता को बहाल करने के लिए डिज्नी में किए गए अभूतपूर्व परिवर्तन के माध्यम से क्या हासिल किया है।

पीवीआर आईनॉक्स ने स्टैंडअलोन आईमैक्स एक्सपीरियंस पेश किया

नई दिल्ली, 10 अगस्त (देशबन्धु)। भारत में सबसे बड़े और सबसे प्रीमियम सिनेमा एग्जिबिटर, पीवीआर आईनॉक्स ने भारत में दिल्ली के बसंत लोक कॉम्प्लैक्स, वसंत विहार में स्थिति प्रतिष्ठित प्रिया सिनेमा में एकमात्र स्टैंडअलोन आईमैक्स थिएटर लॉन्च किया है। इस अत्याधुनिक सिनेमा में अगली जनरेशन के लेज़र प्रोजेक्शन लेज़र टेक्नॉलॉजी के साथ आईमैक्स होगा और मल्टी-चैनल साउंड सिस्टम होगा, जो शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए केवल आईमैक्स थिएटर्स के लिए विकसित किया गया है।

इस शुरुआत के बारे में अजय बिजली, मैनेजिंग डायरेक्टर, पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड ने कहा की हमें अपना पहला और सबसे प्रतिष्ठित सिनेमा, पीवीआर प्रिया, आईमैक्स जैसे ट्रुली इमर्सिव सिनेमेटिक अनुभव में अपग्रेड करने की बहुत खुशी है। गैरहिंदी मूवीज और हॉलिवुड मूवीज ने भौगोलिक और भाषाई सीमाओं को पार कर लिया है, और वो अपनी भव्य अपील

और आईमैक्स जैसे इमर्सिव फॉर्मेट्स के साथ अनेक भाषाओं में डब होकर मूवी देखने के बाजार का विस्तार कर रही हैं। हमें विश्वास है कि प्रिया में पीवीआर आईमैक्स मूवीप्रेमियों के लिए सबसे लोकप्रिय आउट-ऑफ-होम सिनेमाघर बन जाएगा।

आईमैक्स विद लेज़र का डिज़ाइन केवल आईमैक्स स्क्रीन्स के लिए किया गया है। यह अनुभव इसके 4के लेज़र प्रोजेक्शन सिस्टम द्वारा और खास बन जाता है क्योंकि इसमें एक नया ऑप्टिकल इंजन और अनेक प्रोप्रायटरी आईमैक्स टेक्नॉलॉजीज़ हैं, जो बेहतर रिज़ॉल्यूशन, ज्यादा शार्प एवं ब्राईट इमेज, गहरा कॉन्ट्रैस्ट तथा स्क्रीन पर सबसे शानदार एवं विशेष कलर्स का अहसास प्रदान करती हैं।

स्टार यश ने कन्नड़ एक्टर विजय राघवेंद्र को गले गलाकर दी सांत्वना

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। स्टार यश का अपने दोस्त और अभिनेता विजय राघवेंद्र को सांत्वना देते हुए एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वह कन्नड़ एक्टर को गले लगाकर दुख की घड़ी में उनका साथ दे रहे है।

कन्नड़ एक्टर विजय राघवेंद्र की पत्नी स्पंदना की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। जिनका अंतिम संस्कार 9 अगस्त को किया गया था। एक्स (ट्विटर) पर एक प्रशंसक ने एक वीडियो साझा की है, जिसमें यश को कन्नड़ एक्टर विजय राघवेंद्र की पत्नी स्पंदना के अंतिम संस्कार में शामिल होते देखा गया, जहां वह अपने दोस्त को सांत्वना देते हुए नजर आए।

यह वीडियो वायरल हो गया। प्रशंसक ने क्लिप को कैप्शन दिया, वह हमेशा अपने लोगों के लिए मौजूद हैं और जिन्हें उनकी जरूरत है। कन्नड़ अभिनेता-गायक विजय राघवेंद्र की पत्नी स्पंदना राघवेंद्र का सोमवार को कार्डियक अरेस्ट से बैंकॉक में निधन हो गया। वह छुट्टियां मनाने बैंकॉक

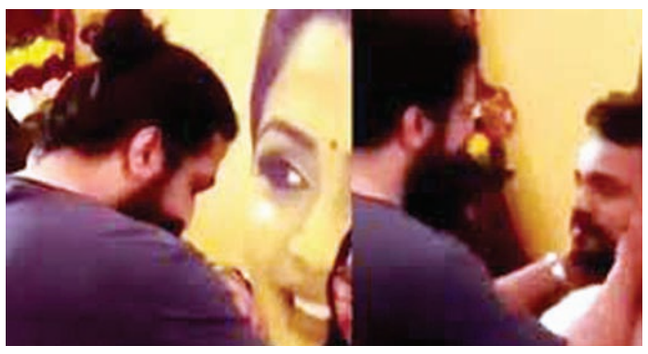

गई थीं।विजय ने कन्नड़ फिल्म उद्योग में बड़े पैमाने पर काम किया है और वह एक फिल्मी परिवार से हैं। वह दिवंगत कन्नड़ सुपरस्टार पुनीथ राजकुमार के चचेरे भाई हैं, जिनका अक्टूबर 2021 में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया।स्पंदना बेंगलुरु की रहने वाली थीं। वह सहायक पुलिस आयुक्त बीके. की बेटी थीं। उन्होंने 2007 में विजय राघवेंद्र से शादी की थी। स्पंदना ने कथित तौर पर सीने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां सोमवार को उनका निधन हो गया।

स्पंदना के परिवार में विजय और उनका बेटा शौर्य हैं। 'चालीसुवा मोदागलु' में बाल कलाकार के रूप में अपनी शुरुआत करने वाले विजय को फिल्म 'शिवयोगी श्री पुट्टय्ज्जा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए 2016 के कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वह 'बिग बॉस कन्नड़' के पहले सीजन के विजेता थे और उन्होंने रियलिटी शो 'डांस कर्नाटक डांस' में जज के रूप में भी काम किया था।

हिमालयन स्टार्टअप ट्रेक : आईआईटी का स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज 2023

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आईआईटी मंडी में स्टार्टअप्स, नवाचारों और महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए एक ग्रैंड चैलेंज पेश किया जाएगा। इसमें 6 लाख रुपए का नकद पुरस्कार रखा गया है। यहां शीर्ष स्टार्टअप्स को 50 लाख रुपए तक का अनुदान प्राप्त करने का भी अवसर मिलेगा।

आईआईटी के मुताबिक इस आयोजन में आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 अगस्त 2023 है। यह, 'एचएसटी स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज' स्टार्टअप पिच प्रतियोगिता के तीन विषयों पर है। इनमें से एक 'द न्यू एज अलायंस - ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरएक्शन (एचसीआई)' विषय क्षेत्र के चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों को आईआईटी

मंडी के आईहब और एचसीआई फाउंडेशन के साथ परामर्श के बाद चुना गया है। इसके अंतर्गत मानव क्रियान्वयन और निर्णय लेने में मदद करने और उनकी क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सहायक प्रौद्योगिकिया शामिल है। मानसिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग व मानव निर्णय लेने, पूर्वानुमान, संचार और प्रोसेसिंग की मदद के लिए कंप्यूटर बुद्धिमत्ता का उपयोग भी इसमें शामिल है।

- वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उत्पादों व सेवाओं को बढ़ाने के उपाय शामिल

दूसरा विषय 'फुटहिल इनोवेटर्स चैलेंज' है। इसमें हिमालयी या पहाड़ी सड़क सुरक्षा, आपदा रोकथाम और प्रबंधन, हिमालयी कृषि के लिए मांग और आपूर्ति पक्ष की चुनौतियां व वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को बढ़ाने के उपाय को शामिल किया गया है।

तीसरा विषय 'द हैबिटेबल वर्ल्ड चैलेंज' है। यह पर्यावरण और स्थायित्व इस क्षेत्र के लिए चुनौतियों के चयन को पीक वेंचर्स, अलसीसर इम्पैक्ट, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड-हिमाचल प्रदेश, और नैशनल हेल्थ मिशन-हिमाचल प्रदेश के साथ तैयार किया गया है। आईआईटी मंडी के मुताबिक जलवायु-अनुसार कृषि (सीआरए) हर विषय से सम्बंधित क्षेत्र के लिए 2 लाख रुपए तक की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। इसको शीर्ष 3 स्टार्ट-अप के बीच वितरित किया जाएगा। शीर्ष स्टार्ट-अप को प्रोटोटाइपिंग के साथ-साथ 50 लाख रुपए तक के उत्पादों के विकास के लिए इन्क्यूबेशन सहायता और फंडिंग योजनाओं तक पहुंच की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। वहीं इन स्टार्टअप्स को राज्य में पायलटिंग के अवसर भी प्रदान किये जाएंगे।

आईआईटी मंडी के निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहरा ने उद्यमियों और नवाचारकों से आग्रह किया है कि वह एचएसटी स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज 2023 के इस चरण में प्रतिभाग लेकर अपने नवाचार और विचारों को प्रदर्शित कर सकते हैं।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के इनक्यूबेशन निदेशक एवं फैकल्टी इंचार्ज डॉ. पूरन सिंह ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं एचएसटी के अविश्वसनीय विकास और सफलता को देख और महसूस कर रहा हूं। एचएसटी हमें एक समुदाय के रूप में एकजुट करता है साथ ही यहां स्टार्टअप्स को प्रौद्योगिकी-आधारित उपायों के साथ महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करने के लिए अटूट सहयोग प्रदान किया जाता है।

वरुण धवन और कृति सेनन की 'भेड़िया' इस स्वतंत्रता दिवस पर कलर्स सिनेप्लेक्स पर मचाएगी धूम

नई दिल्ली 10 अगस्त (एजेंसियां)। इस स्वतंत्रता दिवस पर, कलर्स सिनेप्लेक्स पर 'भेड़िया' के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर में एक आकार बदलने वाले ?भेड़िया मानव की रहस्यमय कहानी से पहले कभी न देखे गए सिनेमाई तमाशे के लिए तैयार हो जाइए! मनोरंजक फिल्मों का अल्टीमेट डेस्टिनेशन, वायाकॉम18 का प्रीमियम मूवी चैनल, कलर्स सिनेप्लेक्स मूल हिंदी और विभिन्न भारतीय भाषाओं से डब की गई शानदार सिनेमाई रत्नों का एक उत्कृष्ट फ्यूज़न पेश करते हुए, गर्व से हर पसंद की फिल्मों का विस्मयकारी कलेक्शन प्रदर्शित करता है। ब्लॉकबस्टर्स की अपनी लाइब्रेरी को और भी मजबूत करते हुए, कलर्स सिनेप्लेक्स 15 अगस्त, 2023 को रात 8:00 बजे 'भेड़िया' का वर्ल्ड

टेलीविज़न प्रीमियर करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वरुण धवन, कृति सेनन, अभिषेक बनर्जी और दीपक डोबरियाल जैसे कलाकारों से सजी यह मनोरंजक कॉमेडी पूरे परिवार के लिए आनंददायक ट्रीट होने का वादा करती है। रोहन लावसी, बिज़नेस हेड - हिंदी मूवीज़ क्लस्टर, वायाकॉम18 कहते हैं, कलर्स सिनेप्लेक्स पूर्ण गर्व के साथ ऐसी कॉन्टेंट लाइब्रेरी तैयार करता है, जो हमारे दर्शकों, विशेष रूप से पारिवारिक दर्शकों की विभिन्न पसंदों को पूरा करती है, और 'भेड़िया' इसका आदर्श उदाहरण है।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.04 प्रतिशत गिरकर 84.37 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एनटीपीसी	4.02 प्रतिशत
पावर ग्रिड	3.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.28 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.16 प्रतिशत
टीसीएस	1.96 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	1.12 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.09 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनीलीवर	0.91 प्रतिशत
आईटीसी	0.63 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.46 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

बैंकों को ग्राहकों को देनी होगी ईएमआई में बदलाव की जानकारी : आरबीआई

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फ्लोटिंग ब्याज दर वाले लोन के लिए समान मासिक किस्तों (ईएमआई) में बदलाव को लेकर अधिक पारदर्शिता लाने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को यह बात कही। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के निर्णयों की घोषणा करते हुए दास ने कहा, फ्लोटिंग ब्याज दर वाले लोन पर ब्याज दरों में बदलाव के लिए एक पारदर्शी ढांचा तैयार करने का प्रस्ताव है। ढांचे में विनियमित संस्थाओं को लोन की अवधि और/या ईएमआई में बदलाव के बारे में ग्राहकों के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करना होगा। उन्हें फिक्स दर वाले लोन में बदलने और ऋण को समयपूर्व चुकाने का विकल्प प्रदान करना होगा, इस विकल्प को चुनने पर लगने वाले सभी तरह के शुल्क की पूरी जानकारी देनी होगी और ग्राहकों को महत्वपूर्ण जानकारी उचित संचार माध्यमों से देनी होगी। उन्होंने कहा कि ये उपाय उपभोक्ता संरक्षण को और मजबूत करेंगे।

एंड-टू-एंड बाधा रहित ऋण वितरण के लिए नया मंच तैयार किया जा रहा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वंचित क्षेत्रों को डिजिटल मोड पर एंड-टू-एंड बाधा रहित ऋण देने के प्रयास में, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) एक सार्वजनिक तकनीकी प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसलों की घोषणा करते हुए कहा कि नए प्लेटफॉर्म को कैलिब्रेटेड तरीके से पेश किया जाएगा।

दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने आरबीआईएच के साथ मिलकर एंड-टू-एंड डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से बाधा रहित ऋण वितरण के लिए सितंबर 2022 में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसकी शुरुआत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण से हुई। केसीसी ऋण के लिए पायलट प्रोजेक्ट (योजना) वर्तमान में मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के चुनिंदा जिलों में चालू है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि हाल ही में, गुजरात के चुनिंदा जिलों में डेयरी ऋण को पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। पायलटों से मिली सीख के आधार पर और एंड-टू-एंड डिजिटल ऋण प्रक्रियाओं के दायरे का विस्तार करने के लिए, आरबीआईएच द्वारा बाधा रहित ऋण वितरण के लिए एक सार्वजनिक तकनीकी मंच विकसित किया जा रहा है। गवर्नर ने आगे कहा कि इस प्लेटफ़ॉर्म को एक कैलिब्रेटेड तरीके से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने का इरादा है। इसमें एक खुला आर्किटेक्चर और खुला एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) और मानक होंगे, जिससे सभी वित्तीय क्षेत्र के प्लेयर निर्बाध रूप से जुड़ सकते हैं। इस पहल से अब तक वंचित क्षेत्रों में ऋण की पहुंच में तेजी आएगी और वित्तीय समावेशन और गहरा होगा।

75 प्रतिशत भारतीय डेस्क कर्मचारी करते हैं एआई और ऑटोमेशन को उपयोग

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय कंपनियां अपने कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए इनोवेटिव और प्रभावशाली विधियाँ तलाश रहे हैं जिससे 75 प्रतिशत भारतीय डेस्क कर्मचारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और ऑटोमेशन का उपयोग कर रहे हैं। स्लैक ने आज अपनी नई स्टेट ऑफ वर्क रिपोर्ट जारी की जिसमें यह खुलासा हुआ है। यह रिपोर्ट 2000 से भी ज्यादा भारतीय डेस्क कर्मचारियों पर किए गए एक सर्वे पर आधारित है, जिसमें यह खुलासा हुआ है कि एआई और ऑटोमेशन क्षमताओं में बार-बार होने वाले, ज्यादा समय लेने वाले कार्यों को स्ट्रीमलाईन एवं ऑप्टिमाईज़ करने की क्षमता है ताकि भारतीय डेस्क कर्मचारी ज्यादा महत्वपूर्ण और रणनीतिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यह सर्वे नौ देशों में 18,000 से ज्यादा कर्मचारियों के बीच किए गए सर्वेक्षण का हिस्सा है इस रिपोर्ट में आज कर्मचारी की उत्पादकता बढ़ाने वाले और आधुनिक काम को परिभाषित करने वाले तीन ट्रेंड का खुलासा हुआ जिसमें एआई और ऑटोमेशन संगठनों में उत्पादकता बढ़ाकर क्रांति ला रहे हैं। हाईब्रिड काम के युग में ऑफिस कार्य और डिज़ाईन की परिभाषा बदल रही है और कर्मचारी की संलग्नता और प्रतिभा के विकास से भी उत्पादकता पर सीधा असर होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विश्व में एआई अपनाने के मामले में नेतृत्वकर्ता है। जिन संगठनों ने एआई टूल्स और ऑटोमेशन अपना लिए हैं उनमें उत्पादकता बढ़ने की संभावना है। भारत में जिन संगठनों ने अपने काम में एआई को अपना लिया है उन संगठनों में एआई न अपनाने वाले संगठनों के मुकाबले उत्पादकता बढ़ने की 53 प्रतिशत ज्यादा संभावना है। वैश्विक स्तर पर सर्वे में शामिल अधिकांश (77 प्रतिशत) कर्मचारियों ने कहा कि रोजमर्रा के कामों, जैसे खर्चे की रिपोर्ट के अनुमोदन पाने की प्रक्रिया को ऑटोमेट करने से उनकी उत्पादकता बढ़ेगी। विश्व में जो लोग काम में ऑटोमेशन का उपयोग करते हैं वो अनुमानतः हफ्ते में औसतन 3.6 घंटे बचाते हैं, यह साल में कम से कम एक महीने का समय हर कर्मचारी को उत्पादक कार्यों में लगाने के लिए देने के बराबर है।

मिनी ऑल इलेक्ट्रिक कार भारत में लॉन्च, कीमत 55 लाख रुपए

नई दिल्ली 10 अगस्त (एजेंसियां)। मिनी इंडिया ने भारत में ऑल-इलेक्ट्रिक मिनी 3-डोर कूपर एसई का एक सीमित संस्करण मिनी चार्ज्ड संस्करण लॉंच करने की घोषणा के साथ ही भारत में सिर्फ 20 कारों की बुकिंग लेने का आज ऐलान किया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि पूर्णतः निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में पेश की गई केवल 20 इकाइयाँ उपलब्ध हैं और इन्हें विशेष रूप से कंपनी की वेबसाइट पर बुक किया जा सकता है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने कहा, मिनी ने भारत में पहली बार चिली रेड में मिनी 3-डोर कूपर एसई लेकर आयी है। यह शून्य उत्सर्जन के साथ प्रसिद्ध गो-कार्ट अहसास और तत्काल टॉर्क का जश्न मनाता है। मिनी चार्ज्ड एडिशन एक साहसी, ऊर्जावान और अभिव्यंजक कार है जो एक बहादुर और साहसी ब्रांड की मिनी बिग लव भावना पर पूरी तरह फिट बैठती है जो लोगों और समुदायों को एक साथ लाती है। मिनी चार्ज्ड संस्करण शहरी गतिशीलता के लिए आदर्श भागीदार है। इसमें 32.6 केडब्ल्यूएच की बैटरी है जो एक बार फुल चार्ज होने पर 270 किलोमीटर तक चल सकती है। ऑल-इलेक्ट्रिक मिनी चार्ज्ड एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 55 लाख रुपये है। एक्स-शोरूम कीमतों में लागू जीएसटी (क्षतिपूर्ति उपकर सहित) शामिल है, लेकिन इसमें रोड टैक्स, स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), आरटीओ वैधानिक कर/शुल्क, अन्य स्थानीय कर उपकर और बीमा शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि मिनी चार्ज्ड संस्करण मिनी स्मार्ट वॉलबॉक्स चार्जर और एक पोर्टेबल डीसी चार्जिंग केबल की एक बार की स्थापना के साथ आता है।

अमेरिका के नए निवेश प्रतिबंधों से चीन निराश

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर चीन में उन्नत प्रौद्योगिकी उद्योगों में निवेश पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने बुधवार देर रात एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें चीन के कुछ प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, नए नियम अमेरिकी निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों के साथ-साथ चीनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स में संयुक्त उद्यमों के निवेश पर प्रतिबंध लगाएंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि प्रतिबंध व्यापार निर्णय लेने की सामान्य गति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को बाधित करता है। प्रवक्ता ने कहा, यह आदेश बाजार अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों से गंभीर भटकाव है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करता है। प्रस्तावित नियम सैन्य उन्नति के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि बाइडेन-कमला हैरिस प्रशासन अगली पीढ़ी के सैन्य नवाचार के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों की रक्षा करके अमेरिका को सुरक्षित रखने और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी सरकार ने कहा, सीमा पार निवेश प्रवाह ने लंबे समय से अमेरिकी आर्थिक जीवन शक्ति में योगदान दिया है। हम खुले निवेश के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए संकीर्ण रूप से लक्षित कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाइडेन ने सैकड़ों हितधारकों, उद्योग के सदस्यों और विदेशी सहयोगियों तथा भागीदारों के साथ व्यापक और गहन परामर्श के बाद कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

नए उपाय, जो हांगकांग और मकाऊ की कंपनियों पर भी लागू होते हैं, अगले साल से प्रभावी होंगे। पिछले साल अक्टूबर में, बाइडेन प्रशासन ने निर्यात नियंत्रण के एक व्यापक सेट की घोषणा की थी।

सार संक्षेप

न्यूगो का एक रुपये में टिकट अभियान

नई दिल्ली। ग्रीनसेल मोबिलिटी की अग्रणी इंटरसिटी इलेक्ट्रिक एसी कोच सेवा देने वाली कंपनी न्यूगो ने स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाने के लिए नए अभियान की घोषणा करते हुए आज कहा कि ग्राहक ब्रांड के किसी भी परिचालन रूट के लिए 10 से 15 अगस्त तक सिर्फ 1 रुपये की अविश्वसनीय कीमत पर टिकट बुक कर सकते हैं। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह सीमित समय की पेशकश देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को यात्रा करने के लिए वैध है। सुरक्षा और आराम को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में रखते हुए, न्यूगो देश के कुछ सबसे लोकप्रिय गंतव्यों के बीच यात्रा प्रदान करता है, जिसमें इंदौर-भोपाल, दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-देहरादून, दिल्ली-जयपुर, आगरा-जयपुर, बेंगलुरु-तिरुपति, चेन्नई-तिरुपति, चेन्नई-पुडुचेरी और हैदराबाद-विजयवाड़ा की यात्रा शामिल हैं।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स तमिलनाडु में नए प्लांट के लिए 515 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

चेन्नई। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड कंपनी ने कहा कि वह अगले पांच वर्षों में तमिलनाडु में 515 करोड़ रुपये के निवेश से एक फैक्ट्री स्थापित करेगी। इस संबंध में कंपनी और राज्य सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। चेंगलपट्टू जिले के थिरुपोरूर तालुक में स्थापित किया जाने वाला प्लांट में साबुन, हेयर कलर्स, मच्छर भगाने वाले जैसे उत्पाद बनाए जाएंगे। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष निसाबा गोदरेज ने निवेश पर टिप्पणी करते हुए कहा, %%इस सुविधा की स्थापना से हम तमिलनाडु में 400 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। इस सुविधा का लक्ष्य समावेशी और लिंग संतुलित कार्यबल बनाना है।%% हमारी योजना इस सुविधा के लिए 50 प्रतिशत महिलाओं के साथ-साथ एलजीबीटीक्यू और विकलांग (पीडब्ल्यूडी) समुदायों के 5 प्रतिशत कर्मचारियों को नियुक्त करने की है।

पीवीआर आईनॉक्स ने भारत में आईमैक्स एक्सपीरियंस किया पेश

नई दिल्ली। भारत में सबसे बड़े और सबसे प्रीमियम सिनेमा प्रदर्शक पीवीआर आईनॉक्स ने राजधानी के वसंत विहार में स्थिति प्रिया सिनेमा में एकमात्र स्टैंडअलोन आईमैक्स थिएटर लॉन्च करने की आज घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस अत्याधुनिक सिनेमा में अगली जनरेशन के लेज़र प्रोजेक्शन लेज़र टेक्नॉलॉजी के साथ आईमैक्स होगा और मल्टी-चैनल साउंड सिस्टम होगा, जो शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए केवल आईमैक्स थिएटरों के लिए विकसित किया गया है। पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजय बिजली ने इस मौके पर कहा हमें अपना पहला और सबसे प्रतिष्ठित सिनेमा, पीवीआर प्रिया, आईमैक्स जैसे ट्रुली इमर्सिव सिनेमेटिक अनुभव में अपग्रेड करने की बहुत खुशी है।

आरबीआई के खुदरा महंगाई अनुमान में बढ़ोतरी से शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई 10 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को यथावत रखने के साथ ही चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई अनुमान में बढ़ोतरी करने से हताश निवेशकों की एफएमसीजी, दूरसंचार और बैंकिंग समेत बारह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार गिर गया।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 307.63 अंक लुढ़ककर 65,688.18 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 89.45 अंक की गिरावट लेकर 19,543.10 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.09 प्रतिशत फिसलकर 30,469.34 और स्मॉलकैप 0.15 प्रतिशत टूटकर 35,398.74 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3742 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1917 में बिकवाली जबकि 1679 में लिवाली हुई वहीं 146 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियां गिरावट जबकि 18 तेजी पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

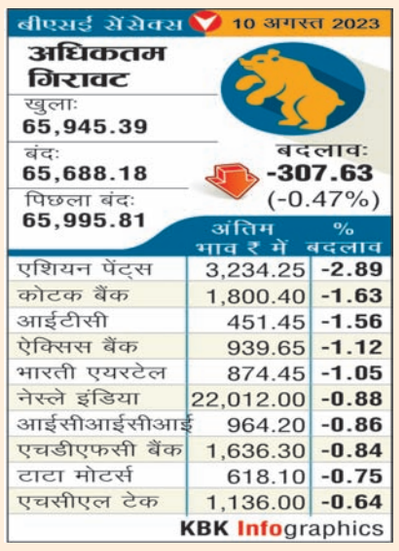

आरबीआई ने गुरुवार को मौद्रिक नीति समिति की चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक बैठक के नतीजे की घोषणा में चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के अनुमान को 5.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही नीतिगत दरों को यथावत रखने से भी निवेशकों की निवेशधारणा कमजोर पड़ी। इससे बीएसई के 12 समूहों में जमकर बिकवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज

बीएसई सेंसेक्स 10 अगस्त 2023

अधिकतम गिरावट

खुला: 65,945.39

बंद: 65,688.18

पिछला बंद: 65,995.81

बदलाव: -307.63 (-0.47%)

	अंतिम भाव ₹ में	% बदलाव
एशियन पेंट्स	3,234.25	-2.89
कोटक बैंक	1,800.40	-1.63
आईटीसी	451.45	-1.56
ऐक्सिस बैंक	939.65	-1.12
भारती एयरटेल	874.45	-1.05
नेस्ले इंडिया	22,012.00	-0.88
आईसीआईसीआई	964.20	-0.86
एचडीएफसी बैंक	1,636.30	-0.84
टाटा मोटर्स	618.10	-0.75
एचसीएल टेक	1,136.00	-0.64

KBK Infographics

0.18, एफएमसीजी 0.88, वित्तीय सेवाएं 0.61, हेल्थकेयर 0.61, इंडस्ट्रियल्स 0.22, आईटी 0.33, दूरसंचार 1.05, ऑटो 0.19, बैंकिंग 0.81, कैपिटल गुड्स 0.46, रियल्टी 0.25 और टेक समूह के शेयर 0.19 प्रतिशत गिर गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटेन के एफटीएसई की 0.05 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष अन्य बाजारों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.34, जापान का निक्केई 0.84, हांगकांग का हैंगसेंग 0.01 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.31 प्रतिशत मजबूत रहा।

कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 50 अंक फिसलकर 65,945.39 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 65,956.25 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से यह दोपहर से पहले 65,509.14 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया और अंत तक संभल नहीं पाया। अंत में पिछले दिवस के 65,995.81 अंक के मुकाबले 0.47 प्रतिशत गिरकर 65,688.18 अंक पर रहा। निफ़्टी भी 27 अंक फिसलकर 19,605.55 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,623.60 अंक के उच्चतम जबकि 19,495.40 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,632.55 अंक की तुलना में 0.46 प्रतिशत उतरकर 19,543.10 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की 20 कंपनियों के शेयर लुढ़क गए। इनमें सबसे अधिक 2.89 प्रतिशत का नुकसान एशियन पेंट ने उठाया। इसके अलावा कोटक बैंक 1.63, आईटीसी 1.56, ऐक्सिस बैंक 1.12, भारती एयरटेल 1.05, नेस्ले इंडिया 0.88, आईसीआईसीआई 0.86, एचडीएफसी बैंक 0.84, टाटा मोटर्स 0.75, एचसीएल टेक 0.64, मारुति 0.62, हिंदुस्तान यूनीलिवर 0.60, टीसीएस 0.59, एनटीपीसी 0.53, इंफोसिस 0.37, एलटी 0.25, अल्ट्रासिम्को 0.17, टाटा स्टील 0.12, सन फ़ार्मा 0.11 और एसबीआई के शेयर 0.03 प्रतिशत की गिरावट पर रहे।

अधिकांश दाल-दलहन में तेजी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में आई गिरावट के प्रभाव से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं मांग आने से अधिकांश दाल-दलहन के भाव चढ़ गए जबकि अन्य जिंसों में स्थिरता रही।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 15 रिंगिट फिसलकर 3730 रिंगिट प्रति टन पर आ गया गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.19 सेंट की तेजी लेकर 60.24 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान चना 200, दाल चना 200 और मसूर दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगी रही। वहीं, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल के दाम स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : चना 5400-5500, दाल चना 6400-6500, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9100-9200, उड़द दाल 10900-11000, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2550-2650 रुपये और चावल = 2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3640-3740, चीनी एम. 3900-4000, मिल डिलीवरी 3520-3620 और गुड़ 3800-3900 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 12308 रुपये, मूंगफली तेल 20512 रुपये, सूरजमुखी तेल 13407 रुपये, सोया रिफाइंड 11721 रुपये, पाम ऑयल 8933 रुपये और वनस्पति तेल 11000 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

जीएसटी वृद्धि के बीच गेमिंग स्टार्टअप हाइक ने 22 प्रतिशत कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) के बाद, गेमिंग स्टार्टअप हाइक ने ऑनलाइन गेमिंग पर सरकार के 28 प्रतिशत जीएसटी फैसले का दूसरा शिकार बना है, कविन भारती मित्तल द्वारा स्थापित स्टार्टअप ने लगभग 55 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। मित्तल ने कहा, जीएसटी में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी हमारी ओर तानी गई बंदूक है। उन्होंने कहा, लगभग 55 लोग (22 प्रतिशत कर्मचारी) - जिनमें से 24 गैर-पूर्णकालिक कर्मचारी हैं। कारोबार अब तक की सबसे अच्छी स्थिति में है, लेकिन जीएसटी में यह 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी हमारी ओर तानी गई बंदूक है। उन्होंने कहा, हमें इसमें से कुछ आत्मसात् करने की आवश्यकता होगी और परिणामस्वरूप हाइक/रश में कार्यबल में कमी आएगी। हाइक रश गेमिंग यूनिवर्स (आरजीयू) नामक ब्लॉकचेन-आधारित रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म संचालित करता है। मित्तल ने एक आंतरिक ईमेल में कहा, जीएसटी ब्लैक स्वान इवेंट स्न2 है और यह टीडीएस से कहीं बड़ा है। जीएसटी में 400 फीसदी की बढ़ोतरी हमारी ओर तानी गई बंदूक है। हालांकि हम इसमें से कुछ को आत्मसात् करने की उम्मीद करते हैं, लेकिन हम इसे पूरा आत्मसात् नहीं कर सकते हैं। प्रभाव बहुत बड़ा है। गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म का दावा है कि उसके 52 लाख से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

इससे पहले, घरेलू ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म एमपीएल ने अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की कटौती की थी, जिससे लगभग 350 लोग प्रभावित हुए थे।

नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखना रियल एस्टेट के लिए महत्वपूर्ण कदम

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति द्वारा नीतिगत दरों विशेषकर रेपो दर को लगातार तीसरी बार यथावत बनाये रखने का रियल एस्टेट उद्योग ने स्वागत करते हुये आज कहा कि यह इस क्षेत्र के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। नरेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन बन्देलकर ने कहा रेपो दरों को आरबीआई द्वारा अपरिवर्तित रखने का निर्णय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। ब्याज दरों में स्थिरता से उन डेवलपरों को राहत मिलेगी जो एक जटिल आर्थिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। अपरिवर्तित दरें कुछ हद तक दीर्घकालिक परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए एक आवश्यक स्थिति प्रदान करती है। इसके साथ ही यह निर्णय सेक्टर की स्थिरता की आवश्यकता के साथ अच्छी तरह से मेल भी खाता है और एक सकारात्मक माहौल को बढ़ावा देता है। हालाँकि, हमें उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक उभरते बाजार की गतिशीलता के प्रति सचेत रहेगा और विकासोन्मुख उपायों का समर्थन करना जारी रखेगा।

रियल एस्टेट डेवलपरों का निकाय विभिन्न आर्थिक कारकों पर विचार करते हुए आरबीआई द्वारा किए जा रहे सावधानीपूर्वक संतुलन कार्य को स्वीकार करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम एक मजबूत रियल एस्टेट क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए सेक्टर और नियामक अधिकारियों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों की आशा करते हैं जो देश के आर्थिक पुनरुत्थान में योगदान दे। त्रेहान ग्रुप के प्रबंध निदेशक सारांश त्रेहान ने कहा रेपो रेट को अपरिवर्तित बनाए रखने से रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए विकास के आंकड़े समान रहेंगे। आवास की मांग लगातार बढ़ रही है और आरबीआई की नीति रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में पैसा लगाने की योजना बना रहे खरीदारों की संपत्ति-अनुकूल भावनाओं में काफी मूल्य जोड़ रही है। आरबीआई के इस कदम से मुद्रास्फीति की दरें और कम हो जाएंगी, जो निस्संदेह कम हो रही है लेकिन कंस्ट्रक्शन संबंधित क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है और समग्र आर्थिक माहौल को बाधित कर रही है। आरबीआई को 4 प्रतिशत के अपने मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्णय करने के लिए प्रेरित किया गया है और रेपो रेट को अपरिवर्तित रखकर यह अपने उद्देश्यों को महत्वपूर्ण रूप से प्राप्त करेगा। गंगा रियल्टी के संयुक्त प्रबंध निदेशक विकास गर्ग ने कहा कि आरबीआई के इस निर्णय से आवास की मांग को स्थिर करने और संपत्ति बाजारों में सकारात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। रेपो दर को अपरिवर्तित रखकर आरबीआई ने उद्योग-अनुकूल रुख की मौद्रिक नीति को बनाए रखा है जो रुझानों के समेकन का समर्थन करेगा। यह रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए अच्छे परिणाम देगा और इसके अलावा व्यापक आर्थिक स्थितियों को स्थिर रखने में भी मदद करेगा।

इमामी रियल्टी के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. नितेश कुमार ने आरबीआई नीति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के बावजूद आरबीआई ने रेपो दर पर यथास्थिति बनाए रखा है। इससे घर खरीदने की भावनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

खेल जगत

कार्लोस अल्काराज ने ओपनर में बेन शेल्टन को हराया

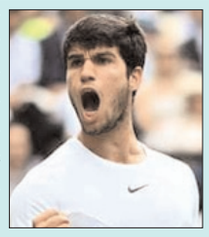

कनाडा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व के नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने यहां सेंटर कोर्ट पर होनहार अमेरिकी बेन शेल्टन के खिलाफ सीधे सेटों में जीत हासिल करते हुए टोरंटो में पदार्पण किया। अल्काराज पिछली गर्मियों में मॉन्ट्रियल में कैनेडियन मास्टर्स 1000 इवेंट में एक बार पहले भी खेल चुके हैं, जहां उनका पहला मुकाबला टॉमी पॉल से हुआ था। नेशनलबैंकओपन.कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल वह काफी पसंदीदा हैं और यहां प्रशंसकों की प्रतिक्रिया को देखते हुए रविवार को उन्हें अभी भी खड़े देखना एक वास्तविक रोमांच होगा। मैच के लिए सेंटर कोर्ट खचाखच भरा हुआ था और अल्काराज के बाहर निकलते ही जोरदार स्वागत किया गया। शेल्टन ने उन्हें जल्दी ही परखा और पूरे मैच के दौरान स्पैनियार्ड के साथ रहे और हालांकि अल्काराज ने 6-3, 7-6(3) से जीत हासिल की, लेकिन यह एक करीबी मुकाबला था।

भारत के 'ब्रह्मास्त्र' हरमनप्रीत सिंह के प्रहार से जापान के लिए सेमीफाइनल में बचना मुश्किल

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

चेन्नै, 10 अगस्त (देशबन्धु)। दुनिया के सबसे खतरनाक ड्रैग फ्लिकर में एक कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने यहां एशियन चैंपियंस ट्रॉफी ,चेन्नै हॉकी 2023 में राउंड रॉबिन लीग की समाप्ति पर पांच मैचों में सबसे ज्यादा सात गोल कर साबित किया कि पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक उनका और तीन बार चैंपियन रहे मेजबान भारत का ब्रह्मास्त्र है। हॉकी बेशक टीम गेम है बावजूद इसके जापान के लिए दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को यहां मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में भारत के %ब्रह्मास्त्र% हरमनप्रीत के पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक प्रहार से बचना बेहद मुश्किल होगा। सबसे काबिलेतारीफ बात यह है कि हरमनप्रीत सिंह ने भारत के लिए अब सभी पांचों लीग मैचों में गोल किए ही हैं उन्होंने पिछले उपविजेता जापान के खिलाफ यहां पिछड़ने के बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर उसे मैच ड्रॉ कराने में भी अहम भूमिका निभाई थी।

भारत ने अजेय रहकर पांच मैचों में चार जीत और जापान के खिलाफ अकेले ड्रॉ के साथ 13 अंकों के साथ शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में स्थान पाया। भारत के लीग चरण में कुल सबसे ज्यादा दागे 20 गोल में कप्तान हरमनप्रीत के बाद उनके दोनों साथी ड्रैग फ्लिकरों वरुण कुमार और जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर और अनुभवी आकाशदीप सिंह और मनदीप सिंह ने दो- दो गोल करने साथ स्ट्राइकर गुरजंट सिंह, सेल्वम कार्ति व सुखजीत और आक्रामक मिडफील्डर उपकप्तान हार्दिक सिंह ने नीलकांत शर्मा ने भी एक- एक गोल किया है। भारतीय

- स्ट्रक्चर से खेलने वाली भारतीय टीम जापान से पार पाने को पूरी तरह तैयार
- हार्दिक, विवेक, नीलकांत व मनप्रीत के रूप में मजबूत मध्य पंक्ति है भारत की ताकत

टीम ने दिखाया की भले ही पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिकर उसकी सबसे बड़ी ताकत है लेकिन उसके गोल के लिए स्ट्राइकरों के रूप में पास पर्याप्त विकल्प हैं और वह गोल करने के लिए किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर है।

जापान के खिलाफ अपना दूसरा लीग मैच ड्रॉ खेलने के बाद पूरी तरह रंग में आ चुकी भारतीय टीम शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में उससे पार पाने के लिए बेहतर ढंग तैयार है। भारतीय टीम पिछले संस्करण में जापान को लीग मैच में आधा दर्जन गोल से हराने के बाद उससे सेमीफाइनल में 3-4 से हार गई थी। भारतीय टीम इस बात से वाकिफ है आज की जमाने की हॉकी में जापान और या कोई भी टीम प्रतिद्वंद्वी के रूप में किसी को भी हल्के लेने से बचना चाहिए। जापान लीग मं अपने पांच में मैचों दक्षिण कोरिया और मलयेशिया से हारी और भारत व पाकिस्तान से मैच ड्रॉ खेले और अकेली जीत फिसड्डी चीन के खिलाफ दर्ज की उससे साफ है कि उससे मेजबान टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत की उम्मीद लगाना मुनासिब नहीं लगता है। जापान ने अपने पांच मैचों में मात्र आठ गोल किए हैं और नौ गोल खाए हैं।

टूर्नामेंट सही मानों जापान के खिलाफ सेमीफाइनल से शुरू : फुल्टन

स्पेन में टूर्नामेंट खेलने के बाद सीधे यहां चेन्नै में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने उतरना चुनौतीपूर्ण था। हमने धीरे धीरे यहां अपनी लय पाई। हमने अब तक यहां अपने पांच मैचों में चीन, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया और मैच जीते। सच तो यह है कि हमारे लिए सही मायनों टूर्नामेंट अब शुक्रवार को जापान के खिलाफ सेमीफाइनल से शुरू हो रहा है। मुझे खुशी है कि हमारी भारतीय टीम अब वैसा खेलना शुरू कर दिया है, जैसा वह चाहती है। सबसे अच्छी बात है कि हमारी टीम अब तक अपने स्ट्रक्चर में खेल रही है। मैं यहां अपनी टीम के खेल पर नजर डालता हूं पाता हूं कि हमारी टीम की कमजोरी है खेल में निरंतरता की कुछ कमी है।

जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में कोशिश स्ट्रक्चर से खेल की : हरमनप्रीत

हमारी कोशिश जापान के सेमीफाइनल में शुक्रवार को अपने स्ट्रक्चर से खेल मौके बनाने के साथ मौके भुनाने की होगी। हम और स्ट्रक्चर से खेलना चाहेंगे। पाकिस्तान के कोच सकलेन ने आखिरी राउंड रॉबिन लीग मैच से पहले भले ही यह कहा कि हमारी भारतीय टीम स्ट्रक्चर से नहीं खेल रही। हमें मालूम है कि हम कैसे और किस स्ट्रक्चर से खेल रहे हैं। मैंने मैदान पर हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। हमारी कामयाबी का सबब भी एक दूसरे का सहयोग कर बतौर टीम निरंतर बेहतर प्रदर्शन करना। हमारे फॉरवर्ड जब गोल करने के ज्यादा मौके बनाते और पेनल्टी कॉर्नर दिलाते हैं हम तभी हम ड्रैग फ्लिकर इनका बेहतर उपयोग कर गोल कर पाते हैं।

हरमनप्रीत के दो गोल से भारत ने पाक को 4-0 से हरा बाहर कर शीर्ष पर फिर श्रेष्ठता साबित की

■ भारत सेमीफाइनल में जापान से भिड़ेगा

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

चेन्नै, 10 अगस्त (देशबन्धु)। भारत के स्ट्राइकर मनदीप सिंह, गुरजंट सिंह, सुखजीत सिंह और आकाशदीप सिंह ने खासतौर पर डी में पहुंचने के बाद सीधे तेज शॉट लगाने की बजाय टीम को पेनल्टी कॉर्नर दिलाने की कोशिश में हड़बड़ी में आधा दर्जन से ज्यादा मैदानी गोल के मौके चूके। वहीं तूफानी अंदाज में सेंटर फॉरवर्ड अब्दुल शाहिद का गोल अमान्य किए जाने पर पाकिस्तान से हौसला शुरू में ही टूटता लगा। अपने कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के %ब्रह्मास्त्र% पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से दागे दो, जुगराज सिंह के एक तथा आखिरी क्वॉर्टर में आकाशदीप सिंह के एक मैदानी गोल से भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-0 से हरा कर पांच मैचों में चार जीत और एक ड्रॉ के साथ पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में 13 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पाया।

पाकिस्तान के खिलाफ अपने अंतिम राउंड रॉबिन लीग मैच से पहले ही अंतिम चार में स्थान पक्का कर चुके भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ उसके खिलाफ अपनी श्रेष्ठता जारी रखते हुए पिछले 16 मैचों में 13वीं जीत हासिल की। पाकिस्तान की टीम पांच मैचों मे दक्षिण कोरिया और जापान की तरह समान रूप से पांच पांच अंकों के बावजूद गोल अंतर में इन दोनों टीमों से पिछड़ कर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रहकर सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो गई। भारत अब दूसरे सेमीफाइनल में शुक्रवार को चौथे स्थान पर रहने वाले जापान से भिड़ेगा। दूसरे स्थान पर रहने वाली मलयेशिया की टीम पहले सेमीफाइनल में तीसरे स्थान पर रहने वाली मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी। छह हजार दर्शकों से खचाखच भरे यहां मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में भारतीय हॉकी टीम की हौसला अफजाई के लिए देश के नंबर एक ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन भी हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पूर्व ओलंपियन डॉ. दिलीप टिर्की ने दोनों टीमों का अभिवादन किया।

लिंकमैन के रूप में खेल रहे शमशेर सिंह के साथ मध्य पंक्ति में उप कप्तान हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद का बराबर आगे हमले के लिए गुरजंट और मनदीप सिंह के लिए गेंद बढ़ाना भारत के काम आया। अपने कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के पहले क्वार्टर के आखिरी मिनट और दूसरे क्वॉर्टर के अधबीच मिले शुरू क दोनों पेनल्टी कॉर्नर पर तेज व अचूक फ्लिक से दागे दो गोल से भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त ले ली थी। अकील अहमद बीच मैदान से गेंद को लेकर भारत की डी में पहुंचे और डी के ठीक उपर खड़े शाहिद अब्दुल अन्नान को पास दिया और उनके तेज शॉट जमाया लेकिन इससे पहले ही अंपायर ने तभी फाउल दे पाकिस्तान को रेफरल पर पेनल्टी कार्नर दे दिया लेकिन इस पर मोहम्मद खान के फ्लिक को भारत के गोलरक्षक कृष्ण बहादुर पाठक ने रोक कर अपनी टीम को गोल खाने से बचा लिया।

भारत के युवा आइकन रणविजय सिंह ने रियल कबड्डी लीग में हिस्सेदारी ली

दिल्ली 10 अगस्त (देशबन्धु)। भारत के युवा आइकन और आंत्रप्रेन्योर रणविजय सिंह एक स्टेकहोल्डर और ब्रांड प्रमोटर के रूप में रियल कबड्डी लीग से जुड़े हैं, जो इसके प्रचार को बढ़ावा देने में प्रत्यक्ष रूप से योदगान देंगे। लीग में उनके शामिल होने से इसके सुदृढ़, गतिशील और मनोरंजक होने की उम्मीद काफी बढ़ गई है। पिछले सीज़न में भी रणविजय ने रियल कबड्डी लीग में अपनी हिस्सेदारी दिखाई थी। इस बार न सिर्फ इन्वेस्टर, बल्कि एक ब्रांड प्रमोटर की भूमिका निभाकर भी वे लीग से अपने रिश्ते को और भी अधिक मजबूत कर रहे हैं। रियल कबड्डी के सीज़न 3 की शुरुआत सितंबर के आखिर में होना है। रणविजय की लीग में हिस्सेदारी के तहत इसे सिर्फ दर्शकों का एक नया समूह मिलेगा। लीग से एक बार फिर से जुड़ने को लेकर उत्साहित रणविजय सिंह ने कहा कि मैं रियल कबड्डी शुरू से ही देखता रहा हूँ और मुझे लगता है कि लीग में सबकी भूमिका काफी शानदार रही है। मैं इस खेल का बहुत बड़ा फैन हूँ। मेरा ऐसा मानना है कि क्रिकेट के बाद यदि कोई लीग लोकप्रिय हो सकती है, तो वह सिर्फ और सिर्फ कबड्डी है। अटलांचर स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक शुभम चौधरी ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि रणविजय वास्तव में बहुत बड़े कबड्डी फैन हैं, और मुझे खुशी है कि वे सिर्फ एक इन्वेस्टर के रूप में ही नहीं, बल्कि ब्रांड प्रमोटर के रूप में भी लीग के साथ जुड़ रहे हैं। मुझे यकीन है कि उनका यह साथ, हमें और भी अधिक लोगों से जुड़ने में सक्षम बनाएगा। हम खेल के साथ ही साथ मनोरंजन को भी बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं, और साथ ही युवाओं से इससे गहनता से जुड़ने का अनुरोध करते हैं। हम यह दर्शाने के लिए तत्पर हैं कि भारत के युवा आइकन से बेहतर इस लीग में और कोई नहीं हो सकता हैं।

निशिमोतो से भिड़ेंगे किदांबी, सिंधु को मिला बाई

कुआला लंपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले राउंड में भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु को बाई दिया गया है, जबकि किदांबी श्रीकांत जापान के केंता निशिमोतो के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को ड्रॉ आयोजित होने के बाद इसकी पुष्टि की।

कुल 16 भारतीय शटलर ड्रॉ का हिस्सा थे, जिनमें से चार एकल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। केवल एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी को शीर्ष 10 में वरीयता दी गयी है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु (16वीं वरीयता प्राप्त) दूसरे राउंड से अपने अभियान की शुरुआत

करेंगी जहां उनका मुकाबला जापान की नोज़ोमी ओकुहारा और वियतनाम की थुए लिन्ह नुयेन में से किसी एक से भिड़ेंगी।

दूसरी वरीयता प्राप्त और पिछले संस्करण के कांस्य पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को भी बाई मिली है। विश्व की नंबर दो पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में आयरलैंड के जोशुआ मैगी/पॉल रेनॉल्ड्स या ऑस्ट्रेलिया के केनेथ झे हूई चू/मिंग चुएन लिम से भिड़ेगी।

भारत के एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की स्टार तिकड़ी पुरुष एकल में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। पहले दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का मुकाबला फिनलैंड के काले कोलजोनेन से होगा, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य का मुकाबला मॉरीशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल से होगा।

महिला युगल प्रतियोगिता में 15वीं वरीयता प्राप्त त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई/यांग चिन तुन या एस्टोनिया की केटी-क्रीट मरान/हेलिना रूटेल से भिड़ेगी। अश्विनी भट्ट के. और शिखा गौतम की दूसरी भारतीय महिला युगल जोड़ी नीदरलैंड की देबोरा जिल और चेरिल सेनेन के खिलाफ क्वालीफिकेशन के लिये लड़ेगी।

विश्व कप में अहम भूमिका निभाना चाहते हैं बोल्ट

वेलिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व कप 2015 और 2019 के फाइनल में हार का स्वाद चखने के बाद न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट आगामी एकदिवसीय विश्व कप में अपनी टीम के लिये 'अहम भूमिका' निभाकर ट्रॉफी उठाना चाहते हैं।

बोल्ट ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा, टीम में वापस आना और एकदिवसीय विश्व कप की ओर काम करना मेरे मन में हमेशा रहा है। पिछले आयोजनों में हमारा अनुभव बेहद रोमांचक रहा है। इसलिये मैं टीम के साथ जुड़ने और बड़ी भूमिका निभाने के लिये उत्सुक हूं। उम्मीद है कि जिस चमकदार चीज के बेहद करीब हम चार साल पहले आये थे, उसे इस बार उठा सकेंगे।

बोल्ट ने पिछले साल न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के केन्द्रीय अनुबंध से नाम वापस लेकर दुनियाभर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का फैसला लिया था। वह कई मौकों पर फ्रेंचाइजी लीग प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये न्यूज़ीलैंड की टीम से बाहर रहे, लेकिन विश्व कप से ठीक पहले न्यूज़ीलैंड के इंग्लैंड दौरे पर उन्हें टीम में शामिल किया गया है। बोल्ट ने फ्रेंचाइजी

क्रिकेट खेलने के अपने फैसले पर कहा, एक साल पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट से दूर जाना आसान निर्णय नहीं था। मैं कभी नहीं चाहता था कि यह न्यूजीलैंड और फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बीच चुनना नहीं चाहता था। मैं सिर्फ यह जानता था कि मेरा करियर कितना लंबा है और एक गेंदबाज के रूप में अपने बचे हुए वर्षों का अधिकतम लाभ उठाना चाहता था। मैं निश्चित रूप से अब भी पहले की तरह अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिये भूखा हूं। उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में लोगों के साथ कुछ खास करूंगा।

बोल्ट ने कहा, मैं अब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का बहुत सम्मान करता हूं। यह क्रिकेट खेलने का सपना देखने वाले किसी भी बच्चे के लिये अहम भूमिका निभाता है और मेरी राय में एकदिवसीय विश्व कप अभी भी क्रिकेट का शिखर है।

उन्होंने कहा, जब मैंने अपने अनुबंध से हटने का निर्णय लिया, तो यह घर पर थोड़ा अधिक समय बिताने के लिये था। मैं जल्द ही दुनिया भर में बहुत अधिक क्रिकेट खेलने में समय बिताने लगा। मैं बहुत भाग्यशाली था कि अपने परिवार को दुनिया भर में ले जा सका और यह सबसे अच्छी चीजों में से एक रहा है। अपने बच्चों को टेक्सस में काउबॉय टोपी पहने और राजस्थान में पगड़ी पहने देखना... यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे आने वाले वर्षों में बहुत गर्व होगा।

उमरान मलिक के शस्त्रागार में तेज गति ही एकमात्र हथियार नहीं होना चाहिए : लारा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का मानना है कि भारत के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक बहुत युवा हैं और उनके पास खेल खेलने के लिए काफी साल हैं। साथ ही, लारा ने कहा कि मलिक के शस्त्रागार में तेज गति ही एकमात्र हथियार नहीं होना चाहिए। जून 2022 में अपने पदार्पण के बाद से, मलिक ने आठ टी20 खेले हैं, उन्होंने 10.48 के इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए हैं, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही श्रृंखला में अब तक नहीं खेले हैं।

पिछली एकदिवसीय श्रृंखला में, मलिक ने दो मैच खेले, लेकिन उनके नाम के आगे एक भी विकेट नहीं लगा। आईपीएल 2023 में, मलिक ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए केवल सात मैच खेले, जिनमें लारा मुख्य कोच थे, उन्होंने 10.35 की इकॉनमी रेट से पांच विकेट लिए।

लारा ने वेक अप विद सोरभ नाम के एक यूट्यूब शो में कहा, वह एक सनसनी होगा, लेकिन बहुत जल्दी उसे सीखना होगा कि तेज गेंदबाजी वास्तव में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को परेशान नहीं करती है। आपके पास गेंद के साथ कुछ करने की क्षमता होनी चाहिए, समझदार होना चाहिए, और शायद उस समय को समझना होगा जब आपको पीछे मुड़ना होगा या उस समय को समझना होगा जब आपको गति बढ़ानी होगी। वह बहुत छोटा है और अभी उसके पास कई साल हैं।

मैं वास्तव में यह नहीं सोच रहा कि भारतीय चयनकर्ता क्या सोच रहे होंगे : पृथ्वी शॉ

नॉर्थम्पटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। काउंटी ग्राउंड में समरसेट के खिलाफ वन-डे कप मैच में नॉर्थम्पटनशायर के लिए 244 रन बनाकर कई लिस्ट ए रिकॉर्ड तोड़ने के बाद, भारत के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने जोर देकर कहा कि वह घर पर राष्ट्रीय चयन समिति के बारे में नहीं सोच रहे हैं कि वे उनके प्रदर्शन के बारे में क्या सोच रहे होंगे। शॉ की 153 गेंदों में 28 चौकों और 11 छक्कों की मदद से खेली गई 244 रन की विशाल पारी की मदद से नॉर्थम्पटनशायर ने 8 विकेट पर 415 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर 87 रन से विजयी रही। उनकी पारी किसी भी लिस्ट ए मैच में छठा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। शॉ ने नॉर्थम्पटनशायर के लिए अपने पिछले दो अवसरों में 34 और 26 का स्कोर बनाया था। बुधवार को, उन्होंने गियर बदलने से पहले 81 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और बहुत ही कम समय में, केवल 129 गेंदों में अपना दूसरा शतक पूरा किया।

मैच समाप्त होने के बाद शॉ ने कहा, वास्तव में मैं यह नहीं सोच रहा कि भारतीय चयनकर्ता क्या सोच रहे होंगे, लेकिन मैं बस यहां अच्छा समय बिताना चाहता हूं, यहां के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ अच्छा समय बिताना चाहता हूं। नॉर्थम्पटनशायर ने मुझे यह अवसर दिया है ... वे वास्तव में मेरी देखभाल कर रहे हैं। मैं वास्तव में इसका आनंद ले रहा हूं। शॉ, जिन्होंने आखिरी बार जुलाई 2021 में भारत के लिए खेला था, कई लिस्ट ए दोहरे शतक बनाने वाले बल्लेबाजों के एक चुनिंदा क्लब में भी शामिल हो गए हैं, जिसमें भारत के

कप्तान रोहित शर्मा, ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अली ब्राउन इसके पिछले सदस्य हैं।

इंग्लैंड में लिस्ट ए दोहरा शतक बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बनने के बाद, शॉ के पास अब लिस्ट ए क्रिकेट में किसी विदेशी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा लिस्ट ए स्कोर बनाने का रिकॉर्ड है और वह दो देशों में और दो टीमों के लिए लिस्ट ए दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

शॉ ने कहा, जिन्होंने 2018 में पदार्पण पर टेस्ट शतक बनाया था, सूरज निकला हुआ था, यह आज के भारतीय मौसम जैसा था इसलिए यह वास्तव में अच्छा लग रहा था। आप जानते हैं कि जब कोई अंदरूनी किनारा मुझे बाहर नहीं निकाल पाता है, तो इसका मतलब है कि यह दिन मेरे लिए है। आपको कभी-कभी भाग्यशाली होना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक दिन था। मैंने उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लिस्ट ए क्रिकेट में शॉ का पिछला दोहरा शतक फरवरी 2021 में आया था जब उन्होंने पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई के लिए नाबाद 227 रन बनाए थे, जो टूर्नामेंट में उस समय का सर्वोच्च स्कोर भी था। अपनी रिकॉर्ड-तोड़ पारी के दौरान, शॉ ने नॉर्थम्पटनशायर के लिए सैम व्हाइटमैन (54) के साथ 194 रनों की बड़ी साझेदारी की।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ईमानदारी से कहूं तो 227 मेरे दिमाग में था। जब व्हाइटी (व्हाइटमैन) वहां थे तो मैंने उनसे बात की और मैंने उन्हें बताया कि यह 227 है, जो मेरा सर्वोच्च स्कोर है। लेकिन यह एक अच्छा टीम प्रयास था। मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि मैच जीतूं और मैं उस तरह के खिलाड़ी हूं जो पहले अपनी टीम को रखते हैं और उसके बाद खुद को। अगर इस तरह स्कोर करने से मेरी टीम को जीत हासिल करने में मदद मिल सकती है, तो मुझे इसे जारी रखना चाहिए।

सार संक्षेप

ईडन गार्डन के ड्रेसिंग रूम में लगी आग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित क्रिकेट मैदान ईडन गार्डन के ड्रेसिंग रूम में बुधवार रात आग लगने से छत और कुछ फर्नीचर क्षतिग्रस्त हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। फायर ब्रिगेड के सूत्रों ने कहा कि बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) में टीम के ड्रेसिंग रूम में झूठी छत के कुछ हिस्से और कुछ फर्नीचर बुधवार को लगभग 11:40 बजे वायरिंग में संदिग्ध शॉर्ट-सर्किट से लगी आग में क्षतिग्रस्त हो गये। जो लोग ड्रेसिंग रूम में काम कर रहे थे, उन्होंने सबसे पहले आग पर ध्यान दिया। तीन अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचने के बाद आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी में ईडन गार्डन में नवीनीकरण का काम चल रहा है। पिछले सप्ताहांत आईसीसी की एक टीम ने इस प्रतिष्ठित स्टेडियम की तैयारियों का निरीक्षण किया और संतुष्टि व्यक्त की। यह मैदान विश्व कप के पांच मैचों की मेजबानी करेगा।

भारत-पाकिस्तान मैच दबाव पर कुंबले ने कहा, केन्या से हार जाओ लेकिन पाकिस्तान से नहीं

नई दिल्ली। भारत के महान लेग स्पिनर और पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने खुलासा किया कि उनके खेल करियर में, भारत-पाकिस्तान मैचों का प्रचार इतने उच्च स्तर पर था कि अगर टीम केन्या से हार भी जाती तो प्रशंसकों को कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ नहीं। भारत 2 सितंबर को कैंडी के पल्लेकेल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 50 ओवर के एशिया कप 2023 के ग्रुप चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। यदि भारत और पाकिस्तान सुपर फोर चरण में पहुंचते हैं, तो उनका कोलंबो में आमना-सामना होना तय है। भारत और पाकिस्तान पुरुष वनडे विश्व कप के लीग चरण में 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। कुंबले ने बेंगलुरु में अनुभवी क्रिकेट प्रशासक अमृत माथुर द्वारा लिखे गए संस्मरण पिचसाइड के लॉन्च के दौरान कहा, हमारे समय में, यह शब्द था केन्या से भी हारें लेकिन पाकिस्तान से नहीं। कुंबले, जो 2016 से 2017 तक भारत के मुख्य कोच भी थे, को 1999 में नई दिल्ली में खेले गए टेस्ट मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 74 रन देकर ऐतिहासिक 10 विकेट लेने के लिए याद किया जाता है। पाकिस्तान के खिलाफ 34 एकदिवसीय मैचों में, कुंबले ने 54 विकेट लिए हैं। में 10 विकेट लेने के बारे में सोचकर मैदान पर नहीं गया था, हालांकि यह किसी भी गेंदबाज का सपना होता है।